@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 19 फरवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 100 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

महाकुम्भ को मृत्यु कुंभ बताने पर भड़के संत

नई दिल्ली, 18 फरवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुम्भ को मृत्यु कुम्भ कहे जाने पर संत समाज ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। संतों ने उनके बयान को सनातन धर्म और महाकुम्भ की पवित्रता का अपमान बताया। संत समाज ने एक सुर में ममता बनर्जी से अपने शब्दों पर खेद प्रकट करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की आत्मा है। श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी के राष्ट्रीय सचिव श्री महंत जमुना पुरी जी ने कहा कि ममता बनर्जी जिस जिम्मेदार पद पर हैं, वहां से ऐसा बयान देना शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा, प्रयागराज महाकुम्भ अमृत पर्व है, जिसकी दिव्यता और भव्यता पूरे विश्व ने देखी है। ममता बनर्जी को महाकुम्भ के नाम के साथ ऐसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरुण गिरी ने ममता बनर्जी के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, पश्चिम बंगाल हिन्दू सनातनियों के लिए मृत्यु प्रदेश बनता जा रहा है। हजारों सनातनियों का नरसंहार हो रहा है और चुनाव के समय लाखों हिंदुओं को पलायन करना पड़ता है। ममता बनर्जी को उत्तर प्रदेश की नहीं, अपने प्रदेश की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ को वैश्विक पहचान दिलाई और भव्य आयोजन से नया इतिहास रचा। निर्मोही अनी अखाड़ा के अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास ने ममता बनर्जी के बयान को सनातन धर्म का अपमान बताया। उन्होंने कहा, प्रयागराज महाकुम्भ ने सनातन की दिव्यता को शीर्ष पर स्थापित किया है। ममता बनर्जी महाकुम्भ का आंकलन नहीं कर सकतीं क्योंकि उन्होंने हमेशा सनातन और उसके प्रतीकों का अपमान किया है। ऐसे बयान देकर वे भी अरविंद केजरीवाल की राह पर चल रही हैं और उनका भी हश्र वही होगा। महामंडलेश्वर ईश्वर दास महाराज ने कहा कि ममता बनर्जी का बयान सनातन धर्म के खिलाफ उनकी मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी हमेशा सनातन का विरोध करती आई हैं।

भारत और कतर के बीच संबंधों में नया अध्याय: राष्ट्रपति मुर्मू

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 फरवरी। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। जहां मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनसे मुलाकात की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कतर के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंधों और मित्रता को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कतर और भारत के बीच एक विशेष बंधन है जो बहुत करीबी और जीवंत है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि दोनों देशों को जोड़ने वाली पारंपरिक नौकायन जहाजों को धो कहा जाता है, जो सदियों से दोनों देशों के बीच परंपाओं, वस्तुओं, विचारों और सांस्कृतिक मूल्यों का आदान-प्रदान करते आए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कतर में भारतीय समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय समुदाय ने कतर को अपना दूसरा घर बना लिया है और स्थानीय समाज में बखूबी घुलमिल गया है। उन्होंने कतर के लोगों के आतिथ्य और देखभाल के लिए आभार व्यक्त किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और कतर के बीच हाल ही में हुए रणनीतिक साझेदारी समझौतों पर हस्ताक्षर, दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और एक पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने के लिए उनके समान प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने इसे दोनों देशों की प्रतिभाओं, संसाधनों और संस्कृतियों के तालमेल का प्रतीक भी बताया। राष्ट्रपति ने इस बात का विश्वास व्यक्त किया कि उनकी कतर की राजकीय यात्रा, भारत और कतर के दीर्घकालिक और बहुआयामी संबंधों में एक नया अध्याय खोलेगी, जो दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचाएगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच

मित्रता और सहयोग के पुराने संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अपने देश की तत्परता को व्यक्त किया। साथ ही कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने भारत और कतर के बीच संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। उन्होंने भारतीय सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों को समर्थन देने और उन्हें और मजबूत बनाने की इच्छा रखते हैं। अमीर ने पिछले वर्ष दोनों देशों के सहयोग में हुई उल्लेखनीय प्रगति की बात की, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि व्यापार और आपसी निवेश के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं। इसके साथ ही, कतर और भारत के बीच एक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने का भी समझौता हुआ, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग को और भी मजबूत करने की दिशा में काम किया जा सकेगा। शेख तमीम ने भारत की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि कतर भारत की आर्थिक और सामाजिक सफलता को लेकर आशावान है। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में कतर, भारत को विश्वसनीय और सुरक्षित ऊर्जा स्रोत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। अमीर ने कतर में भारतीय समुदाय की भूमिका की भी सराहना की, जो कतर के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच एक मजबूत सामाजिक सेतु के रूप में देखा।

हार की हताश से परेशान है विपक्ष: सीएम योगी

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 18 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि हार की हताशा से परेशान विपक्ष अपनी खुन्नस को सदन पर नहीं उतारेगा, बल्कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक योगदान देगा। सीएम मंगलवार को बजट सत्र शुरू होने से पहले विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभिभाषण व बजट महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं जिसमें विपक्ष ही नहीं, बल्कि सदन का हर सदस्य अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकता है। विपक्ष जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहेगा, सरकार उसका तथ्यात्मक जवाब देगी। आरोप-प्रत्यारोप या फिर असंसदीय आचरण से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सीएम ने कहा कि उम्मीद करते हैं कि राज्यपाल के अभिभाषण से सुदृढ़ व मर्यादित आचरण की शुरुआत हम लोग विपक्ष के अंदर देखने का प्रयास करेंगे।

विपक्ष समेत सभी सदस्यगण सदन में ऐसा आचरण दिखाएंगे जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आमजन की आस्था और सुदृढ़ होगी। कहा, 20 फरवरी को वर्ष 2025-26 का प्रदेश का सामान्य बजट सदन में प्रस्तुत होगा। सदन 18 फरवरी से 5 मार्च तक प्रस्तावित है। बहुत कम मौके रहे हैं जब इतने लंबे समय तक सदन चला है। सदन सुचारू रूप से चले यह सिर्फ सत्ता पक्ष का नहीं, बल्कि विपक्ष का भी महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने कहा कि हताश-निराश विपक्ष मुद्दों पर चर्चा और सदन की कार्यवाही से भागने का प्रयास करता है। विपक्ष अगर सार्थक चर्चा को आगे बढ़ाने में मदद करेगा तो यह बजट सत्र बहुत अच्छा हो सकता है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, धर्मपाल सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह भी उनके साथ थे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्य विधानमंडल में राज्यपाल के अभिभाषण को सच्चाई से कोसों दूर बताया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण निराशाजनक है। इसमें जनसामान्य की आकांक्षाओं की पूरी तरह से उपेक्षा की गई है। अखिलेश ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि महाकुंभ में घोर अव्यवस्था को दिव्य-भव्य व्यवस्था का नाम देकर उन तमाम श्रद्धालुओं और उनके परिजनों का अपमान किया गया है जिनकी जानें सरकारी कुव्यवस्था ने ले ली है। सरकार की विफलता से जो घायल हुए, वे इलाज के लिए त?प रहे हैं। सरकार ने महाकुंभ में आने वालों की करो?ों की संख्या तो बता दी, पर अब तक मृतकों की संख्या व पता नहीं बताया है। आज भी महाकुंभ में तमाम लोग अपनों को खोज रहे हैं। यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि अभिभाषण में किसानों और नौजवानों के लिए कुछ भी नहीं है। प?-लिखे नौजवान नौकरी के लिए भटक रहे हैं।

रोने वाले बच्चे की तरह बर्ताव कर रहे राहुल: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 18 फरवरी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीईसी कि नियुक्ति पर आलोचना को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह रोने वाले बच्चों की तरह काम कर रहे हैं, जबकि कोई नियम या कानून नहीं तोड़ा गया है। प्रधान ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए अपनी सुविधानुसार संविधान को कई बार कुचली। कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर का उपहास करने और उनका अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ा, फिर भी कांग्रेस के युवराज बाबा साहब और हमारे संस्थापक नेताओं के आदर्शों को कायम रखने का दुस्साहस कर रहे हैं। प्रधान ने कहा, राहुल का यह ताजा तमाशा सीईसी की नियुक्ति पर विवाद पैदा करने और दुष्प्रचार का एक और प्रयास है। उन्होंने पूछा कि क्या राहुल गांधी भूल गए हैं कि कांग्रेस के शासन के दौरान चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कैसे की जाती थी? दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस सरकार ने चयन तंत्र में सुधार के लिए कुछ क्यों नहीं किया? शिक्षा मंत्री ने आगे कहा, वास्तव में, यह पहली बार है कि सीईसी की नियुक्ति संसद में पारित कानून के माध्यम से की गई है। यह हमारी सरकार है जिसने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए एक संयुक्त प्रणाली बनाई है, जिसमें विपक्ष के नेता भी शामिल हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी बिना किसी नियम/कानून के उल्लंघन के रोते बच्चे की तरह बर्ताव कर रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति के बाद मंगलवार को आरोप लगाया कि ऐसे समय में यह निर्णय आधी रात को लेना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के लिए गरिमा के प्रतिकूल है

चुनाव आयोग लोकतंत्र की पूजा स्थली: सीईसी राजीव कुमार

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 18 फरवरी। भारत के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने मंगलवार को भारतीय चुनाव आयोग से विदाई ली। विदाई के दौरान अपने संबोधन में उन्होंने लोकतंत्र की पूजा स्थली बताया। उन्होंने आयोग के भविष्य के बारे में आशा जताते हुए कहा कि आने वाली टीम इसे आज से भी ऊंचा उठाएगी। राजीव कुमार ने लोकतंत्र को मजबूत करने में मतदाताओं और राजनीतिक दलों की भूमिका की सराहना की। साथ ही देश के सभी मतदाताओं को शुभकामनाएं दीं। बता दें कि भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को विदाई दी। राजीव कुमार 18 फरवरी को अपने पद से इस्तीफा देंगे। आयोग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कुमार ने 1 सितंबर, 2020 को चुनाव आयुक्त के रूप में ईसीआई में प्रवेश किया और 15 मई, 2022 को भारत के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। आने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 19 फरवरी 2025 से कार्यभार संभालेंगे। नई दिल्ली स्थित भारत निर्वाचन आयोग में अपने विदाई समारोह के दौरान राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए, और किसी भी पुनर्मतदान या हिंसा की घटना नहीं हुई। उन्होंने

लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में मदद करने के लिए 15 मिलियन मतदान अधिकारियों का धन्यवाद किया और कहा कि भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों पर हमलों के बावजूद एक अरब मतदाताओं का विश्वास मजबूत है। कुमार ने तकनीकी सुधारों का समर्थन करते हुए कहा कि चुनाव संचालन को और मजबूत करने के लिए उन्होंने साइबर हमलों और सोशल मीडिया पर फैल रही गलत सूचनाओं से बचाव के उपाय तैयार किए। उन्होंने महिला मतदाताओं की भागीदारी की सराहना की और कहा कि चुनाव प्रक्रिया अब अधिक समावेशी बन रही है। उन्होंने मतदान केंद्रों पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की आवश्यकता जताई, ताकि नकल से बचा जा सके। साथ ही, राजनीतिक दलों द्वारा खर्च की ऑनलाइन रिपोर्टिंग की शुरुआत की सराहना की, और इसे बेहतर वित्तीय पारदर्शिता के लिए अनिवार्य करने की बात की। साथ ही कुमार ने यह भी कहा कि अनियमित सोशल मीडिया एल्गोरिदम चुनावों के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं, जिन्हें तत्काल संबोधित किया जाना चाहिए। अंत में, उन्होंने कहा कि चुनाव प्रबंधन में भारत की विशेषज्ञता देश की सबसे बड़ी सॉफ्ट पावर है। विदाई समारोह के दौरान राजिव कुमार ने कहा कि भारत का लोकतंत्र मजबूत रहेगा और दुनिया में सम्मान पाएगा। इस प्रक्रिया में मतदाताओं और राजनीतिक दलों का बड़ा योगदान है।

3600 करोड़ के अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले में आरोपी क्रिश्चियन मिशेल को बड़ी राहत

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड मामले में छह साल से हिरासत में बंद ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को जमानत दे दी। मिशेल अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में कथित तौर पर बिचौलिया था। सीबीआई और ईडी 3600 करोड़ रुपये के 12 वीवीआई हेलीकॉप्टर्स की खरीद में उसकी भूमिका की जांच कर रही हैं। उसे दुबई से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद दिसंबर 2018 में हिरासत में लिया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जेम्स पिछले छह साल से हिरासत में है, जबकि मामले की जांच अभी भी जारी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जेम्स को निचली अदालत द्वारा तय शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा किया जाएगा। जेम्स ने मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले के संबंध में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किये हैं। गौरतलब है कि 3,600 करोड़ रुपये का यह कथित घोटाला अगस्ता वेस्टलैंड से 12

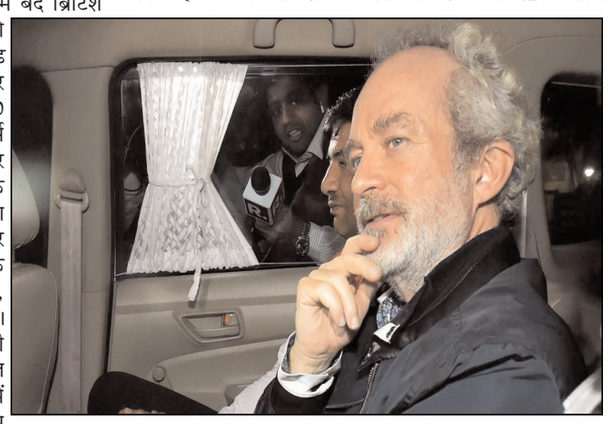

वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की खरीद से संबंधित है। क्रिश्चियन मिशेल जेम्स ब्रिटेन का निवासी है। उसे दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था। मिशेल जेम्स की जमानत याचिका 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थी। उसने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा था कि उसे इस आधार पर जमानत पर रिहा किया जाए कि वह मामलों में आधी सजा काट चुका है। इसके बाद 2024 में उसने दोबारा सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद दिसंबर 2024 में मिशेल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से जवाब मांगा था। 12 जनवरी को दिल्ली की एक अदालत ने एम्स को अगस्ता वेस्टलैंड मामले में जेल में बंद ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स के लिए हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। विशेष न्यायाधीश संजीव अग्रवाल ने मिशेल की याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में मिशेल ने दावा किया गया था कि उनकी टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी को टाला नहीं जा सकता था क्योंकि वह दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में अत्यधिक दर्द से पीड़ित हैं। 2018 में ब्रिटेन से प्रत्यर्पित किए गए मिशेल ने दावा किया कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी है।

मुख्यमंत्री सोरेन ने लॉन्च किए छह पोर्टल

रांची, 18 फरवरी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत छह नए पोर्टल लॉन्च किए हैं, जिनका उद्देश्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाना है। सोरेन ने रांची विज्ञान केंद्र में एक इनोवेशन हब का उद्घाटन भी किया और नए रांची विश्वविद्यालय परिसर तथा प्रस्तावित साइंस सिटी का एक मॉडल प्रस्तुत किया। सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा की ओर बढ़ रहे हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी विश्वविद्यालयों में संचालन को आसान बनाने के लिए ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत की गई है। वेतन निर्धारण और सत्यापन, शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना, प्रशिक्षुता प्रबंधन प्रणाली, निजी विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली, अनुदान-वित्त रहित कॉलेज (गैर-वित्तपोषित कॉलेज अनुदान पोर्टल), और शिक्षण प्रबंधन प्रणाली। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के प्रस्तावित नए भवन का मॉडल भी अनावरण किया गया।

शिवसेना के 20 विधायकों की सुरक्षा घटाने पर महायुति में तकरार!

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 18 फरवरी। महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया मोड़ आता हुआ दिख रहा है। जहां मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बीच चल रहे शीत युद्ध के दावों में नया मोड़ आता हुआ दिख रहा है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो सीएम फडणवीस के गृह विभाग ने 20 से अधिक शिवसेना विधायकों की सुरक्षा में बदलाव किया। उनकी सुरक्षा को वाई+ श्रेणी से घटाकर सिर्फ एक कांस्टेबल पर कर दिया गया। इसके साथ ही कुछ अन्य शिवसेना नेताओं की सुरक्षा भी वापस ले ली गई। हालांकि, गृह विभाग द्वारा भाजपा और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के कुछ नेताओं की सुरक्षा भी वापस लेने का दावा किया जा रहा है। हालांकि सरकार के इस कदम पर ना तो शासन ने कोई प्रतिक्रिया दी है और ना ही विधायकों ने कोई बयान जारी किया है। महाराष्ट्र की राजनीति में यह घटना महायुति सरकार में भागीदारों के बीच एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ का हिस्सा है। सोमवार को शिंदे ने शिवसेना के उदय सामंत द्वारा आयोजित उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया, जबकि फडणवीस ने जनवरी में ऐसी ही एक बैठक की थी। शिंदे की यह समीक्षा बैठक सामंत द्वारा भेजे गए एक पत्र के कुछ दिन बाद हुई। इससे ये तो साफ हो रहा है कि राजनीति में कुछ तो हलचल है। बात अगर सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव की करें तो अक्तूबर 2022 में शिंदे के सीएम बनने के बाद, जिन 44 विधायकों और 11 लोकसभा सदस्यों ने शिंदे का समर्थन किया था, उन्हें वाई+ सुरक्षा कवर दिया गया था। लेकिन अब मंत्रियों को छोड़कर बाकी सभी विधायकों की सुरक्षा घटा दी गई है। कई पूर्व सांसदों से भी सुरक्षा वापस ले ली गई है। इनमें भाजपा और राकांपा के कुछ नेता, शिवसेना से जुड़े लोग, और अन्य सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं।अंबानी परिवार के सदस्यों और कुछ अन्य प्रमुख व्यक्तियों को, जैसे कि अभिनेता अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार और सलमान खान को, भुगतान के आधार पर वर्गीकृत सुरक्षा दी गई है। इससे साफ है कि भाजपा और शिवसेना के बीच चल रहे विवाद के कारण राज्य की राजनीति में कई अहम बदलाव हो रहे हैं, जिनमें सुरक्षा कवर से लेकर मंत्रालयों के नियंत्रण तक कई पहलू शामिल हैं। रायगढ़ और नासिक में विवाद को लेकर भाजपा और शिवसेना के बीच शुरू हुआ गतिरोध अब बढ़ता जा रहा है। यह विवाद पहले रायगढ़ और नासिक के लिए संरक्षक मंत्री पदों को लेकर था, जो अभी भी अनसुलझा है। सीएम फडणवीस एनसीपी नेता अदिति तटकरे को रायगढ़ का संरक्षक मंत्री नियुक्त

किया था। इस विवाद से शिंदे की नाराजगी साफ सामने आ रही थी, क्योंकि वो चाहते थे कि उनके पार्टी से कोई इस पद को संभाले। इसके साथ ही एक पहलू ये भी है कि पिछले महीने, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने नासिक मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण की बैठक छोड़ दी थी, जो फडणवीस द्वारा बुलाई गई थी, और बाद में उन्होंने खुद इस विषय पर अपनी समीक्षा बैठक की। हाल ही में, शिंदे ने मंत्रालय में एक नया डिप्टी सीएम का मेडिकल एड सेल स्थापित किया और अपने करीबी सहयोगी को इसका प्रमुख नियुक्त किया। यह पहली बार है जब किसी डिप्टी सीएम ने सीएम रिलीफ फंड सेल के बावजूद ऐसा सेल स्थापित किया है। इस बात से फडणवीस के समर्थकों में भी बातें तेज है। फडणवीस को एक महत्वपूर्ण पद पर नामित किया गया था, लेकिन शिंदे को महाराष्ट्र आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से बाहर रखा गया था। इसके बाद नियमों में बदलाव किया गया, ताकि शिंदे को इसमें शामिल किया जा सके। इसी तरह, एमएसआरटीसी का अध्यक्ष एक नौकरशाह को नियुक्त किया गया, जबकि हाल के दिनों में परिवहन मंत्री इस पद पर थे। मामले में अधिकारियों का कहना है कि सीएम और डिप्टी सीएम की समान विभागों पर समीक्षा बैठकों के कारण दोहराव हो रहा है। एक पूर्व अधिकारी ने बताया ने तकनीकी रूप से, डिप्टी सीएम के पास कैबिनेट मंत्री के अलावा कोई विशेष अधिकार नहीं हैं।

शेख हसीना ने युनूस पर लगाया आतंकवाद फैलाने का आरोप

नई दिल्ली, 18 फरवरी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। हसीना ने कहा कि उन्होंने देश के लोगों को मारने के लिए आतंकवादियों को छोड़ दिया है। पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में बांग्लादेश में सरकार विरोधी बड़े पैमाने पर हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद हसीना को शेख हसीना को प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देने का मजूबर होना पड़ा और पांच अगस्त को वह बांग्लादेश से भागकर भारत आ गईं। हसीना ने पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुए हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान मारे गए पुलिस अधिकारियों की विधवाओं और बच्चों के साथ डिजिटल माध्यम से बातचीत की। इस दौरान हसीना ने कहा, उन्होंने (मोहम्मद यूनुस) सभी जांच एजेंसियों को भंग कर दिया है और लोगों की हत्या करने के लिए आतंकवादियों को छोड़ दिया है। वह बांग्लादेश को तबाह कर रहे हैं। बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। जिसमें हसीना शोकाकुल परिवारों के सदस्यों को सांत्वना देते हुए नजर आ रही हैं कि घर लौटने के बाद वह इन हत्याओं का बदला लेंगी। उन्होंने कहा, मैं वापस आऊंगी और हमारे पुलिसकर्मियों की मौत का बदला लूंगी। हसीना ने आगे कहा, जब मेरी सरकार गिरा दी गई थी, तो मैं भी भगवान की कृपा से बाल-बाल बच गईं। भगवान ने निश्चित रूप से मुझे कुछ अच्छा करने के लिए जीवित रखा। अपदस्थ प्रधानमंत्री ने कहा, यूनुस को सरकार चलाने का कोई अनुभव नहीं है। हमें इस अराजकता को खत्म करना होगा। जूम के जरिए हुई इस बातचीत का संचालन पार्टी के नजरुल इस्लाम ने किया। इससे पहले सोशल मीडिया पर हसीना ने यूनुस पर उनकी सरकार को हटाने और सत्ता कब्जाने के लिए एक लंबी और सुनियोजित साजिश रचने का आरोप लगाया था।

रूस ने आज़ोव सागर में नौवहन सुरक्षा पर यूक्रेन के साथ समझौता किया समाप्त

एजेंसी

मास्को। रूस ने आज़ोव सागर और केर्च जलडमरूमध्य में नौवहन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूक्रेन के साथ समझौते को आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया है। रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन की ओर से हस्ताक्षरित एक आदेश के माध्यम से इस निर्णय को औपचारिक रूप दिया गया। देश के कानूनी सूचना पोर्टल पर प्रकाशित एक आधिकारिक दस्तावेज में कहा गया,रूसी संघ के अंतरराष्ट्रीय संधियों पर संघीय कानून के अनुच्छेद के पैराग्राफ के अनुसार, 20 मार्च, 2012 को मास्को में हस्ताक्षरित अज़ोव सागर और केर्च स्ट्रेट में नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर रूसी संघ की सरकार और यूक्रेन के मंत्रियों के मंत्रिमंडल के बीच समझौता समाप्त किया जाता है। रूसी विदेश मंत्रालय को यूक्रेन को इस समझौते को समाप्ति के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया गया है।

अमेरिका यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने में मदद कर सकता है-लावरोव

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि लगभग तीन साल पहले लड़ाई शुरू होने के बाद से अपनी 'केंद्रीय भूमिका' का हवाला देते हुए अमेरिका यूक्रेनी संघर्ष को सुलझाने में मदद कर सकता है। लावरोव की यह टिप्पणी सऊदी अरब में मंगलवार को होने वाली अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ उनकी बैठक से पहले आई है। क्रेमलिन ने कहा कि दोनों पक्षों द्वारा संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत करने की उम्मीद है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक का मार्ग प्रशस्त करेगी। लावरोव ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि यूरोपीय लोगों को बातचीत की मेज पर सीट मिलेगी, उन्होंने उन पर यूक्रेन को संघर्ष जारी रखने में सक्षम बनाने के लिए संभावित युद्धविराम का उपयोग करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

म्यांमार ने दूरसंचार धोखाधड़ी कार्रवाई में 273 अवैध विदेशी प्रवेशकों को गिरफ्तार किया

यांगून। म्यांमार के अधिकारियों ने कायिन राज्य के म्यावाडी टाउनशिप में अवैध रूप से देश में प्रवेश करने वाले 273 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। म्यांमार के राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने यह जानकारी दी। टीम ने कहा कि उन्हें श्वे कोक्को और केके पार्क के इलाकों से गिरफ्तार किया गया। टीम ने कहा कि 30 जनवरी से सोमवार तक म्यांमार में अवैध रूप से प्रवेश करने पर कुल 1,303 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इसमें कहा गया है कि ये अवैध ऑनलाइन जुआ, दूरसंचार धोखाधड़ी और सीमावर्ती क्षेत्रों में अपराधों पर नकेल कसने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा हैं।

डूबती नाव से 7 प्रवासियों को बचाया गया

ट्यूनिस। ट्यूनीशियाई नेशनल गार्ड ने घोषणा की कि ट्यूनीशिया के उत्तरी तट पर एक डूबती नाव से सात प्रवासियों को बचाया गया। नेशनल गार्ड के फेसबुक पेज पर एक बयान के अनुसार, बचाव अभियान बिज़ेरटे प्रांत में सिदी मेचरेग के तट के पास हुआ। बयान में बचाव का समय या प्रवासियों की राष्ट्रीयता निर्दिष्ट नहीं की गई। बयान में कहा गया, 'छह फरवरी को पड़ोसी देश के एक तटीय शहर से अवैध रूप से नौकायन का प्रयास करते समय उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।' बचाए गए प्रवासियों को बिज़ेर्टे के बंदरगाह पर ले जाया गया, जहां नागरिक सुरक्षा टीमों ने उन्हें आगे की चिकित्सा देखभाल के लिए क्षेत्रीय अस्पताल में स्थानांतरित करने से पहले प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की। मध्य भूमध्य सागर में स्थित ट्यूनीशिया, यूरोप में अवैध आप्रवासन के लिए मुख्य पारगमन बिंदुओं में से एक है।

टेट बंधुओं पर यात्रा प्रतिबंध हटाने के लिए अमेरिका ने रोमानिया पर डाला दबाव

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की मांग है कि रोमानिया ब्रिटिश-अमेरिकी सोशल मीडिया व्यक्तित्व और ब्रिटेन के पूर्व किकबॉक्सर एंड्रयू टेट और उनके भाई ट्रिस्टन पर यात्रा प्रतिबंध हटा दे। जिन पर रोमानिया में मानव तस्करी और बलात्कार का आरोप है। फाइनेंशियल टाइम्स अखबार ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है। बुखारेस्ट की एक अदालत ने 14 फरवरी को एंड्रयू टेट के मामले में घर की गिरफ्तारी को न्यायिक हिरासत से बदलने का फैसला किया। रिपोर्ट में कहा गया कि भाइयों के पासपोर्ट वापस लौटाने और मुकदमे के नतीजे का इंतजार करने के दौरान उन्हें यात्रा करने की अनुमति देने का अनुरोध दायर किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेट बंधुओं के मामले का पहली बार पिछले हफ्ते अमेरिकी अधिकारियों और रोमानियाई सरकार के बीच एक फोन कॉल में उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था।

ईरान से आने-जाने वाली उड़ानों पर जारी रहेगी रोक, लेबनान सरकार का फैसला

एजेंसी

बेरूत । लेबनान सरकार ने ईरान से आने-जाने वाली उड़ानों के निलंबन को बढ़ाने का फैसला किया, हालांकि विस्तार की अवधि स्पष्ट नहीं की। लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रपति जोसेफ औन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिस्तरीय बैठक में लिया गया। मीटिंग में प्रधानमंत्री, रक्षा, विदेश, आंतरिक और परिवहन मंत्री शामिल हुए।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में बेरूत के राफिक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के उपायों पर केंद्रित थी। लेबनान सरकार ने यह भी कहा कि विमान निरीक्षण के लिए सभी मौजूदा सुरक्षा प्रक्रियाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। इसके साथ ही एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए जरूरी प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बता दें पिछले सप्ताह, लेबनान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने एयर पोर्ट पर आने वाली कुछ उड़ानों के लिए अस्थायी रोक लगा दी थी जिनमें ईरान से आने वाली फ्लाइट्स भी शामिल थीं। लेबनान के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने गुरुवार को कहा था कि उसने ईरान सहित कुछ फ्लाइट्स को 18 फरवरी तक 'अस्थायी रूप से रिशेड्यूल' किया है क्योंकि वह 'अतिरिक्त सुरक्षा उपायों' को लागू कर रहा है। इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाय एद्राई ने ईरान के कुद्स फोर्स पर बेरूत एयरपोर्ट के जरिए सिविल फ्लाइट्स का उपयोग करके हिजबुल्लाह के लिए धन की तस्करी करने का आरोप लगाया था। इसके बाद ईरानी फ्लाइट्स को रोकने का निर्णय लिया गया। जवाब में, हिजबुल्लाह समर्थकों ने गुरुवार से शनिवार तक विरोध प्रदर्शन किया, हवाई अड्डे और बेरूत के अन्य हिस्सों की ओर जाने वाली सड़कों को ब्लॉक कर दिया। उन्होंने उड़ान प्रतिबंधों की निंदा करते हुए इसे इजरायली दबाव के आगे झुकने का कृत्य बताया। हिजबुल्लाह ने लेबनानी सरकार से इस फैसले को वापस लेने की अपील की। समूह ने अधिकारियों से लेबनान की संप्रभुता में बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का आग्रह किया।

मेक्सिको सरकार ने गूगल को उनकी खाड़ी क्षेत्र का नाम परिवर्तन को लेकर दी चेतावनी

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको सरकार ने गूगल को चेतावनी दी है कि अगर उसने अपने गूगल मैप पर उपयोगकर्ताओं को मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी किया तो वह उसके खिलाफ अदालत जाएगी। गूगल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकारी आदेश के अनुरूप उनकी खाड़ी का नाम बदलने वाला है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने नेशनल पैलेस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम गूगल से जवाब का इंतजार करेंगे और अगर कोई जवाब नहीं आता है, तो हम कानूनी कार्रवाई करेंगे। उनके पास कोई अधिकार नहीं है। गूगल को मेक्सिको और क्यूबा के लिए प्लेटफॉर्म का नाम बदलने का अधिकार नहीं है और इसी वजह से यह स्थिति पैदा हुई है। मैक्सिकन सरकार ने गूगल को लिखे एक पत्र में कहा कि मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने का श्री ट्रंप का कार्यकारी आदेश अमेरिका के क्षेत्रीय जल के भीतर या तट से 22 समुद्री मील की दूरी तक वैध है, क्योंकि इस नाम को अंतरराष्ट्रीय संगठनों और समझौतों में कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त है। सुश्री शीनबाम ने कहा, अन्य देशों के लिए, यह मेक्सिको की खाड़ी और अमेरिका के रूप में दिखाई देगा। कार्यकारी आदेश केवल महाद्वीपीय शेल्फ का नाम बदलता है, संपूर्ण खाड़ी का नहीं! यहां, गूगल मैक्सिकन और क्यूबा प्लेटफ़ॉर्म का नाम बदल रहा है। हम इससे सहमत नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि 20 जनवरी को, अपने पदभार ग्रहण करने के पहले दिन श्री ट्रम्प ने मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी और अलास्का में माउंट डेनाली का नाम बदलकर माउंट मैकिन्ले करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।

यूरोप को यूक्रेन का समर्थन जारी रखना चाहिए : जर्मन चांसलर स्कोल्ज

एजेंसी

पेरिस । जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने कहा कि यूरोप को यूक्रेन का समर्थन जारी रखना चाहिए साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन पर कोई तानाशाही शांति नहीं थोपी जा सकती। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को यह भरोसा होना चाहिए कि यूरोप उसके साथ खड़ा है और उसकी मदद करता रहेगा। स्कोल्ज़ ने यह बयान एक आपातकालीन बैठक के बाद दिया, जिसे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने बुलाया था। यह बैठक रूस और अमेरिका के बीच होने वाली वार्ता से पहले हुई, जिसमें यूरोपीय देशों ने अपनी रणनीति पर चर्चा की। स्कोल्ज़ ने कहा कि यूक्रेन किसी भी ऐसी शांति को स्वीकार नहीं कर सकता जो जबरदस्ती थोपी जाए।

जर्मन चांसलर ने यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका से सामूहिक सुरक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का आग्रह किया और कहा कि नाटो की ताकत इसी में है कि सभी देश मिलकर काम करें और जोखिम साझा करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस एकता पर कोई सवाल नहीं उठना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या यूरोपीय देश शांति मिशन के तहत यूक्रेन में जमीनी सेना भेज सकते हैं, तो स्कोल्ज ने इसे समय से पहले बताया और कहा कि इस पर अभी चर्चा करना सही नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम दो प्रतिशत रक्षा बजट पर खर्च करने के लिए तैयार हैं।इसके अलावा, जर्मनी इस बात का समर्थन करता है कि अगर यूरोपीय देश अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करते हैं, तो इस खर्च को उनके बजट घाटे की गणना में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। इस बैठक में नाटो और यूरोपीय कमीशन के नेताओं के साथ-साथ फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, स्पेन, इटली, डेनमार्क और नीदरलैंड सहित कई यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसका मुख्य उद्देश्य रूस और अमेरिका की वार्ता से पहले एक साझा यूरोपीय प्रतिक्रिया तैयार करना था। हालांकि, इस वार्ता में न तो ब्रुसेल्स को और न ही कीव को आमंत्रित किया गया है।

नेतन्याहू ने यूएनआरडब्ल्यूए पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को तत्काल लागू करने का दिया आदेश

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने निकट पूर्व में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को तत्काल लागू करने का आदेश दिया है। प्रधान मंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी।कार्यालय ने 'एक्स' पर कहा, प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने निर्देश दिया है कि नेसेट ने व्यापक समर्थन के साथ पारित किये गये यूएनआरडब्ल्यूए कानून को तुरंत लागू किया जाए। प्रधान मंत्री के निर्देश के कार्यान्वयन पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

अक्टूबर के अंत में, इज़रायली संसद ने यूएनआरडब्ल्यूए के कुछ कर्मचारियों पर अक्टूबर 2023 के हमास हमले में शामिल होने का आरोप लगाने के बाद इज़रायल और उसके नियंत्रण वाले क्षेत्रों में यूएनआरडब्ल्यूए गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से विधेयक पारित किया। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इज़रायल ने अपने आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है। इज़रायली सरकार के प्रवक्ता डेविड मेंटज़र ने 29 जनवरी को कहा कि यूएनआरडब्ल्यूए कार्यालयों को 48 घंटों के भीतर बंद कर दिया जाएगा और संयुक्त राष्ट्र सहायता एजेंसी के साथ सभी संपर्क निलंबित कर दिए जाएंगे। यूएनआरडब्ल्यूए गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून 30 जनवरी को लागू हुआ।

कनाडा के टोरंटो में यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी

टोरंटो । कनाडा के टोरंटो में एक बड़ा हादसा तब टल गया जब मिनियापोलिस से आ रहा डेल्टा फ्लाइट का एक विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 80 यात्री चमत्कारिक रूप से बच गए।

सोमवार दोपहर को जब विमान रनवे पर उतरा, तो वह नियंत्रण खो बैठा और टकराने के बाद उसका एक विंग टूट गया। इसके बाद विमान पलट गया। इस दौरान चालक दल के सदस्यों ने सतर्कता दिखाते हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। दुर्घटना में एक बच्चे समेत 18 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से दो की हालत गंभीर है लेकिन उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। दुर्घटना के वीडियो में नजर आया कि चालक दल के सदस्य यात्रियों को बर्फ से ढके हवाई क्षेत्र में विमान से बाहर निकाल रहे थे, जबकि अग्निशमन कर्मी विमान और उसके आसपास के क्षेत्र को आग लगने से बचाने के लिए फोम से ढकने का प्रयास कर रहे थे। यह विमान कनाडा में निर्मित एम्ब्रेयर सीआरजे-900 था, जिसका संचालन डेल्टा एयरलाइंस की सहायक कंपनी एंडेवर एयर कर रही थी। यह घटना असामान्य थी, क्योंकि बड़े यात्री विमानों का इस तरह पलटना दुर्लभ माना जाता है। कनाडाई परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस दुर्घटना की गहन जांच करेगा, जिसमें अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड की भी सहायता ली जाएगी। डेल्टा एयरलाइंस के सीईओ एड बास्टियन ने एक बयान जारी कर कहा कि वे घटना के सभी विवरणों की पुष्टि करने का प्रयास कर रहे हैं और नवीनतम जानकारी उनकी आधिकारिक वेबसाइट पर साझा की जाएगी। कनाडा की मौसम सेवा के अनुसार, हादसे के वक्त हवा की रफ्तार 61 किलोमीटर प्रति घंटे थी, जिससे लैंडिंग में कठिनाई आ रही थी। विमान में सवार यात्री जॉन नेल्सन ने फेसबुक पर हादसे का वीडियो पोस्ट किया और बताया कि उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, लेकिन अधिकतर यात्री सुरक्षित हैं। यह दुर्घटना हाल ही में उत्तरी अमेरिका में हुई कई विमान दुर्घटनाओं जैसी ही है। इससे पहले, 29 जनवरी को वाशिंगटन में एक सैन्य हेलीकॉप्टर ने अमेरिकन एयरलाइंस के जेट को टक्कर मार दी थी, जिससे दोनों विमान पोटोमैक नदी में गिर गए और 67 लोगों की मौत हो गई थी। 1 फरवरी को फिलाडेल्फिया में एक एयर एम्बुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें छह लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, 6 फरवरी को अलास्का में एक विमान बर्फीले जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सभी 10 यात्रियों की मौत हो गई थी।

अमेरिकी प्रशासन ने नेपाल को दी जा रही 40 मिलियन डॉलर की सहायता रोकी

एजेंसी

काठमांडू। अमेरिकी प्रशासन ने नेपाल को विभिन्न तरीके से दी जाने वाली सहायता पर रोक लगा दी है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के साथ ही पहले अमेरिकी सरकार की विदेशी सहायता एजेंसी यूएसएआईडी की ओर से दिए जा रहे सहयोग पर रोक लगाई गई और अब वार्षिक रूप से दिए जाने वाले 40 मिलियन डॉलर के आर्थिक अनुदान पर भी रोक लगा दी गई है।एलन मस्क के नेतृत्व में बने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) ने एक नोटिस जारी करते हुए नेपाल को वित्तीय सहायता के लिए दिए जाने वाले 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर और जैविक विविधता के नाम पर दिए जाने वाले 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुदान को तत्काल बंद कर दिया है। नेपाली रुपये में यह रकम करीब 450 करोड़ है। नोटिस में कहा गया है कि अमेरिकी जनता के टैक्स के पैसे का विदेशों में आर्थिक अनुदान देकर होने वाले दुरुपयोग को रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से सभी आर्थिक अनुदान को रद्द किया जाता है। हालांकि, नेपाल सरकार ने अभी इस बारे में अनभिज्ञता जताई है, लेकिन डीओजीई ने अपने एक्स अकाउंट से इसकी औपचारिक जानकारी दी है। इस नोटिस के जरिए अन्य देशों के अलावा नेपाल के भी वित्तीय संघीयता और जैविक विविधता के नाम पर दिए जा रहे सहयोग को रोकने की जानकारी दी गई है। सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने कहा कि सरकार के पास अब तक सिर्फ यूएसएआईडी की ओर से दी जाने वाली सभी प्रकार की सहायता को रोकने की औपचारिक जानकारी मिली है। अमेरिकी प्रशासन के इस नए आदेश के बारे में अब तक कोई भी जानकारी अमेरिकी सरकार या अमेरिकी दूतावास के तरफ से नहीं दी गई है।

सऊदी अरब में मिलेंगे रूस और अमेरिका के विदेश मंत्री, यूक्रेन संकट के समाधान पर होगी चर्चा

एजेंसी

मॉस्को। रूस ने कहा कि विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मंगलवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो सहित शीर्ष यूएस अधिकारियों के साथ वार्ता करेंगे, जिसमें यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने और रूस-अमेरिका संबंधों के ÷संपूर्ण परिसर÷ को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रुबियो सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंचे, जो पहले से तय यात्रा थी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और मध्य पूर्व के दूत स्टीव विटकॉफ, भी ही पहुंचेंगे और बातचीत में शामिल होंगे।यह वार्ता रूसी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच वर्षों में पहली उच्च स्तरीय, आमने-सामने की चर्चा होगी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूसी और अमेरिकी प्रतिनिधि मंगलवार को सऊदी अरब में बैठक करेंगे। उन्होंने कहा, मुख्य रूप से रूसी-अमेरिकी संबंधों को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित होगा साथ ही यूक्रेनी समझौते पर संभावित वार्ता की तैयारी और दोनों राष्ट्रपतियों के बीच बैठक के आयोजन पर भी विचार होगा।

हालांकि जब पेस्कोव से पूछा गया कि क्या पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस महीने के अंत में सऊदी अरब में आमने-सामने मुलाकात करेंगे, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पेस्कोव ने कहा कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से रियाद के लिए रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि वे मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।पेस्कोव ने कहा कि लावरोव और उशाकोव बातचीत के नतीजों के बारे में पुतिन को जानकारी देंगे।

पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 12 फरवरी को टेलीफोन पर बातचीत की, जिसके दौरान दोनों नेताओं ने भविष्य में एक बैठक सहित व्यक्तिगत संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। रुबियो, ने शनिवार को अपने रूसी समकक्ष विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से फोन पर बात की। उन्होंने रविवार को कहा कि आने वाले सप्ताह और दिन यह निर्धारित करेंगे कि पुतिन शांति स्थापित करने के लिए गंभीर हैं या नहीं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी इस क्षेत्र में हैं। रविवार को संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे जेलेंस्की ने कहा कि उनका सऊदी अरब और तुर्की जाने का भी इरादा है, लेकिन कोई तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि उनकी रूसी या अमेरिकी अधिकारियों से मिलने की कोई योजना नहीं है। माना जा रहा है कि यूक्रेन को सऊदी द्वारा आयोजित वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है।

नेपाली छात्रों से दुर्व्यवहार के मामले में ओडिशा के इंजीनियरिंग कॉलेज से दो सुरक्षाकर्मी बर्खास्त, तीन अधिकारी निलंबित

एजेंसी

काठमांडू। भारत के ओडिशा प्रदेश के भुवनेश्वर में रहे कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में रविवार की रात को एक नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद उत्पन्न तनाव और वहां के सुरक्षाकर्मियों के नेपाली छात्रों के साथ की गई मारपीट और दुर्व्यवहार में शामिल दो सुरक्षाकर्मी को बर्खास्त करने के साथ प्रशासन के तीन अधिकारियों को जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है। नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद स्थानीय पुलिस ने उसी संस्थान के एक छात्र को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना का विरोध कर रहे नेपाली छात्रों के साथ संस्थान के प्रशासन के अधिकारियों ने न सिर्फ दुर्व्यवहार किया बल्कि एक नोटिस जारी करते हुए तत्काल हॉस्टल खाली करने का निर्देश दिया। इस संस्थान में नेपाल के करीब 1500 छात्र अध्ययन करते हैं। छात्रों को हॉस्टल खाली करने के निर्देश के बाद उनके साथ वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने मारपीट की घटना। इस मामले को तूल पकड़ता देख कैंपस प्रशासन ने मारपीट में संलिप्त दो सुरक्षा कर्मियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया। साथ ही केआईआईटी ने जारी बयान में कहा कि प्रशासन ने नेपाली छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने और गाली गलौज करने वाले हॉस्टल वार्डन सहित तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस बयान में बताया गया कि हॉस्टल खाली करने के अपने पहले के निर्णय को वापस लेते हुए सभी नेपाली छात्रों से तुरंत वापस लौटने और अपना अध्ययन जारी रखने की अपील की गई है। भुवनेश्वर और कटक के स्टेशन पर पहुंचाए गए नेपाली छात्रों को वापस लाने के लिए स्थानीय पुलिस ने भी अपील की है।

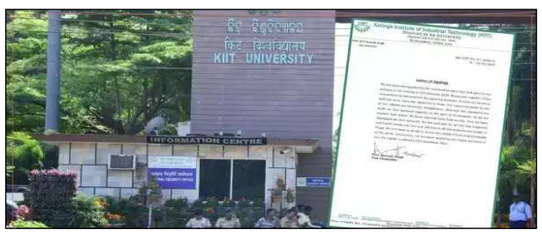

फिलीपीन में तमिल कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी

मनीला। भारतीय राजदूत हर्ष कुमार जैन ने प्रसिद्ध तमिल कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का फिलीपीन में अनावरण किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। फिलीपीन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रतिमा का अनावरण शनिवार को सेबू शहर के गुल्लास कॉलेज ऑफ मेडिसिन (जीसीएम) में किया गया। राजदूत ने कॉलेज में भारत-फिलीपीन सांस्कृतिक एवं शैक्षिक आदान-प्रदान सम्मेलन में भी हिस्सा लिया।

इजरायली सेना को 18 फरवरी तक लेबनान से पूरी तरह हटना होगा : हिजबुल्लाह प्रमुख

एजेंसी

बेरूत । हिजबुल्लाह के महासचिव नईम कासिम ने कहा कि इजरायल को 18 फरवरी (मंगलवार) तक लेबनान से पूरी तरह हट जाना चाहिए। कासिम ने एक टेलीविजन भाषण में कहा, आज, हमारे सामने 18 फरवरी की समयसीमा है, कब्जे वाली सेना को दक्षिणी लेबनान से पूरी तरह हट जाना चाहिए। उसे किसी भी तरह की उपस्थिति नहीं रखनी चाहिए। समाचार एजेंसी के मुताबिक हिजबुल्लाह महासचिव ने कहा कि लेबनानी राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए 'हर संभव प्रयास करे' कि इजरायल तय समय पर वापस लौट जाए। इजरायल ने लेबनान से सेना की पूरी वापसी को 18 फरवरी तक के लिए टाल दिया था। वह शुरुआती समय सीमा तक ऐसा करने से चूक गया था।इजरायली सेना ने समय सीमा से परे दक्षिणी लेबनान में पांच रणनीतिक ठिकानों पर नियंत्रण बनाए रखने का इरादा भी जाहिर किया , लेकिन हिजबुल्लाह ने इस कदम को भी खारिज कर दिया। कासिम ने भाषण में कहा, कोई पांच प्वाइंट या कुछ और नहीं... यही समझौता है। इस बीच, रविवार रात को इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान और बेका क्षेत्र के इलाकों पर हवाई हमले किए। लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, युद्धक विमानों ने हरबता शहर के बाहरी इलाके में दो हवाई हमले किए। तीसरा हवाई हमला शहर पर किया गया। एनएनए ने कहा कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान में वादी अल-जैनी शहर पर भी हवाई हमला किया। हिजबुल्लाह और इजरायली सेना के बीच संघर्ष विराम समझौता 27 नवंबर, 2024 से प्रभावी है, जिसने गाजा युद्ध के कारण एक साल से अधिक समय से चल रहे संघर्षों को रोक दिया। इस समझौते के तहत इजरायल को 60 दिनों के भीतर लेबनानी क्षेत्र से हटना होगा। लेबनानी सेना सीमा पर और दक्षिण में नियंत्रण संभालेगी, जिससे लिटानी नदी के दक्षिण में हथियारों या सशस्त्र समूहों की मौजूदगी सुनिश्चित होगी। 27 जनवरी को, लेबनान की कार्यवाहक सरकार ने युद्ध विराम समझौते को 18 फरवरी तक बढ़ाने की घोषणा की, इससे इजरायल की पूरी तरह वापसी के बिना शुरुआती 60-दिवसीय अवधि समाप्त हो गई। युद्ध विराम के बावजूद, इजरायली सेना ने सुरक्षा खतरों का हवाला देते हुए लेबनान में हमले जारी रखे हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पुलिस ने ड्रग्स तस्कर को किया गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी स्नैचिंग टीम ने एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर 50 लाख रुपये मूल्य की मेथमफेटामाइन व एल्केलॉइड ड्रग्स बरामद की है। आरोपित की पहचान टोनी डेविड के रूप में हुई है। पुलिस उसके नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि ड्रग्स तस्करों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सूचना मिली कि एक युवक महिपालपुर इलाके में रहकर ड्रग्स का धंधा कर रहा है।

पुलिस टीम ने गली नंबर 1 में किराए पर कमरा लेकर रह रहे टोनी डेविड को पकड़ा। उसके कब्जे से 65.83 ग्राम मेथमफेटामाइन और एल्कोलॉइड ड्रग बरामद हुआ। आरोपित टोनी डेविड जयपुर का स्थायी निवासी है। वह नौकरी के लिए दिल्ली आया था लेकिन यहां वह ड्रग सप्लायरों के संपर्क में आ गया। वह महरौली और उत्तम नगर इलाके से नाइजीरियाई नागरिकों से ड्रग्स खरीदता था।

लूट की साजिश नाकाम, बाबा गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बाबा गैंग के दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपित दिल्ली और हरियाणा में संगठित अपराध को अंजाम देने की फिराक में थे। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान गौरव (20) और दीपांशु (21) के रूप में हुई है। दोनों हरियाणा के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्टल, दो मैगजीन, 10 कारतूस, तीन देशी कट्टे, पांच जिंदा कारतूस, 20,000 लूट की रकम, अपराध में इस्तेमाल कार और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 14 फरवरी को सुबह करीब 11 बजे, वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें बताया गया कि महिपालपुर स्थित एक करेंसी एक्सचेंज में तीन बदमाशों ने हथियार के बल पर 1.5 लाख नकद और 6 लाख की विदेशी मुद्रा लूट ली। अपराधियों ने मौके पर फायरिंग भी की और फरार हो गए। वारदात को गंभीरता से लेते हुए पुलिस की दो विशेष टीमें गठित की गईं। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस की मदद से अपराधियों का सुराग मिला। पुलिस को पता चला कि लूट के लिए इस्तेमाल कार को जूम कार ऐप के जरिए किराये पर लिया गया था। तकनीकी विश्लेषण के बाद आरोपितों की लोकेशन का पता लगाया गया और लगातार कई जगहों पर छापेमारी के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया।

महिला की चाकू घोपकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके स्थित जौहरीपुर पुलिया के पास सुबह एक महिला की चाकू घोपकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस को मृतका के पास से कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिसके कारण उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपित की पहचान करने में जुटी है। पुलिस के मुताबिक सोमवार सुबह करीब 9.08 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि जौहरीपुर पुलिया के पास एक महिला को किसी ने चाकू मार दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान महिला को मृत घोषित कर दिया। महिला की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। घटनास्थल पर क्राइम के अलावा फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस आरोपित की पहचान करने में जुटी हुई है।

समग्र चुनाव संचालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिल्ली की सीईओ आर. एलिस वाज को मिला राज्य पुरस्कार

एजेंसी
नई दिल्ली । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक समारोह में उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने लोकसभा आम चुनाव 2024 और दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान चुनावी प्रक्रिया में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित अधिकारियों को सम्मानित किया। चुनाव प्रबंधन में उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र कुमार, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा, एमसीडी आयुक्त अश्विनी कुमार, एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्रा, एलजी के प्रधान सचिव आशीष कुंद्रा, प्रधान सचिव, गृह श्री ए. अनबरसु, दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर. एलिस वाज और विभिन्न विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

यह पुरस्कार कई श्रेणियों में दिए गए, जिनमें वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण

करना, आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का प्रवर्तन, आईटी नवाचार, सोशल मीडिया निगरानी, चुनावी आउटरीच और मीडिया प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन शामिल है। एलजी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 में समग्र चुनाव संचालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिल्ली की मुख्य चुनाव अधिकारी आर एलिस वाज को सर्वोत्तम चुनावी प्रथाओं के लिए राज्य पुरस्कार प्रदान किया। इसी क्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष श्रेणी के पुरस्कारों में, राजेश कुमार (विशेष सीईओ) को वैधानिक प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सम्मानित किया गया। सचिन राणा, आईएएस (अतिरिक्त सीईओ) को आदर्श आचार संहिता लागू करने और सोशल मीडिया की निगरानी में उनकी उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त डी. कार्तिकेयन (अतिरिक्त सीईओ) को आईटी नवाचारों के लिए, मुकेश राजोरा (संयुक्त सीईओ) को चुनावी आउटरीच गतिविधियों के लिए और गौरव यादव (संयुक्त सीईओ) को मीडिया और एमसीएमसी प्रबंधन के लिए सम्मानित किया गया। एसडीएम (चुनाव) के लिए पुरस्कार अलका चौधरी (दक्षिण-पश्चिम), धीरज शर्मा (पश्चिम), मधु भाटिया (पूर्व) और अनीता राणा (दक्षिण) को दिए गए।

भाजपा के पास केजरीवाल जैसा विजनरी नेता नहीं: अवध ओझा

एजेंसी
नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता अवध ओझा ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कहा कि आठ फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए थे। लेकिन आज दस दिन बाद भी भाजपा दिल्ली का मुख्यमंत्री घोषित नहीं कर पाई है। ओझा ने कहा कि भाजपा के पास अरविंद केजरीवाल जैसा विजनरी नेता नहीं है। दिल्ली को चलाना और आगे बढ़ाना केवल आम आदमी पार्टी को ही आता है। उन्होंने कहा आआपा पिछले दस साल से दिल्ली की सरकार चला रही थी, जिसमें हम मानव संसाधन पर काम कर रहे थे। आज दुनिया के जितने भी ताकतवर देश हैं, वह अपने मानव संसाधन के बल पर ही बने हैं। अवध ओझा ने आगे कहा कि मानव संसाधन के दो सबसे मजबूत स्तंभ हैं। पहला शिक्षा है और दूसरा स्वास्थ्य है। प्राचीन काल में जब भारत महाशक्ति था, तो पूरी दुनिया में लगभग सारे देशों के लोग भारत के नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए इच्छुक थे। फाह्यान जैसे लोग चीन से भारत पढ़ने आए। जब देश में

शिक्षा उच्चतम स्तर पर थी, तो हमारा देश महाशक्ति था। जब देश में चरक और धन्वंतरि जैसे चिकित्सक थे, तो देश महाशक्ति था। ओझा ने कहा कि इसी फार्मूले को ध्यान में रखते हुए अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान देना शुरू किया।

अज्ञात लोगों ने हमारे आश्रम में जबरदस्ती घुसकर तोड़-फोड़ कर जान से मारने की धमकी दी, न्यायिक गुहार लगाई: चरणजीव मल्होत्रा

नई दिल्ली। गौ माता को राष्ट्रीय माता की मांग करने वाले प्रख्यात सामाजसेवी और कोरोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा 580 फैज रोड, करौल बाग नई दिल्ली अपने निवास स्थान पर बताया कि मथूरा में हमारा वृद्धाश्रम है जिसका नाम संतवृद्धाश्रम है जिसका पता छट्टी कलां रोड पर है। (नियर) नजदीक में प्रेम मन्दिर है। हमारा यह अश्राम पूरी तरह से निःशुल्क सेवाएं प्रदान करता है, इसे मै अपनी निजी जमीन पर निजी खर्चे से चलाता हूँ। आज दिनांक 18/02/2025 समय 12:50 पर हमारे आश्रम से सेवादार जिसका नाम विष्णु शर्मा का फोन आया कि कुछ अज्ञात लोग हमारे आश्रम में जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहे हैं। जब मैंने उनसे कहा कि विष्णु को कहा कि मेरी उनसे बात करवाओं तो उन्होने पहले तो बात करने से मना कर दिया और बाद में अपने सरकारी दादागीरी का रौब दिखाते हुऐ मेरे से बदतमीजी की। मैने उनसे पूछा कि आप लो बिना किसी नोटिस व सरकारी परमीशन के अन्दर कैसे आ सकते हो। उसी बात पर उन्होने बदतमीजी करते

हुए फोन काट दिया और जबरन हमारे आदमी से मार-पीट करते हुए ताला तो? कर अन्दर घुस गए और उसका मोबाइल फोन भी साथ में ले गऐ। आश्रम में तो?-फो? की और धमकी भी दी है। जो डीएम के यहॉ हमारे खिलाफ कम्पलेन डाली है उसे वापिस ले लो और कहा उसमें लोकल पुलिस दारोगा ने भी मार-पीट की। इन सब का वीडियो रिकॉर्डिंग व रेडियों रिकॉर्डिंग व अपने आप का सिटी मजिस्टेट कहने वाला व्यक्ति है15-16 आदमियों के जत्था लेकर उस तरह जबरन आना, गैर कानूनी तरीके से आना, धमकाना व मार-पीट करना, इनकी मंशा साफ-साफ जाहिर करता है कि मेरी व हमारे वहॉ रहने वाले लोगों की जान व माल का खतरा है। जिला अधिकारी, प्रशासन अधिकारियों से संतवृद्धाश्रम में रहने वाले व्यक्ति तथा अपनी रक्षा की गुहार लगाई है और दविशों के खिलाफ केस दर्ज किया किया जाए। अज्ञात दबंग लोग आश्रम में जबरदस्ती घुसकर तो?-फो? की जान से मारने की धकमी दी, दूसरी बार आने की हिदायत दी है। चरणजीव मल्होत्रा ने जिला प्रसाशन से गुहार लगाई।

वार्षिक दिल्ली पुलिस सप्ताह में यातायात पुलिस ने निकाली बाइक रैली

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा वार्षिक दिल्ली पुलिस सप्ताह के हिस्से के रूप में रोहिणी सर्कल व मयूर विहार में बाइक रैली का आयोजन किया गया। बाइक रैली का उद्देश्य खाद्य वितरण कर्मियों और आम जनता के बीच सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना था। उपायुक्त ट्रैफिक उत्तरी रेंज संध्या स्वामी, एसीपी ट्रैफिक उत्तर पश्चिम जिला धीरज नारंग और रोहिणी के ट्रैफिक इंस्पेक्टर योगेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

यातायात पुलिस के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सत्यवीर कटारा के मुताबिक, रैली में स्विगी, जोमैटो और डोमिनोज जैसी लोकप्रिय कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली लगभग 100 डिलीवरी सेवा बाइकों के साथ-साथ दिल्ली यातायात पुलिस की 35 बाइकों ने भाग लिया। रैली शुरू होने से पहले, उपायुक्त संध्या स्वामी ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए आवश्यक बुनियादी ट्रैफिक दिशानिर्देशों पर जोर

दिया। मयूर विहार में यहां निकाली गई रैलीमार्ग में चिल्ला बॉर्डर, क्राउन प्लाजा, मयूर विहार, अक्षरधाम, विकास मार्ग, लक्ष्मी नगर, प्रीत विहार, करकरी मोड़ जैसे प्रमुख स्थानीय स्थल शामिल थे और वापस चिल्ला बॉर्डर तक उसी मार्ग पर वापस आए।

रोहिणी में यहां निकाली गई

रैली के दौरान यातायात नियमों का पालन करने की शपथ भी ली गई। बाइक रैली में रोहिणी पश्चिम मेट्रो स्टेशन के पास यूनिटी माल जैसे प्रमुख स्थानीय स्थल और एचएल परवाना रोड और केएन काटजू रोड, मधुबन चौक, कोहाट एन्क्लेव मेट्रो स्टेशन, आशियाना चौक, दिल्ली हाट पीतम पुरा, नेताजी सुभाष प्लेस पैसिफिक माल आदि जैसे प्रमुख मार्ग शामिल थे।

NAME CHANGE
I, YUKTI KAPOOR W/O SUMMIT KUMAR KAPOOR R/O 22 G FLOOR RAJINDRA PARK RAJENDER NAGAR DELHI-110060 have changed my name to YUKTI MURADA KAPOOR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Pankaj S/o Rajkumar chauhan R/o C-5/208 Yamuna vihar, Delhi -110053 have changed my name from Pankaj to Pankaj chauhan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Md Ashagar Ali S/o-Yusuf R/o Plot No 9 & 10 2nd floor F/s Mangal Bazar road,Swaran Park Delhi -110041 have changed my name from Md Ashagar to MD Asgar Ali form all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PRADEEP KUMAR YADAV S/o RAM PADARATH YADAV R/o H.No. B-26/1-A, Street No. 12, Fazalpur, Mandawali, East Delhi, Delhi-110092, declare that name of mine and wife have been wrongly written as PRADEEP and REKHA in my minor son namely SIDDHANT YADAV aged 09 years in his School Records. The actual name of mine and wife are PRADEEP KUMAR YADAV and REKHA DEVI YADAV respectively.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANJAY SINGH S/o TEK RAM residing at B-159, Harijan Basti, Kondli , Vasundhra Enclave S.O., East Delhi, Delhi-110096 declare that the name of mine has been wrongly written as SANJAY in my Service Record. The actual name of mine is SANJAY SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PRAMOD KUMAR S/o BASDEV GUPTA, R/o Flat No. 603, Tower 24, Lotus Boulevard, Sector 100, Noida, Gautam Budhha Nagar, Uttar Pradesh - 201304 declare that name of mine has been wrongly written as PRAMOD KUMAR GUPTA in my PAN Card No. AADPG9221A. The actual name of mine is PRAMOD KUMAR which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
hitherto known as SURESH alias SURESH DEVI W/o KRISHAN PAL, D/o REDKU, residing at 354, Banthla, Loni Ghaziabad-201102, Uttar Pradesh, have changed my name and shall hereafter be known as SURESH DEVI.

NAME CHANGE
I, GADEGAVLIA MAYA DEVI D/O DAULAT RAM R/O FLAT-NO.16, RADHIKA APARTMENT, POCKET-1, PHASE-2, SECTOR-14, DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078 HAVE CHANGED MY NAME TO MAYA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, NILAM BISHT wife of BHUPENDRA SINGH BISHT residing at C-53, SILVER OAK APARTMENT, IP EXTN, PATPARGANJ, DELHI-110092, have changed my name to NEELAM BISHT for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHIVAM PRAJAPATI S/o DASRATH LAL, R/o House No. C -44/220, Gali No.-10, Sudama Puri, Gamri, PO Bhajan Pura, DIST: North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of my Father has been wrongly written as DASHRATH LAL PRAJAPATI in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father is DASRATH LAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KHUSHAL MANN S/o SANJAY KUMAR R/o 1323, Street No.1, Ali Pur, North West Delhi, Delhi-110036, declare that name of my father has been wrongly written as SANJAY MANN in my all Educational Documents. The actual name of my father is SANJAY KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJESH KUMAR VAID S/o SUMARI LAL VAID residing at House No.-196 ,Near Mayfair Apartment, Chander Vihar ,Fazalpur, Mandawali, East Delhi, Delhi - 110092 declare that name of mine and my Father have been wrongly written as RAJESH and SUMARI in my Service Records. The actual name of mine and my Father are RAJESH KUMAR VAID and SUMARI LAL VAID respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JASPAL SINGH CHANANA S/O SANTOKH SINGH R/O 185, GOPAL PARK, KRISHNA NAGAR, KRISHNA NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110051 declares that the name of the minor son has been wrongly written as EKASPAL SINGH in the school record. The minor son's name is EKASPAL SINGH CHANANA, aged 16 years in his school record. The actual name of my minor son is EKASPAL SINGH CHANANA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shyami Nath Yadav S/O Raj Mangal Yadav,R/O C-97/1, Kaushal Puri, Lal Bagh, Azadpur, North West Delhi, Delhi - 110033,have changed my name and shall hereafter be known as Swami Nath Yadav

NAME CORRECTION
I, BHUPENDER SINGH S/O SH. RAM PRKASH R/o Ho No. 108, Street No.3, Shakti Vihar, DAYAL PUR, North East, Delhi-110094 have changed my name from BHUPENDRA SINGH to BHUPEN-DER SINGH for all future purposes. That both names i.e. BHUPENDRA SINGH and BHUPENDER SINGH are same of one person.

NAME CHANGE
I hitherto known as POONAM alias Poonam Saini D/O Ram Chander Saini W/O: Vakil Ahmad,R/O J-93, Azad Basti Mohammadpur, RK Puram (Main), South West Delhi, Delhi-110066, Have changed my name and shall hereafter be known Poonam.

NAME CHANGE
I, G SHILPA Wife of No. 15784142Y Rank-L/HAV Name-MANJUNATHA B Presently residing at VILL-SIDDAMMANAHALLI, PO-BHARAMASAMUDRA, TEH-JAGALUR, DIST-DAVANGERE, KARNATAKA-577528 have changed my name from G SHILPA to SHILPA G for all future purposes vide Affidavit dated 18/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIJESHWARI DEVI wife of BIDIYA DATT, residing at E-79-A, LAJPAT NAGAR, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005, have changed my name to VIJAYASHWARI DEVI for all future purpose

NAME CHANGE
I, BIDYA DATT son of ISBARI DATT, residing at E-79-A, LAJPAT NAGAR, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005, have changed my name to BIDIYA DATT for all future purpose

NAME CHANGE
I, HARISH KUMAR S/O BHOJA RAM R/O TOWER-14,FLAT-201,FRESCO,NIRVANA COUNTRY,SECTOR-50,GURGAON,HARYANA-122018 ,HAVE CHANGED MY NAME TO HARISH TANEJA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, AARTI AHUJA/ARTI AHUJA/AARTI PAHUJA/ W/O NARESH KUMAR R/O HOUSE NO-556,SECTOR-4,GURGAON,HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO AARTI GROVER FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, RAHUL SHAMBHU PRASAD NAMBOORI /RAHUL S NAMBOORI S/O NAMBOORI SHAMBHU PRASAD R/O A-3004, EMAAR DIGHOMES, SECTOR-62, GOLF COURSE,EXT. ROAD, GURGAON,HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO RAHUL NAMBOORI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I hitherto known as Manisha Bisht alias Manisha Kanwal D/O Soban Singh Bisht,W/O Ravindra Singh Kanwal R/O S-126/3 A, Kanak Durga Colony, DPS School, Sector-12, RK Puram Sect-12, South West Delhi, Delhi-110022, have changed my name and shall hereafter be known as MANISHA KANWAL.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shyami Nath Yadav S/O Raj Mangal Yadav,R/O C-97/1, Kaushal Puri, Lal Bagh, Azadpur, North West Delhi, Delhi - 110033,have changed my name and shall hereafter be known as Swami Nath Yadav

NAME CHANGE
I Kishwar Jahan w/of Mohammad Tariq Ayub R/o 51 B DDA 4 Story Flats Mata Sundri Road , New Delhi 110002 have changed my name after marriage from Kishwar Jahan to Kishwar Tariq for all future purposes

NAME CHANGE
I SEEMA DEVI W/O AMIT LOHIA R/O H.N0-448 TARLA MOHALLA, GHITORNI DELHI-110030 HAVE CHANGE MY NAME TO SEEMA FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, V VENKATA SUBBAMMA Mother of NK VAKA RAVEENDRA Permanent address VILL-REDDYVARIPALLI, PO-T SUNDUPALLI, TEH-T SUNDUPALLI, DISTT-ANNAMAYYA, STATE-ANDHRA PRADESH-516130, have changed my name from V VENKATA SUBBAMMA to VAKA VENKATA SUBBAMMA and my correct date of birth is 10 July 1958 instead of 01 Jan 1958 vide Affidavit dated 10/02/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15816380F Rank-SEP Name-SUDHARSHAN Residing at B M ROAD, VILL-DODDAMANDIGANAHALLI, PO-KANDALI, TEHSIL & DIST-HASSAN, KARNATAKA-573217, in my service record my mother's (NINGAMMA) date of birth wrongly mentioned as 10/08/1962 instead of her correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 18/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR GOSAIN S/O GOVIND SINGH residence of 1727 FIRST FLOOR RISHI NAGAR KOTLA MUBARAKPUR DELHI-110003 have changed my name to VINOD SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, CHANDRAJEET MAURYA S/O SHRI RAMA SHANKAR MAURYA RESIDENT OF NEAR JOHNEY PUBLIC SCHOOL, C-18, SECOND, PREM NAGAR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086,declare that and undertakes that my exact and correct name is CHANDRAJEET MAURYA as per her Identity proofs but my name is CHANDERJEET which is mentioned in my Passport vide Passport No. Z2401178. but in my Passport, my address is mentioned as C-19, C-BLOCK, 70 FEET ROAD, PREM NAGAR-2ND, KIRARI SULEMAN NAGAR, DELHI-110086.that "CHANDRAJEET MAURYA AND CHANDERJEET" both are same and one person.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Tahira W/O Maseen R/O CN 506, JJ CAMP ANAND VIHAR, Shakar Pur Baramad, East Delhi, Delhi -110092, declare that name of mine has been wrongly khatuna in my Aadhar card no 3346 3332 6224.The actual name of mine is Tahira, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रोहित उर्फ रोहित डाहलीया पुत्र कैलाश, निवासी सुनपुरा सोहनपुर, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 203207, एक प्लाट संख्या 15, क्षेत्रफल 50 वर्गगज, खसरा संख्या 535-मि, स्थित अवध एन्कलेव-07, ग्राम सुनपुरा सोहनपुर, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1430-1435 के द्वारा मालिक है।वर्तमान में, कथित सम्पत्ति को श्रीमती ममता देवी पत्नी भूदेव कुमार को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है।यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 2010

NAME CHANGE
I, Sunil Kumar Suman , S/o. Sh. Rajender Prasad urf Ram sewak Das. R/o - D-202, Ranjit vihar-1, Dwarka sector -22, south west Delhi-110077. Delhi, India. have changed my minor son's name from Aryan Anand to ATHARV NARAYAN Date of Birth 11.02.2011 for all future purposes.

NAME CHANGE
I Mohammad Shahrukh Khan alias Mohammad Sharukh Khan R/o 51 B DDA 4 Story Flats Mata Sundri Road , New Delhi 110002 inform that Mohammad Shahrukh Khan alias Mohammad Sharukh Khan is same and one person and I have changed my name from Mohammad Sharukh Khan to Mohammad Shahrukh Khan For all future purposes

NAME CHANGE
I, Sunil Kumar Suman , S/o. Sh. Rajender Prasad urf Ram sewak Das. R/o - D-202, Ranjit vihar-1, Dwarka sector -22, south west Delhi-110077. Delhi, India. have changed my minor son's name from AYUSH ANAND to ADITYA NARAYAN Date of Birth 18.10.2008 for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VENKAYAMMA P Wife of JC-314754Y Rank-NB/SUB Name-KOTIREDDY PALURI Presently residing at 3-226, MAIN ROAD, NEAR WATER PLANT, BUTCHIPAPANNAPALEM, ROMPICHERLA, GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522617, have changed my name from VENKAYAMMA P to VENKAYAMMA PALURI for all future purposes vide Affidavit dated 18/02/2025 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, No-15816380F Rank-SEP Name-SUDHARSHAN Residing at B M ROAD, VILL-DODDAMANDIGANAHALLI, PO-KANDALI, TEHSIL & DIST-HASSAN, KARNATAKA-573217, have changed my father's name from DAVE GOWDA to DEVEGOWDA for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 20/05/1952 instead of his correct date of birth as 01/02/1952 vide Affidavit dated 18/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Arfin Begam W/O Abdul Moghis R/O A-105 Gali No 3 Mahavir Enclave Part -2, Uttam Nagar, PO: D.K Mohan Garden, District-West Delhi, Delhi-110059, have changed the name of my minor daughter Zainab Shad aged 3 years and she shall hereafter be known as MIRHA WAHAB.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as MUHAMMAD ASLAM KHAN(मुहम्मद असलम खां) S/O Son of MOHD HASAN KHAN residing at VILL. BADI KOT RAKSAHA, DILDAR NAGAR, GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-232326, have changed my name and shall hereafter be known as MOHD ASLAM KHAN for all purpose in future

NAME CHANGE
I, No-6946793N Rank-NK Name-SOHAN SINGH BORKH S/o JHABBAR MAL BORKH Residing at VPO-GUHALA, TEH-NEEM KA THANA, DIST-SIKAR, RAJASTHAN-332706, have changed my name from MANISH KUMAR BORKH to MANISH BORKH for all future purposes vide Affidavit dated 18/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, TILARAM Father of No-14942970W Rank-HAV Name-POONA RAM KHILAN Residing at VPO-DAIKARA, TEHSIL & DIST-JODHPUR, RAJASTHAN-342027, have changed my name from TILARAM to TILA RAM for all future purposes vide Affidavit dated 18/02/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Public in general is hereby informed that my Client Prabhu Dayal s/o Late Duni Chand r/o WZ-135-A, Gali no.7, Guru Nanak Nagar, New Delhi -18 terminates / cancels his debar notice published in newspaper named The Hindu on 3rd May 2012 in which he severed his relations & debarred his son namely Pardeep Kumar & his wife Sarabjeet Kaur from all his moveable & immoveable properties. My Client Prabhu Dayal through this Public Notice has re-adopted his son Pardeep Kumar & his wife Sarabjeet Kaur.
J.P. SINGH (ADVOCATE)
CHAMBER NO. 534,
LAWYERS CHAMBER
BLOCK DWARKA SECTOR-10
ENRL.NO.D-1477/2000
NEW DELHI-110075

NAME CHANGE
I Neha Misra Panjeta w/o Ajay Kumar Panjeta R/o 1056 near vishwash school sector 46 gurgaon -122001 have changed my name to Neha Mishra Panjeta

सार्वजनिक सूचना
सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल चांद अनवर, पुत्र जमालुद्दीन, निवासी मकान संख्या F-95/1, शाहीन बाग, जामिया नगर, अबुल फजल एन्क्लेव - 2, नई दिल्ली - 110025, ने अपने पुत्र फैजान अनवर को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल एवं निष्कासित कर दिया है तथा उससे सभी पारिवारिक संबंध समाप्त कर लिए हैं क्योंकि वह अवज्ञाकारी है और उसका आचरण अनुचित है। कोई भी व्यक्ति फैजान अनवर से अपने जोखिम, खर्चे और जिम्मेदारी पर लेन-देन करे, यदि उनके साथ कोई भी व्यक्ति भविष्य मे किसी भी प्रकार का व्यवहार करता है, तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा, मेरे मुवक्किल की कोई भी ि?म्मेदारी नहीं होगी ।
SHOAIB REHMAN
(ADVOCATES)
Ch. No.353, Lawyer's Block,
Saket Courts complex,
New Delhi-110017
Mob. No. +91 9971616119
Email:- adv.shbrehman@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी (1) राहुल, पुत्रः** जगपाल **पताः** राज नगर कॉलोनी मीत नगर, लोनी बॉर्डर गाजियाबाद, **उत्तर प्रदेश (2) दीपक पुत्रः** जय भगवान, **पताः** 20 एफटी रोड, मुनेश पब्लिक स्कूल के पास, राज नगर लोनी गाजियाबाद यूपी, लोनी बॉर्डर गाजियाबाद, **उत्तर प्रदेश FIR No. 10789/2020 U/S: 379/411/482/34 IPC, पुलिस थानाः ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है), और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) राहुल (2) दीपक,** मिल नही रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) राहुल (2) दीपक,** फरार हो गए है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **(1) राहुल (2) दीपक, FIR No. 10789/2020 U/S: 379/411/482/34 IPC, पुलिस थानाः ज्योति नगर, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.03.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
राहुल सैनी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-08
कमरा नंबर जी-06, न्यू कोर्ट बिल्डिंग,
शाहदरा जिला कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/1623/NE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रोहित कुमार बैसला, पुत्र :** श्री अजब सिंह, **पताः** गाँव तथा डाकघर : घिटोरा, थाना- खेखड़ा, जिला बागपत, उ.प्र. ने मुकदमा **FIR No. 130/2015 U/S 25/54/59 Arms Act IPC, थानाः जाफराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रोहित कुमार बैसला** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रोहित कुमार बैसला** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 130/2015 U/S 25/54/59 Arms Act IPC, थानाः जाफराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रोहित कुमार बैसला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.03.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री आयुषी सक्सेना
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी-05
कमरा नं. 07, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/1640/NE/2025
(Court Matter)

अदालती सूचना
अदालत सब-जज IVth पश्चिमी, मुजफ्फरपुर।
वाद सं0- 703/2024
हशमत अली ......वादी
बनाम
दाऊद आलम वगैरह ......प्रतिवादीगण
नोटिस बनाम
1. हलीमा खातुन, पुत्री मो0 जसमुद्दीन, पति मो0 राहत अंसारी, निवासी ग्राम सरमशपुर धमौली, पो0- कलवाड़ी, जिला- मुजफ्फरपुर-843108
2. सलीमा खातुन, पुत्री मो0 जसमुद्दीन, पति मो0 कासिम, निवासी ग्राम- एच. 175/15 गुलाब फार्म, संगम विहार, नई दिल्ली-110080
3. मो0 जमालुद्दीन, पिता इसराइल मियाँ, पत्नी जुवैदा खातुन, निवासी मोहल्ला आनंदपुर, पो0 बड़ा दाऊद, थाना- पारू, जिला- मुजफ्फरपुर-843112
4. सरखरी खातुन, पिता शौकत अली, पति अहमद मुर्तुजा, निवासी मोहल्ला- एच. ब्लॉक गली नं0-6, हाउस नं0-274/18, संगम विहार, नई दिल्ली-110062 चूँकि आपलोगों को बजरीए रजिस्ट्री व नाजारत के माध्यम से सूचित किया जा चुका है कि अदालत में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें परन्तु अनुपस्थित के पश्चात् प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि दिनांक 03-03-2025 समय 10:30 बजे उपस्थित हो अन्यथा वादी पक्ष को सुनकर एक पक्षीय सुनवाई कर दी जाएगी।
इसे ताकिद जाने ।
सब-जज चतुर्थ
पश्चिमी, मुजफ्फरपुर।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक मेसर्स सिटी प्लॉट बज़ार एलएलपी, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के माध्यम से श्री नरेश कुमार, खसरा संख्या 598 में से 606 वर्ग मीटर के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट क्षेत्र के मालिक हैं, जो गांव वेदपुरा परगना और तहसील दादरी जिला गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में ट्रिनिट प्राइम्स के रूप में जानी जाने वाली कॉलोनी में स्थित है, जो बिक्री विलेख दिनांक 02.09.2024 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या के रूप में है। 46330, खंड संख्या 28596 पृष्ठ संख्या 305-326 एसआर-दादरी, नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में उपलब्ध दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं यानी श्री धीरज सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, और श्रीमती उर्मीला देवी, श्री संजय चौधरी और श्री निक्की चौधरी के बीच पंजीकृत विभाजन विलेख (Partation Deed) अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और विला नंबर 35-36 का 95 वर्ग गज का क्षेत्रफल श्रीमान राजीव रंजन के पास बेचा गया है। और आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड शाखा नोएडा, यूपी द्वारा वित्त पोषित किया गया है यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, RISHAV SHARMA S/O SURENDER SHARMA R/O 13/7B, Pocket-B, Ashok Vihar , Phase-3, New Delhi-110052 Have changed the name of my minor daughter SUMEERA SHARMA aged 10 years, shall hereafter be known as AKSHITA SHARMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJESH KUMAR alias RAJESH MALHOTRA S/O KHARAITI LAL R/O A-17/B, SHALIMAR GARDEN EXT.-1, GHAZIABAD UTTAR PRADESH 201005, have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH KUMAR.

नगीना-होड़ल मार्ग का निर्माण कार्य शुरू होने से जिले के लोगों को मिली राहत

नूंह। नूंह जिले के नगीना-होड़ल मार्ग का निर्माण कार्य काफी समय के बाद आखिरकार शुरू हो गया है। क्षेत्र के लोगों की यह कई वर्ष पुरानी मांग थी। सड़क की विशेष मरम्मत का कार्य शुरू होने से जिले के लोगों ने राहत की सांस ली है। लोक निर्माण विभाग नूंह के आला अधिकारियों की देखरेख में ठेकेदारों ने नारियल फोड़ कार्य का शुभारंभ किया। इस सड़क की विशेष मरम्मत से जहां हादसों में कमी आएगी, वहीं घंटों का सफर मिनटों में पूरा होगा। आपको बता दें कि नगीना से होडल तक जाने वाली करीब 40 किलोमीटर लंबी सड़क पिछले काफी वर्षों से जर्जर हो चुकी थी। सड़क में जगह-जगह बड़े-बड़े गढ्ढे हो गए थे। सड़क के टूटने से आए दिन जहां लगातार हादसे हो रहे थे, वहीं यहां पर दूसरे जिलों और राज्यों से आने वाले व्यापारियों ने यहां पर अपना व्यापार बंद कर दिया था। बड़कली से होडल तक जाने वाली इस सड़क से बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। यह मुख्य सड़क राजस्थान व उत्तर प्रदेश के साथ-साथ दिल्ली के रास्ते को भी जोड़ती है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह सड़क दिल्ली-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग को भी जोड़ती है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभ के लिए ई-केवाईसी व भूमि सत्यापन जरूर करवाएं

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के माध्यम से चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभ के लिए किसानों को बैंक खाते की ई-केवाईसी व भूमि सत्यापन जरूर करवा लेना चाहिए। विभाग की ओर से किसानों से बार-बार अपील की जा रही है कि सभी किसान जो पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहे हैं या लेने के पात्र हैं, वे किसान ई-केवाईसी व भूमि सत्यापन जरूर करवा लें, अन्यथा वे इस योजना का लाभ लेने से वंचित रह सकते हैं। उपायुक्त ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी पात्र लाभपात्रों से पुनः अपील की है कि जल्द से जल्द बैंक व सीएससी सेंटर पर जाकर अपनी ई-केवाईसी अवश्य करवा लें। इसके अलावा वे खंड व जिला स्तर पर अपने नजदीक स्थित कृषि विभाग के कार्यालय में जाकर भूमि सत्यापन भी जरूर करवाएं, ताकि पात्र किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त का लाभ आसानी से मिल सके। प्रधानमंत्री द्वारा इस योजना की 19वीं किस्त का लाभ आगामी 24 फरवरी को किसानों को दिया जाना है।

भगवान महावीर का आशीर्वाद लेकर आशा गगन गोयल ने भरा नामांकन

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के वार्ड-27 से आशा गगन गोयल ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया। नामांकन से पूर्व उन्होंने भगवान महावीर मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का आशीर्वाद लिया। जैन समाज की ओर से आशा गगन गोयल को पूर्ण समर्थन देने की बात कही गई। आशा गगन गोयल काफी समय से चुनावों की तैयारी कर रहीं थी। वे लंबे समय से समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, महिला सुरक्षा को लेकर जागरुकता, महिला स्वास्थ्य को लेकर जागरुकता समेत समाज में महिलाओं के उत्थान के लिए वे विभिन्न संस्थाओं, सरकार के साथ मिलकर कार्य करती रही हैं। आशा गगन गोयल को चुनाव लडने के लिए सर्व समाज ने प्रेरित किया। समाज के साथ और सहयोग से उन्होंने नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन ही अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पूर्व आशा गगन गोयल ने भगवान महावीर मंदिर में माथा टेककर भगवान महावीर का आशीर्वाद लेकर कहा कि जैन समाज समेत सभी समाज का आशीर्वाद लेकर ही उन्होंने चुनाव लडने का निर्णय लिया है। सभी ने इस बात के लिए उन्हें प्रेरित किया कि वे महिला शक्ति के रूप में आगे आएं। सभी का उन्हें सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि समाजसेवा की प्रेरणा अपने बड़े-बुजुर्गों से मिली है। चाहे सामाजिक क्षेत्र हो या राजनीतिक क्षेत्र। अगर हमारे अंदर समाजसेवा की सोच है तो हम सेवा को बेहतरी से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वार्ड-27 से नामांकन भरा है।

निगम चुनाव में महापौर पद के लिए के छह प्रत्याशी मैदान में

यमुनानगर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि यमुनानगर नगर निगम महापौर पद के चुनाव के लिए 6 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए। वहीं रादौर नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए 8 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। यह जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि 18 फरवरी को नामांकन की जांच का कार्य किया जाएगा और नगर निगम चुनाव के लिए आवेदन करने वाले प्रत्याशी 19 फरवरी को दोपहर तीन बजे तक नाम वापस ले सकते हैं और तीन बजे के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे। इसके बाद 19 फरवरी को ही चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों व मतदान केंद्रों की सूची निर्धारित स्थान पर चस्पा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 2 मार्च को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान करवाया जाएगा तथा 12 मार्च को सुबह 8 बजे से मतगणना करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि नगर निगम मेयर पद के लिए 6 नामांकन पत्र दाखिल किए गए है वहीं नगर पालिका रादौर अध्यक्ष पद के लिए 8 नामांकन पत्र प्राप्त हुए जिनमें 6 पुरुष व 2 महिला प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। इसी प्रकार नगर पालिका सदस्य के लिए 48 नामांकन पत्र प्राप्त हुए जिनमें 28 पुरुष व 20 महिला प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विकसित देश बनने की दिशा में अग्रसर : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने में सफल होगा और वर्ष 2029 तक विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट से विकसित भारत के चार स्तंभों - गरीब, युवा, किसान व महिलाओं - को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।

नायब सिंह सैनी रोहतक जिला के गांव खरावड़ स्थित एलपीएस बोसार्ड में मशीनिंग सेंटर एवं मैमोग्राफी बस के उद्घाटन के उपरांत उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने एलपीएस बोसार्ड के मशीनिंग सेंटर, औद्योगिक इकाई तथा कॉर्पोरेट कार्यालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि एलपीएस बोसार्ड द्वारा जनहित में रक्तदान तथा सामान्य जांच की दो बसें संचालित की जा रही हैं। अब प्रबंधन द्वारा महिलाओं के कैंसर की जांच के लिए मैमोग्राफी बस शुरू की गई है, जिससे प्राथमिकी रिपोर्ट प्राप्त होगी। इसके माध्यम से महिलाओं के ब्रेस्ट

कैंसर की जांच की जा सकेगी तथा उन्हें इलाज मिल सकेगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश में हर गरीब व्यक्ति के सिर पर छत के सपने को साकार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। गत 10 वर्षों में 4 करोड़ पात्र गरीब व्यक्तियों को मकान उपलब्ध करवाए गए हैं तथा भविष्य का भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन करने वाले प्रदेश के सभी पात्र 77 हजार आवेदकों को योजना के तहत धनराशि उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा किसानों की शत - प्रतिशत फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने वाला देश का प्रथम राज्य है। सरकार द्वारा महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता व ड्रोन दीदी को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना के तहत प्रदेश में 5,000 लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें से 1500 से ज्यादा महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जा चुका है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में बिना भेदभाव के हर क्षेत्र का एक समान विकास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा गत 10 वर्षों के दौरान बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर 20 किलोमीटर की दूरी पर एक राजकीय महाविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया, जिसके तहत प्रदेश में 79 राजकीय महाविद्यालय स्थापित किए गए। इनमें से 32 राजकीय महाविद्यालय केवल छात्राओं के लिए हैं।

प्रदेश सरकार की नीति के फलस्वरूप युवाओं का पढ़ाई की तरफ रूझान बढ़ा है तथा वे बढ़-चढ़कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची सरकारी रोजगार दिया जा रहा है। आगामी 5 वर्षों में सरकार द्वारा बिना पर्ची-बिना खर्ची योग्यता के आधार पर 2 लाख युवाओं को नौकरी देने का संकल्प है।

मानेसर से भाजपा के मेयर प्रत्याशी सरपंच सुंदर लाल यादव ने भरा नामांकन

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के मानेसर नगर निगम से मेयर पद के प्रत्याशी सरपंच सुंदर लाल यादव ने नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन अपना नामांकन भरा। नामांकन से पूर्व उन्होंने हवन किया। मंदिर में भगवान के दर्शन करके, माता-पिता, बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया।

सरपंच सुंदर लाल यादव ने सेक्टर-82 स्थित कार्यालय पर जनसभा भी आयोजित की। जनसभा में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह व भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव ने शिरकत करके लोगों से वोटों की अपील की।

अपनी जीत के प्रति पूरी तरह से आश्वस्त सरपंच सुंदर लाल यादव ने नामांकन सभा में पहुंचे सभी साथियों, कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों का आभार जताया। भाजपा नेता महेश चौहान, अजीत पार्षद समेत अनेक पार्टी के नेता मौजूद रहे। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि हमें वोट ऐसे प्रत्याशी को देना है, जो क्षेत्र के विकास का पक्षधर हो।

जिसने क्षेत्र में सेवा की है। इन सब पर सरपंच सुंदर लाल खरे उतर रहे हैं। राव नरबीर सिंह ने कहा कि भाजपा के मेयर प्रत्याशी को यहां से विजयी बनाएंगे तो दक्षिण हरियाणा का विकास आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अच्छे प्रत्याशी को नगर निगम चुनाव में वोट करके क्षेत्र के समुचित विकास का रास्ता तैयार करें। सरपंच सुंदर लाल पिछले पांच साल से आप सबके बीच में काम कर रहे हैं।

निकाय चुनाव में भाजपा का कमल खिलेगा और ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी : मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने दावा करते हुए कहा निकाय चुनाव में भाजपा का कमल खिलेगा और ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार जनहित में निर्णय लेकर प्रदेश के लोगों की सेवा कर रहे हैं। भाजपा सरकार के कार्यों से जनता खुश है और माहौल भाजपा के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस का जनाधार नहीं है, कांग्रेस का अस्तित्व खत्म हो चुका है। बड़ौली ने भाजपा मेयर प्रत्याशी राजीव जैन के कार्यालय का उद्घाटन किया और भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाने की जनता से अपील की। इस मौके पर भाजपा मेयर प्रत्याशी राजीव जैन, पूर्व मंत्री कविता जैन, जिला अध्यक्ष समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और लोग उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि निकाय चुनाव में जनता कमल का फूल खिलाएगी और अपने क्षेत्र के नॉन स्टॉप विकास के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने विधानसभा चुनाव में भाजपा को आशीर्वाद दिया और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत होने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदा से ही झूठ और अफवाह फैलाने का कार्य करती रही है। लोग कांग्रेस की असलियत को जान चुके हैं। उन्होंने कहा कि जनता अपना मन बना चुकी है कि नगर निकाय चुनाव

की सरकार बनी। नगर निकाय चुनाव में हरियाणा के मतदाता एकजुट होकर फिर से भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाकर नॉन स्टॉप विकास में सहभागी बनेंगे। बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को ही जीत दिलाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे कमल के फूल को प्रत्याशी मानकर भाजपा उम्मीदवारों को बड़ी जीत दिलाने के लिए कार्य करें।

सुपोषित हरियाणा- सुपोषित ग्राम पंचायत योजना को लेकर डीसी ने ली बैठक

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के हर बच्चे को पूरी खुराक मिले तथा तंदुरुस्त रहें। मुख्यमंत्री का इस विषय पर विशेष फोकस है। बच्चों के लिए केंद्र तथा राज्य सरकार की कई योजनाएं चल रही है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि ये सभी योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक पहुंचे। ये निर्देश उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में सुपोषित हरियाणा-सुपोषित ग्राम पंचायत के तहत आयोजित बैठक में दिए। इस मौके पर मिशन वात्सल्य, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तथा वन स्टॉप सेंटर को लेकर भी बैठक ली। डीसी ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में सुपोषण में अच्छा कार्य करने वाली 42 आंगनबाड़ी केंद्रों का चयन हुआ है। इन्होंने सभी कार्यक्रम की आनलाइन रिपोर्टिंग की है तथा आंगनबाड़ी को बेहतर ढंग से चलाने का काम किया है। इनमें सभी प्रकार की ढांचागत सुविधाएं भी बेहतर हैं। अब विभागीय टीम इन 42 आंगनबाड़ी केंद्र का सर्वे करेगी। उसके बाद अंत में थर्ड पार्टी निरीक्षण होगा। अगर इस दौरान इनका कार्य अच्छा मिलता है तो इन सभी 42 आंगनबाड़ी केंद्रों में से चयनित आंगनबाड़ी केंद्रों को एक-एक लाख रुपए की प्रोत्साहित राशि दी जाएगी। इसमें से 25 हजार रुपए की राशि संबंधित ग्राम पंचायत को दी जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि बच्चों में कुपोषण को समाप्त करने के लिए सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषक आहार दिया जा रहा है। अधिकारी इसका लगातार निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि अभिभावकों और बच्चों के खान-पान और जीवनशैली में बदलाव के लिए प्रोत्साहित करें। वर्कर लगातार बच्चों की हाइट और वेट पोषण ट्रेकर पर अपलोड करें। उन्होंने कहा है कि कुपोषण को समाप्त करने के लिए हमें एक साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने 26 दिसंबर 2024 को पूरे देश में कुपोषण को समाप्त करने तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ाने के उद्देश्य से सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान का शुभारंभ किया था। इस अभियान का उद्देश्य पंजीकृत लाभार्थियों के लिए भौतिक और संरचना सेवा वितरण स्थिति और कौशल परिणाम बेंचमार्क स्तर को प्राप्त करने के लिए ग्राम पंचायत के आंगनबाडयिों को प्रोत्साहित करना है। देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली एक हजार सुपोषित ग्राम पंचायत में से प्रत्येक को एक-एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

नूंह से धार्मिक नगरी अयोध्या के लिए हर सुबह आठ बजे जाएगी हरियाणा रोडवेज की बस

एजेंसी

नूंह। हरियाणा रोडवेज की नूंह जीएम एकता चोपड़ा ने बताया कि हरियाणा राज्य परिवहन की ओर से सरकार ने अयोध्या के लिए एक नई बस सेवा शुरू की है। यह बस सेवा हर सुबह 8:00 बजे नूंह बस स्टैंड से अयोध्या के लिए चलेगी। एकता चोपड़ा ने तीर्थ यात्रियों के लिए अयोध्या जाने वाली बस को सोमवार सुबह 8:00 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इस बस सेवा के शुरू होने से यात्रियों को अयोध्या जाने के लिए एक सुविधाजनक और सुरक्षित विकल्प मिलेगा। बस में यात्रियों के लिए बस में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि हम अयोध्या के लिए एक नई बस सेवा शुरू कर रहे हैं। यह बस सेवा यात्रियों को एक सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। हरियाणा रोडवेज की नूंह जीएम एकता चोपड़ा ने बताया कि नूंह जिले के लोगों द्वारा काफी समय से धार्मिक नगरी अयोध्या के लिए हरियाणा रोडवेज की बस चलाने की मांग की जा रही थी। उनके प्रयासों से

हरियाणा सरकार ने इस बस को चलाने की मंजूरी दी है। जिससे जिले के लोगों को धार्मिक नगरी अयोध्या जाने के लिए आसानी होगी।

इस दौरान नूंह जिले के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए हरियाणा सरकार और हरियाणा रोडवेज की जीएम एकता चौपड़ा का आभार जताते हुए कहा कि इस बस के चलने से जिले के लोगों का काफी सुविधा होगी और लोगों को धार्मिक नगरी अयोध्या जाने में आसानी होगी। नूंह जिले के सामान्य बस अड्डा नूंह से प्रतिदिन सुबह आठ बजे हरियाणा रोडवेज की बस धार्मिक नगरी अयोध्या के लिए बस सेवा शुरू करने पर जिले के लोगों ने प्रदेश के परिवहन मंत्री अनिल विज का आभार जताया है। लोगों का कहना है कि उनकी काफी समय से मांग थी कि देश की धार्मिक नगरी अयोध्या के लिए नूंह से हरियाणा रोडवेज बस की सेवा शुरू की जाए, ताकि जिले के लोगों को आसानी हो सके। सोमवार से जीएम एकता चोपड़ा द्वारा इस सेवा को शुरू कर दिया गया है। जिससे वो प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल विज का आभारी हैं।

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से निजामपुर में बाल विवाह विषय पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

निजामपुर। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निजामपुर में बाल विवाह विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य सुमन राणा व गणेश कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की।

सुमन राणा व गणेश कुमार ने संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लडके को नाबालिग माना जाता है। यदि कम आयु में विवाह किया जाता है तो यह संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है उसको बढ़ावा देता है या उसकी सहायता करता है। तो 2 साल तक की सजा और 1 लाख रूपए तक का जुर्माना हो सकता है। उन्होंने कहा कि अपने समाज व परिवार के इर्द-गिर्द बाल विवाह होने की सूचना मिले तो तुरंत प्रभाव से स्थानीय पुलिस को देनी चाहिए ताकि बाल विवाह को रुकवाया जा सके। उन्होंने

कहा कि छोटी उम्र में विवाह होने से बच्चें के मानसिक, शारीरिक व बौद्धिक विकास की कमी होती है। यहां तक बच्चे में हीन भावना भी आती है। उन्होंने पोक्सों अधिनियम के बारे में भी बच्चों को जागरुक किया। संरक्षण अधिकारी एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरीता शर्मा ने बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 की विस्तृत जानकारी, कानूनी प्रक्रियाएं, बाल विवाह करवाने वालों के खिलाफ केस होने की जानकारियां दी।इस मौके पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी संदीप, बाल कल्याण समिति के सदस्य राजेश गोयल, चेतन शर्मा, ममता व कुमुदनी श्रीवास्तव, बाल संरक्षण अधिकारी संतोष कुमारी व सुषमा यादव, सामाजिक कार्यकर्ता कमल एवं लेखाकार प्रेमलता मौजूद थी।

समाधान शिविर में एडीसी ने सुनीं जन समस्याएं

एजेंसी

नारनौल। अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने आज लघु सचिवालय में आयोजित समाधान

शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी। आज कुल 12 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी।

एडीसी ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर हर रोज सुबह 10 से 12 तक लगाए जा रहे समाधान शिविरों में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। समाधान शिविर नागरिकों के लिए अपनी समस्याएं रखने का सशक्त माध्यम बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से प्रत्येक शिकायत पर कड़ी निगरानी की जा रही है।

इस अवसर पर नगराधीश मंजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिला प्रशासन का लक्ष्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निवारण करना : उपायुक्त मीणा

एजेंसी

नूंह। नूंह लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समाधान शिविर के दौरान उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस शिविर का उद्देश्य आम जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान करना और प्रशासन व जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना था।

उन्होंने बताया कि आयोजित समाधान शिविर में कुल 06 शिकायत प्राप्त हुई है। समाधान शिविर में नागरिकों ने अपनी समस्याओं को उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के समक्ष रखा। इनमें भूमि रिकॉर्ड से संबंधित मुद्दे, सरकारी योजनाओं का लाभ, पेंशन, बिजली-पानी की समस्याएं, आवासीय एवं राजस्व संबंधी शिकायतें प्रमुख रूप से शामिल थीं। उन्होंने सभी मामलों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निवारण करना है। समाधान शिविर के माध्यम से हम जनता से सीधा संवाद कर उनकी परेशानियों को समझते हैं और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास करते हैं।

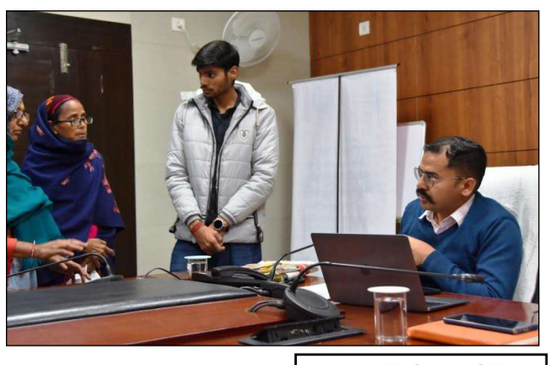

समाधान शिविर के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के तहत नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया। कुछ मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया,

NAME CHANGE

It is for general information that I, ANUP PAL S/o GAUR PAL, R/o House No. 5164, Ward No. 16, Topachiwara Rewari, Rewari Haryana - 123401, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as ANUP KUMAR PAL and TANUSREE PAI in my minor Son ANIKET PAL, aged 17 years in his 10th Class Educational Documents . The actual name of mine and my wife are ANUP PAL and TANUSRI PAL respectively, which may be amended accordingly.

हरियाणा के कई जिलों में बारिश का अलर्ट, मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मौसम बदलने वाला है। मौसम विभाग अनुसार हरियाणा के कई जिलों मे बारिश की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार 19 फरवरी से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार इस बदलाव से तापमान में गिरावट आ सकती है। पिछले कुछ दिनों से दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंड महसूस की जा रही थी, लेकिन अब बारिश के बाद ठंड बढ़ने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि हरियाणा के उत्तरी और मध्य भाग में बारिश के ज्यादा आसार हैं।

जिन जिलों में बारिश हो सकती है उनमें चंडीगढ़, अंबाला, पंचकूला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल,

जींद, रोहतक, सोनीपत शामिल हैं। इसके अलावा अन्य जिलों में भी हल्की बौछारें पड़ सकती हैं। हरियाणा में किसान इस समय रबी की फसलों की देखभाल कर रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार हल्की से मध्यम बारिश गेहूं और सरसों की फसलों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। हालांकि अगर बारिश तेज हुई तो फसलों को नुकसान भी हो सकता है। बिना जरूरत के घर से बाहर न निकलें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, क्योंकि बारिश के कारण सड़कें फिसलन भरी हो सकती हैं। किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की सलाह दी गई है। हरियाणा में मौसम में यह बदलाव कुछ दिनों तक रह सकता है। बारिश से जहां गर्मी से राहत मिलेगी, वहीं ठंडक भी बढ़ेगी। लोगों को मौसम के अपडेट पर नजर रखनी चाहिए और जरूरी तैयारियां करनी चाहिए।

यूनिटी बैंक ने मध्यप्रदेश में अपना विस्तार किया

भोपाल। नये जमाने की बैंक यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (यूनिटी बैंक) ने भारत के दिल, यानि मध्यप्रदेश में अपनी उपस्थिति को बढ़ाया है। इसके तहत बैंक ने भोपाल में 2 नई शाखाओं का उद्घाटन किया है। यूनिटी बैंक का यह विस्तार राज्य में व्यवसाय के लिये बढ़ रहे अवसरों का लाभ उठाने के लिये हुआ है। इसमें ग्राहकों को जमा राशि पर आकर्षक ब्याज दरें और उद्यमियों तथा आम लोगों को तैयार वित्तीय समाधानों की पेशकश की जायेगी।यूनिटी बैंक वरिष्ठ नागरिकों के लिये 9.50फीसदी प्रतिवर्ष की आकर्षक दर पर सावधि जमा की पेशकश करती है, जबकि दूसरे निवेशक 9.00फीसदी प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अर्जित कर सकते हैं। यूनिटी बैंक बचत खातों के लिये 7.50फीसदी प्रतिवर्ष, 5 लाख रूपये से ज्यादा की शेषराशि पर ....और 1 लाख रूपये अधिक तथा 5 लाख रूपये तक के जमा शेष पर 7.25फीसदी प्रतिवर्ष ब्याज देती है (मासिक भुगतान)। इसके अलावा, चुनिंदा शाखाओं में प्रतिस्पर्द्धी दरों पर लॉकर्स भी उपलब्ध हैं।यूनिट बैंक के भोपाल में आने का लक्ष?य है वहाँ बढ़ रहे व्यवसाय के अवसरों का लाभ उठाना। ग्राहकों को जमाराशि पर आकर्षक ब्याज दरें देना, एसएमई और एमएसएमई को बिजनेस लोन देना तथा इससे महत्वपूर्ण, मध्यप्रदेश के नागरिकों को ज्यादा स्मार्ट, तेज और सशक्त बैंक के साथ बैंकिंग करने का मौका देना भी उसका लक्ष्य है।

रुपया 17 पैसे लुढ़का

मुंबई। आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर लिवाली बढ़ने के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 17 पैसे लुढ़ककर 86.89 रुपए प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.72 रुपए प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया दो पैसे की बढ़त लेकर 86.70 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। वहीं, लिवाली होने से यह 86.89 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया और इसी स्तर पर बंद हुआ।

वाणिज्यिक निर्यात जनवरी में 2.4 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 में भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब डॉलर रहा। जनवरी 2024 में यह आंकड़ा 37.32 अरब डॉलर था। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी में वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात बढ़कर 59.42 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 53.88 अरब डॉलर था। इस तरह जनवरी में व्यापार घाटा (वस्तुओं के आयात की तुलना में निर्यात का अंतर) 22.99 अरब डॉलर रहा। जनवरी में देश से सेवाओं का निर्यात 24.31 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि के साथ अनुमानित 38.55 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 31.01 अरब डॉलर था। इस वर्ष के पहले महीने (जनवरी 2025) में भारत का कुल निर्यात (माल और सेवाएँ) 74.97 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी माह में यह 68.33 अरब डॉलर था। इस प्रकार वर्ष-दर-वर्ष 9.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-जनवरी के दौरान वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण माहौल में देश के निर्यात क्षेत्र के प्रदर्शन पर संतोष प्रकट करते हुए कहा कि यदि गैर पेट्रोलियम निर्यात को देखें तो प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। श्री बर्थवाल ने कहा, अप्रैल-जनवरी के दौरान देश से वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में 7.21 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

कैम्पा बना आईपीएल का 'को-पावर्ड स्पॉन्सर', जियोस्टार से मिलाया हाथ

बेंगलुरु। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) के ब्रांड कैम्पा ने जियोस्टार के साथ साझेदारी की है। आईपीएल 2025 में कैम्पा, टीवी और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म के लिए 'को-पावर्ड स्पॉन्सर' होगा। बताते चलें कि देश में सबसे ज्यादा देखे जाना वाले स्पोर्ट्स इवेंट आईपीएल का प्रसारण जियोस्टार पर होगा। साझेदारी में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क की क्षेत्रीय भाषाओं के प्रसारण को भी जोड़ा गया है। जो कैम्पा ब्रांड की पहुंच को बढ़ाने की गारंटी साबित होगा। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सीओओ केतन मोदी ने कहा, आईपीएल के लिए जियोस्टार के साथ हमारी साझेदारी क्रिकेट के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। टीवी और डिजिटल पर 'को-पावर्ड स्पॉन्सरशिप'हासिल करके, हम भारत के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म पर अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। इस सहयोग से कैम्पा की पहुंच बढ़ेगी। साथ ही यह लाखों क्रिकेट प्रशंसकों के साथ सीधे जुड़ने का एक अवसर भी देगा। जियोस्टार के बिजनेस हेड, स्पोर्ट्स रेवेन्यू, ईशान चटर्जी ने कहा,हम आईपीएल के लिए एक प्रमुख प्रायोजक के रूप में कैम्पा का स्वागत करते हुए उत्साहित हैं। यह साझेदारी देश के सबसे बड़े क्रिकेट आयोजन के दौरान हमारी साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी। जियोस्टार की बेजोड़ पहुंच और पेय पदार्थ के क्षेत्र में कैम्पा की मजबूत पकड़ के साथ, हम भारत में लाखों प्रशंसकों को एकसाथ जोड़ेंगे। पिछले दो वर्षों में बीसीसीआई और आईपीएल की कई टीमों के साथ भागीदार करके कैम्पा ने क्रिकेट इको सिस्टम में पहले ही अपनी पैठ बना ली है।

आरबी-आईओएस 2021 के नाम से लोकपाल शब्द हटाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की आरबी-आईओएस 2021 को अब हिन्दी में एकीकृत लोकपाल योजना - 2021 की जगह रिजर्व बैंक एकीकृत ऑम्बड्समैन योजना - 2021 के नाम से जाना जाएगा। नाम में ये परिवर्तन किसी भी तरह के भ्रम का निवारण करने के लिए किया गया है। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक में द्वारा विनियमित संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली सेवाओं में कमी से संबंधित ग्राहकों की शिकायतों के मुफ्त समाधान के लिए 2021 में आरबीआई ने आरबी-आईओएस 2021 की शुरुआत की थी। योजना की शुरुआत होने के बाद इसे हिंदी में रिजर्व बैंक-एकीकृत लोकपाल योजना 2021 का नाम दिया गया।

हालांकि लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम 2013 सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले पदाधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने और उससे जुड़े या उसके आनुषांगिक मामलों के लिए केंद्र में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त निकाय बनाने का प्रावधान करता है। इस अधिनियम में लोकपाल शब्द का प्रयोग विशेष रूप से 2013 के अधिनियम की धारा 3 के तहत स्थापित होने वाले निकाय के लिए किया जाता है। इस तरह भारतीय रिजर्व बैंक की योजना में लोकपाल शब्द का प्रयोग लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम 2013 के प्रावधानों के विपरीत है, क्योंकि अधिनियम में लोकपाल का अर्थ स्थापित निकाय से है, जबकि आरबीआई की लोकपाल योजना में व्यक्ति विशेष को ये दर्जा दिया गया था। इसलिए लोकपाल शब्द को लेकर बने भ्रम का निवारण करने के लिए इस मामले को रिजर्व बैंक के सामने रखा गया, ताकि इसमें सुधार किया जा सके। इसके बाद रिजर्व बैंक में आरबी-आईओएस 2021 के हिंदी संस्करण में लोकपाल शब्द को ऑम्बड्समैन शब्द से बदल दिया है।

भारत की चिकित्सा प्रणाली और सामाजिक नीतियों में अमेरिकी हस्तक्षेप चिंताजनक: सान्याल

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा है कि भारतीय चुनावों में यूएस एड के हस्तक्षेप के बारे में चिंतित लोगों को भारत की चिकित्सा प्रणाली और सामाजिक नीतियों में यूएस एड के हस्तक्षेप के बारे में भी उतना ही चिंतित होना चाहिए। भारतीय चुनाव में अमेरिकी एजेंसियों के हस्तक्षेप पर श्री सान्याल ने 'एक्स' पर कहा, 'यूएस एड ने 1990 के दशक से लेकर दो साल पहले बंद होने तक भारत के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण को प्रभावी ढंग से चलाया। यह भारत में सबसे महत्वपूर्ण चिकित्सा डेटासेट है और स्वास्थ्य नीति को बहुत प्रभावित करता है। हम न केवल एक विदेशी एजेंसी को हमारे चिकित्सा डेटा को इकट्ठा करने की अनुमति दे रहे थे, बल्कि उन्हें सर्वेक्षण और प्रत्यक्ष विश्लेषण करने की अनुमति देकर, हम उन्हें हमारे राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करने दे रहे थे। उन्होंने कहा कि समान तरीके से चिंताजनक रूप से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रश्नावली का अधिकांश भाग जानबूझकर कुछ सामाजिक आख्यानों का समर्थन करने के लिए बदला गया था। उदाहरण के लिए, पुरुषों के लिए प्रश्नावली केवल 29 पृष्ठों की है, लेकिन महिलाओं के लिए 94 पृष्ठों की है। बहुत से अतिरिक्त प्रश्न जानबूझकर भारतीय महिलाओं के खिलाफ अंतर-पारिवारिक हिंसा की कहानी को उभारने के लिए लिखे गए हैं। कहना होगा, बहुत चालाकी से किया गया। उन्होंने कहा, पाठकों को याद होगा कि स्वर्गीय बिबेक देबरॉय और मैंने इसका कड़ा विरोध किया था।

जनवरी तक निर्यात में 7.21 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान, इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में 78.97 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। मौजूदा वित्त वर्ष में जनवरी के महीने तक भारत से होने वाले कुल निर्यात में 7.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इस वित्त वर्ष में अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के बीच कुल 682.59 बिलियन डॉलर का निर्यात होने का अनुमान लगाया है। इसके पहले पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि में कुल 636.69 बिलियन डॉलर का निर्यात किया गया था। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार अप्रैल से जनवरी की अवधि में व्यापारिक निर्यात का संचयी मूल्य 358.91 अरब डॉलर था, जबकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान इसी अवधि में ये निर्यात 353.97 अरब डॉलर था। इस तरह इस वित्त वर्ष में समान अवधि मे व्यापारिक निर्यात के संचयी मूल्य में 1.39 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। गैर पेट्रोलियम निर्यात जनवरी 2025 में 32.86 अरब अमेरिकी डॉलर दर्ज किया गया। जबकि जनवरी 2024 में 28.71 अरब डॉलर का गैर पेट्रोलियम निर्यात हुआ था। इस तरह गैर पेट्रोलियम निर्यात में तुलनात्मक रूप से 14.47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह अप्रैल 2024

से जनवरी 2025 की अवधि में 305.84 अरब डॉलर मूल्य का संचयी गैर-पेट्रोलियम निर्यात रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि के दौरान 283.45 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। इस तरह इस अवधि में गैर पेट्रोलियम निर्यात में तुलनात्मक रूप से 7.90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार गैर पेट्रोलियम, गैर रत्न और आभूषण निर्यात जनवरी 2024 के 26.12 अरब डॉलर से बढ़कर जनवरी 2025 में 29.87 अरब डॉलर हो गया। इसमें तुलनात्मक रूप से 14.33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात जनवरी 2024 में 2.29 अरब डॉलर से 78.97 प्रतिशत बढ़कर जनवरी 2025 में 4.11 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा इंजीनियरिंग सामान का निर्यात जनवरी 2024 के 8.77 अरब डॉलर से 7.44 प्रतिशत बढ़कर जनवरी 2025 में 9.42 अरब डॉलर हो गया।

थमी नहीं एफपीआई की बिकवाली, फरवरी में हुई 21,272 करोड़ रुपये की निकासी

एजेंसी

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने बेंगलुरु के होटल ताज वेस्ट एंड में भारत के इस्पात क्षेत्र के भविष्य पर केंद्रित एक दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सीपीएसई के नेता प्रमुख उद्योग विषयों पर विचार-विमर्श करने और आगे की राह तैयार करने के लिए एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम में इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी वर्चुअली और इस्पात और भारी उद्योग राज्यमंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंड्रिक और सीपीएसई प्रमुखों ने भी भाग लिया, जिससे उद्योग के विकास के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण को बल मिला। उद्घाटन समारोह के बाद लौह अयस्क उपयोग, राष्ट्रीय इस्पात नीति 2025, विशेष इस्पात, तथा परिचालन दक्षता और लागत में कमी के लिए रणनीतियों पर महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। आकर्षक चर्चाओं ने सभी उपस्थित लोगों की सक्रिय भागीदारी को संभव बनाया। भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने राष्ट्रीय इस्पात नीति के लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने पर जोर देते हुए कहा, आइए हम 2030 तक 300 मीट्रिक टन इस्पात उत्पादन क्षमता प्राप्त करके आत्मनिर्भर भारत की दिशा में काम करें। इस्पात आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है और हमें घरेलू उत्पादन बढ़ाने, लौह अयस्क संसाधनों का अनुकूलन करने और प्रमुख क्षेत्रों के लिए विशेष इस्पात का उत्पादन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। संदीप पौंड्रिक ने उद्योग उत्कृष्टता, आत्म-चिंतन और निरंतर सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷यह मंच परिचालन दक्षता बढ़ाने और नवाचार

को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है, जिससे टिकाऊ और प्रभावशाली विकास सुनिश्चित होता है। इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण इंडिया स्टील 2025 के लिए आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ था, जो 24-26 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सीपीएसई के 35 युवा प्रबंधकों को भविष्य के उद्योग के नेताओं के रूप में पेश किया गया।

देश में सतत विकास लक्ष्यों के लिए नागरिक-जनित डेटा के बारे में जागरुकता बढ़ाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने नागरिक-जनित डेटा का उपयोग करने के लिए अपनी चल रही पहलों के हिस्से के रूप में यहां भारत में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए नागरिक-जनित डेटा (सीजीडी) का लाभ उठाने पर एक कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्देश्य डेटा अंतराल को संबोधित करने और राष्ट्रीय सांख्यिकीय परिदृश्य में समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए एक मूल्यवान उपकरण के रूप में सीजीडी के बारे में जागरुकता और समझ को बढ़ाना है। इसने भारतीय संदर्भ में सीजीडी पर कोपेनहेगन फ्रेमवर्क की प्रासंगिकता पर चर्चा करने और देश की सांख्यिकीय प्रणाली के भीतर इसके संभावित अनुकूलन का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान किया। चर्चा में डेटा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव डॉ. सौरभ गर्ग ने किया। इसमें लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें केंद्रीय मंत्रालयों, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, साथ ही संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। डॉ. गर्ग ने अपने उद्घाटन भाषण में आधिकारिक सांख्यिकी के एक मूल्यवान पूरक के रूप में नागरिक-जनित डेटा के महत्व पर जोर दिया, जो डेटा अंतराल को पाटने और समावेशिता को बढ़ावा देने में मदद करता है। उन्होंने भारत की सांख्यिकीय प्रणाली में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका और एसडीजी निगरानी और रिपोर्टिंग में सीजीडी को एकीकृत करने की संभावना तलाशने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत पहले से ही सहभागी नियोजन प्रक्रियाओं, सामाजिक लेखा परीक्षा और केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली में लगा हुआ है, ये सभी पहल सरकार के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। यह एसडीजी के 'कोई भी पीछे न छूटे' के सिद्धांत के अनुरूप है। इसके अलावा इन प्रयासों को एक व्यापक ढांचे के माध्यम से बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने डेटा में नागरिक योगदान की पूरी क्षमता को उजागर करने में शामिल विभिन्न चुनौतियों को रेखांकित किया जैसे कि व्यक्तिपरकता, प्रतिनिधित्व, गोपनीयता और सुरक्षा, मापनीयता, स्थिरता आदि। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के महानिदेशक एनके संतोषी ने अपने स्वागत भाषण में एसडीजी निगरानी के लिए व्यापक डेटा आवश्यकताओं और बारीक अंतर्दृष्टि की आवश्यकता को संबोधित करने के लिए मंत्रालय के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय गैर-पारंपरिक डेटा स्त्रोतों, जैसे कि नागरिक-जनित डेटा, भू-स्थानिक जानकारी और अन्य नवीन दृष्टिकोणों की खोज कर रहा है। ताकि आधिकारिक सांख्यिकी को पूरक बनाया जा सके और विभिन्न प्रशासनिक स्तरों पर एसडीजी प्रगति की ट्रैकिंग को मजबूत किया जा सके।

स्टॉक मार्केट में चंदन हेल्थकेयर की धांसू एंट्री, पहले ही दिन लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्थ इंडिया में डायग्नोस्टिक सेंटर्स चलाने वाली कंपनी चंदन हेल्थकेयर ने आज घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 159 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 3.84 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 165.10 रुपए के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद कंपनी के शेयर खरीदारी के सपोर्ट से उछल कर 173.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 9.03 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।चंदन हेल्थकेयर का 107.36 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से ठीक ठाक रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7.04 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 7.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 18.85 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 70.79 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं।

इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 22,99,936 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी लखनऊ में नया फ्लैगशिप डायग्नोस्टिक सेंटर लगाने, अयोध्या और लखनऊ में नया सेंट्रल रिफरेंस लैबोरेट्री सेटअप करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कतर के अमीर की यात्रा पर आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत और कतर मंगलवार को यहां होने वाले भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच के साथ अपने आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार हैं। संयुक्त व्यापार मंच का आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सहयोग से किया जाएगा। यह निवेश के अवसरों, तकनीकी सहयोग और आर्थिक साझेदारी का पता लगाने के लिए शीर्ष व्यापारिक प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं और उद्योग हितधारकों को एक मंच पर लाएगा। यह कार्यक्रम कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की 17-18 फरवरी, 2025 की भारत यात्रा

के अवसर पर हो रहा है। कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्री शेख फैजल बिन थानी बिन फैजल अल थानी और भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार मंच के कार्यक्रम में मुख्य भाषण देंगे। कतर के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, वित्त, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, रसद, उन्नत विनिर्माण और नवाचार क्षेत्र के अग्रणी उद्यमी शामिल हैं। फोरम में विभिन्न विषयों पर चर्चाएं होंगी। इनमें भारत और कतर के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी बनाने के माध्यम के रूप में निवेश, रसद, उन्नत विनिर्माण और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग करना और दक्षताओं का लाभ उठाना, भविष्य के क्षेत्रों (एआई, नवाचार, स्थिरता आदि) में सहयोग को बढ़ावा देना और मजबूत करना प्रमुख हैं। ये चर्चाएं भारतीय और कतर के व्यवसायियों को संयुक्त उद्यम, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), प्रौद्योगिकी साझेदारी और नीति-संचालित सहयोग का पता लगाने में सक्षम बनाएंगी। दोनों सरकारों और उद्योग जगत के अग्रणी के प्रतिनिधि दूरदर्शी व्यापार और निवेश ढांचे को आकार देने में योगदान देंगे।

अजाक्स इंजीनियरिंग की स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री, पहले ही दिन निवेशकों को हुआ नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। कंक्रीट से जुड़े इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी अजाक्स इंजीनियरिंग के शेयरों ने अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 629 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज बीएसई पर इसकी 593 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 576 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद दिनभर इसमें उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 5.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 595.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए। अजाक्स इंजीनियरिंग का 1,269.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.06 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 13.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 6.46 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.94 गुना और एम्पलाइज कैलिबरियम पोर्शन 2.62 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,01,80,446 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। इसमें कोई नया शेयर जारी नहीं किया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 66.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 135.90 करोड़ और 2023-24 में 225.15 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 51 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 1,780.07 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 181.02 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 794.16 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

'शिक्षा मंदिर' निर्माण के लिए अडानी परिवार ने दिया दो हजार करोड़ का दान

नई दिल्ली। अडानी परिवार ने पूरे देश में विश्वस्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे के बनाने के उद्देश्य से दो हजार करोड़ रुपये दान करने की घोषणा की है। इसके लिए अडानी फाउंडेशन ने देश भर में शिक्षा के मंदिर स्थापित करने के लिए निजी के-12 शिक्षा में वैश्विक अग्रणी जेईएमएस एजुकेशन के साथ सहयोग किया है।

फाउंडेशन ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अडानी परिवार की ओर से 2,000 करोड़ रुपये के आरंभिक दान के साथ, यह साझेदारी समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए विश्वस्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे को किफायती बनाने को प्राथमिकता देगी। महानगरों और टियर दो से चार शहरों में किफायती और विश्वस्तरीय स्कूल खोलने के लिए 2,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया है। के-12 सेगमेंट में 20 स्कूलों का आरंभिक नेटवर्क बनाने के लिए जेईएमएस एजुकेशन के साथ सहयोग किया गया है जहां वंचित और योग्य बच्चों के लिए सीबीएसई पाठ्यक्रम में 30 प्रतिशत सीटें निःशुल्क होंगी। पहला 'अडानी जीईएमएस स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में लखनऊ में खुलेगा।

लगातार 8 दिन की गिरावट पर लगा ब्रेक, मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी के कारण दिन के दूसरे कारोबारी सत्र में घरेलू शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ बंद हुए। इसके पहले लगातार आठ कारोबारी दिनों तक शेयर बाजार लगातार गिरावट के साथ ही बंद हुआ था। अगर आज भी शेयर बाजार गिरावट के साथ ही बंद होता, तो ये पिछले 6 साल की सबसे लंबी गिरावट हो सकती थी। इससे पहले 30 अप्रैल से 13 मई 2019 के बीच शेयर बाजार लगातार 9 कारोबारी दिन तक गिरावट के साथ बंद हुआ था, लेकिन इस बार 5 से 14 फरवरी तक लगातार गिरावट का सामना करने के बाद आज नौवें कारोबारी दिन शेयर बाजार मामूली तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके साथ ही कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल और बैंकिंग इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में हुई रिकवरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 20 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 400.39 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 400.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 20 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,219 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,336 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,738 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 145 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,637 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 901 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,736 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 297.80 अंक की कमजोरी के साथ 75,641.41 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में उतार-चढ़ाव शुरू हो गया। दिन के पहले सत्र में बिकवाली का दबाव अधिक नजर आया, जिसके कारण सेंसेक्स 644.45 अंक की कमजोरी के साथ 75,294.76 अंक तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 747.20 अंक की छलांग लगा कर 102.75 अंक की मजबूती के साथ 76,041.96 अंक तक पहुंच गया।

बालों के लिए भी फायदेमंद है लौंग का पानी, जाने कैसे करें इस्तेमाल

खूबसूरत, घने और मजबूत बाल हर अमूमन हर किसी की चाहत होती है, लेकिन प्रदूषण, गलत खानपान, केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स और तनाव के कारण बालों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है. बालों का झड़ना, डैंड्रफ, स्कैल्प इंफेक्शन और दोमुंहे बाल जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. ऐसे में अगर आप नेचुरल और असरदार उपाय की तलाश में हैं, तो लौंग का पानी आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं.

लौंग, जो आमतौर पर हमारे किचन में मसाले के रूप में इस्तेमाल की जाती है, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होती है. ये न केवल स्कैल्प को हेल्दी बनाती है बल्कि बालों की जड़ों को भी मजबूत करती है, जिससे हेयर ग्रोथ तेजी से होती है. लौंग में मौजूद युजेनॉल नामक तत्व स्कैल्प की गहराई से सफाई करता है और ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है. आइए जानते हैं लौंग के पानी के फायदे और इसे इस्तेमाल करने का तरीका.

बालों के लिए लौंग के पानी के फायदे

लौंग का पानी बालों के लिए किसी आयुर्वेदिक टॉनिक से कम नहीं है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और पोषक तत्व बालों को मजबूत बनाने के साथ-साथ स्कैल्प से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. आइए जानते हैं लौंग के पानी के कुछ बेहतरीन फायदे.

1. बालों का झड़ना कम करता है- लौंग में मौजूद युजेनॉल (Eugenol) नामक तत्व स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है, जिससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और हेयर फॉल की समस्या कम हो जाती है.

2. डैंड्रफ से दिलाए राहत- लौंग के पानी में एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो स्कैल्प से फंगस और डैंड्रफ को खत्म करने में मदद करते हैं. ये स्कैल्प की गहराई से सफाई करता है और खुजली की समस्या को भी दूर करता है.

3. हेयर ग्रोथ को बढ़ावा देता है- अगर आप लंबे और घने बाल चाहते हैं तो लौंग का पानी एक अच्छा ऑप्शन है. ये स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है और नए बालों की ग्रोथ में मदद करता है.

4. ऑयली स्कैल्प को करे कंट्रोल- अगर आपके बाल जल्दी-जल्दी ऑयली हो जाते हैं तो लौंग का पानी स्कैल्प में सीबम प्रोडक्शन को बैलेंस करने में मदद करता है, जिससे बाल ज्यादा देर तक फ्रेश और हेल्दी दिखते हैं.

कैसे तैयार करें लौंग का पानी

एक पैन में पानी गर्म करें और उसमें लौंग डालें. इसे 10-15 मिनट तक धीमी आंच पर उबालें. पानी का रंग बदलकर हल्का भूरा होने लगेगा. इसे आंच से उतारकर ठंडा होने दें. छानकर एक स्प्रे बोतल या कंटेनर में भर लें.

बालों में लगाने का तरीका

1.हेयर स्प्रे की तरह इस्तेमाल करें- बालों को धोने के बाद हल्के गीले बालों में लौंग के पानी को स्प्रे करें. उंगलियों से हल्की मसाज करें ताकि ये स्कैल्प में अच्छे से अबजोर्ब हो जाए. इसे धोने की जरूरत नहीं है, आप इसे नेचुरल हेयर टॉनिक की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं.

2. हेयर रिंस के रूप में इस्तेमाल करें- शैंपू करने के बाद बालों को अच्छे से धो लें. अब लौंग के पानी को पूरे बालों और स्कैल्प पर डालें. कुछ मिनट तक रहने दें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें. इससे बाल चमकदार और मजबूत बनेंगे.3. हेयर ऑयल के साथ मिलाकर लगाएं- नारियल तेल, बादाम तेल या जैतून के तेल में 2-3 चम्मच लौंग का पानी मिलाएं. इसे हल्का गर्म करें और स्कैल्प में अच्छी तरह मसाज करें. रातभर लगा रहने दें और सुबह धो लें.

ट्रंप जो चाहते थे वह सब नरेंद्र मोदी से हासिल किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस समय भू-राजनीतिक स्थिति तेजी से बदल रही है

इस संदर्भ में, अमेरिकी पक्ष ने भारत को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए अपने दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। कुल मिलाकर परिणाम यह है कि ट्रम्प को वह मिल गया जो वह चाहते थे - भारत को रक्षा उपकरण और तेल और ऊर्जा उत्पादों के अमेरिकी निर्यात में एक बड़ा हिस्सा, जिससे उन क्षेत्रों में भारत को रूस का निर्यात कम हो जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस समय भू-राजनीतिक स्थिति तेजी से बदल रही है और कई देशों में नये नेता सत्ता संभाल रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मोदी की निर्धारित बैठक से अमेरिका के लिए उनके व्यापार विस्तार के मामले में सकारात्मक परिणाम सामने आये, लेकिन भारत के लिए सटीक लाभ का आकलन अभी किया जाना बाकी है। हालांकि एक बात स्पष्ट है। ट्रंप आप्रवासियों पर अपनी नीति पर अड़े रहे और मोदी ने इस पर सहमति जतायी। भारतीय प्रधानमंत्री ने ट्रंप की प्रशंसा की, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाये जाने वाले भारी पारस्परिक टैरिफ से बचने की कोशिश की।

ट्रंप और मोदी के रिश्ते को कुछ मीडिया आउटलेट्स में %भाईचारा% करार दिया गया है - और गुरुवार की बैठक के दौरान यह आत्मीयता जोरदार तरीके से उबलती रही। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे की प्रशंसा की, जबकि सार्वजनिक रूप से चर्चा के अधिक चुभने वाले बिंदुओं को दरकिनार कर दिया। उनमें से मुख्य था ट्रंप द्वारा हाल ही में घोषित %पारस्परिक टैरिफ% का सवाल, जिसमें उन्होंने अमेरिकी वस्तुओं पर विदेशी आयात करों का जवाब प्रत्येक देश द्वारा लगाये जाने वाले दरों के बराबर देने का प्रस्ताव रखा है।

दोनों दक्षिणपंथी नेताओं, मोदी और ट्रम्प, पर अपने देशों में लोकतांत्रिक पतन के आरोप लगे हैं। दोनों नेताओं ने हाल ही में अपने-अपने देशों में फिर से चुनाव भी जीता हैं- मोदी ने पिछले साल जून में और ट्रम्प ने पिछले नवंबर में। गुरुवार को उनके अधिकांश सार्वजनिक प्रदर्शन एक-दूसरे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए समर्पित थे, जिसमें ट्रम्प ने मोदी की महान नेता के रूप में सराहना की और मोदी ने ट्रम्प को मित्र कहा।

गुरुवार को मोदी अपने खुद के प्रस्तावों के साथ पहुंचे, जो ट्रम्प द्वारा भारत के खिलाफ उठाये जाने वाले किसी भी आर्थिक कदम से निपटने के लिए तैयार किये गये थे। दोनों नेता अपनी बंद कमरे की बैठक से अंतरिक्ष यात्रा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऊर्जा उत्पादन पर साझेदारी सहित अपने देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के समझौते के साथ बाहर आये।

ट्रंप ने कहा, प्रधानमंत्री और मैं ऊर्जा पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर भी पहुंचे हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका को भारत के लिए तेल और गैस के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में पुनर्स्थापित करेगा। उम्मीद है कि यह उनका नंबर-एक आपूर्तिकर्ता होगा।% अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के समान एक अंतरराष्ट्रीय बुनियादी ढांचे का भी जिक्र किया,जो दुनिया भर के सहयोगियों को जोड़ेगा। ट्रंप ने बताया, %हम इतिहास के सबसे महान व्यापार मार्गों में से एक के निर्माण में मदद करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। यह भारत से इजरायल, इटली और आगे संयुक्त राज्य अमेरिका तक जायेगा, जो हमारे भागीदारों को बंदरगाहों, रेलवे और अंडरसीकेबल्स से जोड़ेगा।

ट्रम्प ने अपनी ओर से कहा कि अमेरिका भारत को कई अरबों डॉलर की सैन्य बिक्री बढ़ायेगा।

दोनों नेताओं ने अपने नागरिकों को अधिक समृद्ध, राष्ट्रों को अधिक मजबूत, अर्थव्यवस्थाओं को अधिक नवीन और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला बनाने के लिए व्यापार और निवेश का विस्तार करने का संकल्प लिया। उन्होंने निष्पक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और रोजगार सृजन सुनिश्चित करने वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया। इस उद्देश्य से, नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार के लिए एक साहसिक नया लक्ष्य निर्धारित किया- %मिशन 500 - जिसका लक्ष्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक करके 500 अरब डॉलर करना है।

दोनों नेताओं ने बेहतर वैश्विक ऊर्जा मूल्य सुनिश्चित करने और अपने नागरिकों के लिए सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करने के लिए हाइड्रोकार्बन के उत्पादन को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। नेताओं ने संकट के दौरान आर्थिक स्थिरता को बनाये रखने के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के महत्व को भी रेखांकित किया और रणनीतिक तेल भंडार व्यवस्था का विस्तार करने के लिए प्रमुख भागीदारों के साथ काम करने का संकल्प लिया।इस संदर्भ में, अमेरिकी पक्ष ने भारत को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए अपने दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। कुल मिलाकर परिणाम यह है कि ट्रम्प को वह मिल गया जो वह चाहते थे - भारत को रक्षा उपकरण और तेल और ऊर्जा उत्पादों के अमेरिकी निर्यात में एक बड़ा हिस्सा, जिससे उन क्षेत्रों में भारत को रूस का निर्यात कम हो जायेगा। जहां तक एच-1बी वीजा पर भारत के दबाव वाले मुद्दों का सवाल है, ऐसा लगता है कि भारतीय प्रधानमंत्री को कोई रियायत नहीं मिली। अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों के संबंध में, नरेंद्र मोदी उन्हें वापस लेने के लिए सहमत हुए। कोई राहत नहीं मिली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए यह एकतरफा रास्ता था, और स्वाभाविक रूप से उन्होंने द्विपक्षीय वार्ता और संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री की जमकर प्रशंसा की।

संपादकीय

हादसों का महाकुम्भ

प्रयागराज में चल रहा महाकुम्भ जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, उस सिलसिले में हादसों पर हादसे हो रहे हैं। मेला क्षेत्र में होने वाली भगदड़ और आगजनी की कई घटनाओं के अलावा देश भर से प्रयागराज या इस दिशा में आने वाली ट्रेनों में जो दृश्य दिखलाई दे रहे हैं वे अपने आप में दुखद हैं। इस श्रृंखला में ताजा हादसा नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 14 व 15 पर शनिवार की रात को करीब 10 बजे हुआ। प्रयागराज जाने वाली ट्रेनें पकड़ने के लिये इतनी बड़ी तादाद में लोग पहुंच गये कि तिल भर भी जगह नहीं रह गयी। पीछे से आने वाले जनसैलाब ने न केवल इन दो प्लेटफॉर्मों को भर दिया वरन सीढ़ियां और फुटओवर ब्रिजों पर भी ऐसी जबर्दस्त भीड़ हो गयी कि लोगों को सांस लेना भी दूभर हो गया। हर बढ़ते जत्थे से स्थिति गम्भीर होती चली गयी। बड़ी संख्या में लोगों के बेहोश होने और दम घुटने अथवा दबने से वैसी ही मौतें होने लगीं जैसी कि प्रयागराज के मेला क्षेत्र में 28 व 29 जनवरी की दरमियानी रात को हुई थी। उसमें मृतकों के सरकारी आंकड़े तो 30 के हैं लेकिन वास्तविक संख्या कई गुना अधिक होने का अंदेशा है। वैसे ही दिल्ली के इस हादसे में रेलवे प्रशासन व सरकार के अनुसार 19 लोगों की मृत्यु बतलाई जाती है लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह आंकड़ा और भी ज्यादा हो सकता है। इनमें बच्चे और महिलाएं भी हैं।

इस बार के महाकुंभ के लिए इस बात का खूब प्रचार किया गया है कि यह 144 वर्षों के बाद दुर्लभ योग में आया है, इसलिए अमृत स्नान के लिये मानो पूरा भारत उत्कंठित है। देश भर से विभिन्न परिवहन के साधनों से करोड़ों की संख्या में लोग यहां अकल्पनीय परेशानियां झेलते हुए पहुंच रहे हैं। स्नान की सभी महत्वपूर्ण तिथियों में लोगों का आना जारी है। ट्रेनों के डिब्बे खचाखच भरे हैं और उनमें एक-एक इंच के लिये संघर्ष हो रहा है। पाप धोने, पुण्य कमाने तथा मोक्ष पाने के आकांक्षी रेल डिब्बों की खिड़कियों में लगे कांच को तोड़कर उनमें घुस रहे हैं। लोगों को कुम्भ में आने के लिये आकर्षित करने के उद्देश्य से सरकार ने प्रयागराज से लौटने वाली ट्रेनों में सामान्य श्रेणियों की यात्रा मुफ्त कर रखी है लेकिन श्रद्धालु एक कदम आगे बढ़ते हुए न केवल आने वाली ट्रेनों से ही बगैर टिकट व आरक्षण के आ रहे हैं वरन आरक्षित व एसी डिब्बों में भी बेरोकटोक घुसकर दूसरों की सीटों पर कब्जा कर रहे हैं। अंदर के यात्री यदि भीड़ को घुसने से रोकने के लिये चिटकनी लगा रहे हैं तो बाहर प्लेटफॉर्मों के सैलाब उसे खुलवाने का प्रबन्ध कर पहुंच रहे हैं। भीतर किसी के घायल होने की परवाह किये बगैर बांस-बल्लियों से कांच तोड़े जा रहे हैं और डिब्बों में लड़ाई-झगड़े हो रहे हैं। स्टेशनों पर तैनात रेलवे कर्मचारी व पुलिस बल अपर्याप्त साबित हो रहा है। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी भीड़ इतनी ज्यादा थी कि उसे नियंत्रित करना ही असम्भव हो गया था

।सड़क मार्ग से आने वालों की अपनी दिक्कतें हैं। प्रयागराज से आने वाले सारे मार्ग लगभग जाम रहते हैं। मौनी अमावस्या के दौरान तो कम से कम 3 सौ किलोमीटर जाम देखा गया जिससे निज़ात पाने के लिये लोगों को वाहनों के भीतर दो से तीन दिन तक गुजारने पड़े। खाने-पीने का सामान खत्म या कई-कई गुना महंगा हो गया। प्रयागराज पहुंचने वाले रास्तों पर पड़ने वाले गांव एवं कस्बे भी भीड़ के कारण परेशानियां झेल रहे हैं। तमाम व्यवस्थाएं ठप हैं और प्रशासन लाचार। लोगों को उनके हाल पर छोड़ा जा रहा है। उनकी मदद न तो सरकार कर पा रही है,

न राजनीतिक दल और न ही वे धार्मिक संस्थाएं, धर्मगुरु, अखाड़े एवं सम्प्रदाय जो हिन्दुओं का नेतृत्व करने का दावा करते हैं। लोग बेमौत मारे जा रहे हैं।अलबत्ता, इस महाकुम्भ का सियासी लाभ लेने में भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे है। मेला क्षेत्र में हुए हादसे के अगले दिन श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से की गयी पुष्प वर्षा बतलाती है कि न तो केन्द्र सरकार की मरने वालों के प्रति संवेदना है और न ही राज्य सरकार की। उत्तर प्रदेश सरकार ने उस हादसे की जांच के आदेश दे दिये हैं जिसमें अंततः कौन सा एंगल सामने आता है, देखना होगा।

आखिर कौन, कैसे और कब तक पाएगा भीड़ से उत्पन्न भगदड़ पर काबू

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी शनिवार की रात प्रयागराज महाकुंभ जाने को उतावली भीड़ ने ऐसी भगदड़ मचाई कि लगभग डेढ़ दर्जन लोगों की जान चली गई, जबकि दर्जनाधिक घायल भी हुए। इस बार भी मृतकों में महिलाओं (10) और बच्चों (3) की संख्या ज्यादा रही, जबकि पुरुषों (2) की संख्या उनसे कम रही। वहीं, दर्जनाधिक घायलों में भी लगभग 14 महिलाएं समेत कुल 25 लोग शामिल हैं। ये महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हमारी संवेदनाशून्य व्यवस्था की विफलता के नमूने मात्र हैं। ऐसी घटनाओं पर आखिर कौन, कैसे और कबतक काबू पाएगा, यह यक्ष प्रश्न ब्रेक के बाद पुनः समुपस्थित है। ऐसा इसलिए कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में भगदड़ के कई मामले सामने आए हैं। वहीं, इस बार तो महज एक महीने के अंदर ही भगदड़ के दो-दो मामले सामने आ चुके हैं, जो कि प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। सवाल है कि जब महाकुंभ की तैयारियों को लेकर उत्तरप्रदेश प्रशासन लगातार डींगें हांक रहा था और केंद्र सरकार अपनी पीठ थपथपा रही थी, तब ऐसी हृदयविदारक घटनाओं का घटित होना उसकी तमाम व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लगा जाता है। सवाल यह भी है कि तमाम सकारात्मक राजनीतिक इच्छाशक्ति के बावजूद इतनी बड़ी प्रशासनिक चुकें कैसे हो गईं। हैरत की बात तो यह है कि प्रारम्भिक तौर पर मीडिया माध्यमों में रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी ऐसी किसी घटना व हताहतों के बारे में इंकार कर रहे थे, लेकिन सच्चाई अंत में उन्हें भी बयां करनी ही पड़ी। इससे समझा जा सकता है कि उनका सूचना तंत्र कितना विफल या फिर लोकहित विरोधी है। भले ही इन घटनाओं पर बड़े नेतागण और अधिकारियों के द्वारा खेद प्रकट किया गया हो, जिनके पास वैध टिकट होंगे, उन्हें रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल से मुआवजे भी मिल जाएंगे। लेकिन इससे उन परिवारों की व्यथा कम नहीं हो जाती, जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है या फिर जिनके परिजन अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।बताया गया है कि सभी लोग नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए खड़े हुए थे। तभी ट्रेन सम्बन्धी उद्घोषणा के बाद प्लेटफार्म पर अफरातफरी और भगदड़ मच गई। ऐसे में सवाल है कि देश की राजधानी नई दिल्ली जैसे मुख्य रेलवे स्टेशन पर रेल प्रशासन ने समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की थी। अब भले ही इसकी जांच होगी, पर परिणाम ढाक के तीन पात जैसे ही होंगे !ज़ाहिर है कि भीड़ और भगदड़ में अन्योन्याश्रय का सम्बन्ध है। लेकिन इनके नियंत्रण के समुचित उपाय कब तक दिखेंगे, किनके नेतृत्व में सब होगा, कुछ पता नहीं। तब तक ब्रेक के बाद होने वाले हादसों पर सवाल उठाते रहिए, चुनाव दर चुनाव राजनीतिक नेतृत्व बदलते रहिए, लेकिन ये अधिकारी हैं, जिनका सिर्फ तबादला होगा। क्योंकि उनकी जानलेवा लापरवाहियों के बावजूद उन्हें जिम्मेदार ठहराने के कानूनी प्रबंध नदारत हैं।बता दें कि गत 29 जनवरी 2025 को प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में मौनी अमावस्या से ठीक पहले भी एक दुःखद भगदड़ मची थी, जहां लगभग 30 लोगों की मौत हो गई थी और तकरीबन 60 लोग घायल हो गए थे।

दरअसल, महाकुंभ मेले में ये हादसा 29 जनवरी के तड़के हुआ था, जब सभी लोग संगम नोज की तरफ नहाने के लिए जा रहे थे। तब यहां भी लाखों लोगों की भीड़ बेकाबू हो चुकी थी। जिसके बाद आनन-फानन में वीवीआईपी व्यवस्था बदल दी गई और अखाड़ों ने भी मौनी अमावस्या के लिए अपने पारंपरिक %अमृत स्नान% को रद्द कर दिया और दोपहर बाद %अमृत स्नान% किया। इससे भी धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी सवाल उठे थे। यहां भी एक न्यायिक जांच आयोग का गठन करके प्रशासनिक खाना पूर्ति कर दी गई है। इसलिए भीड़ नियंत्रण सम्बन्धी विफलताओं पर जनसामान्य की चिंता ज्यादा बढ़ गई है।वहीं, गत 8 जनवरी, 2025 को आंध्र प्रदेश के तिरुपति में मची भगदड़ में कम से कम 6 भक्तों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए थे, क्योंकि सैकड़ों लोग तिरुमाला पहाड़ियों पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। बताया गया था कि तब 10 जनवरी से शुरू होने वाले 10 दिवसीय वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए देश भर से सैकड़ों भक्त यहां आए थे।यदि आप पिछले कुछ वर्षों में भारत में हुई प्रमुख भगदड़ की घटनाओं की सूची खंगालेंगे तो पता चलेगा कि साल-दो साल बाद ऐसी घटनाओं की एक लंबी फेहरिस्त है। यदि पिछले दो दशकों की प्रमुख भगदड़ सम्बन्धी घटनाओं पर गौर करें तो 27 अगस्त, 2003 को महाराष्ट्र के नासिक में कुंभ मेले में भगदड़ के दौरान जहां 39 लोगों की मौत हो गई थी वहीं, 140 अन्य घायल हो गए थे। इसी प्रकार 25 जनवरी, 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के वाई शहर स्थित मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ के दौरान 300 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 अन्य लोग घायल हो गए थे।ये भगदड़ मंदिर तक जाने वाली सीढ़ियों में फिसलन भरी होने के कारण मची थी।

वहीं, 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में नैना देवी मंदिर में भगदड़ के दौरान 162 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि सैकड़ों की संख्या में लोग घायल हुए थे। तब यहां पहाड़ी की चोटी पर स्थित नैना देवी मंदिर में भूस्खलन की अफवाह के कारण मची भगदड़ मच गई थी। वहीं, 30 सितंबर, 2008 को राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में नवरात्रि के दौरान भगदड़ मचने पर 250 लोगों की मौत कुचले जाने से हो गई थी। क्योंकि इस दौरान भारी संख्या में तीर्थयात्री इकट्ठा हुए थे।

वहीं, 4 मार्च, 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में 63 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें अधिकतर बच्चे शामिल थे। इस मंदिर में मुफ्त भोजन और कपड़े के लिए हुई भारी भीड़ के कारण भगदड़ हुई थी। इसके अलावा, 15 जनवरी, 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में एक जीप के घर जा रहे तीर्थयात्रियों से टकरा जाने के कारण मची भगदड़ में कम से कम 104 सबरीमाला भक्त स्वर्गलोक सिधार गए थे, जबकि 40 से अधिक घायल हो गए थे। इसके अलावा, 8 नवंबर, 2011 को उत्तराखंड के हरिद्वार में गंगा घाट स्थित हर-की-पौड़ी में 20 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 19 नवंबर, 2012 को पटना के अदालत घाट पर एक अस्थायी पुल पर भीड़ के चढ़ जाने से उसके ढह जाने से 20 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, फरवरी 2013 को उत्तर प्रदेश में कुंभ मेले के सबसे व्यस्त दिन प्रयागराज रेलवे स्टेशन में भगदड़ हो गई थी। इस हादसे में कम से कम 36 हिंदू तीर्थयात्रियों की जान चली गई थी। मृतकों में 27 महिलाएं थीं, जिनमें एक आठ साल की बच्ची भी शामिल थी। वहीं, 13 अक्टूबर, 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास मची भगदड़ में 115 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। तब यहां मंदिर में देवी दुर्गा की नौ दिवसीय पूजा-अर्चना के लिए 1,50,000 से अधिक लोग एकत्रित हुए थे। वहीं, 3 अक्टूबर, 2014 को पटना के गांधी मैदान में 30 लोगों की मौत हो गई थी तथा 26 अन्य लोग घायल हो गए थे। इसी प्रकार, 14 जनवरी, 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में गोदावरी नदी के तट पर मची भगदड़ में 26 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 1 जनवरी, 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत ऐसी ही एक जानलेवा भगदड़ में हो गई थी। वहीं, 31 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में रामनवमी समारोह के दौरान मची एक भगदड़ में लगभग 36 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 2 जुलाई, 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक धार्मिक समागम में मची भगदड़ में कम से कम 121 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 28 अन्य लोग घायल हो गए थे। पीड़ित हजारों लोगों की भीड़ का हिस्सा थे जो धार्मिक उपदेशक भोले बाबा के %सत्संग% के लिए सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव के पास एकत्र हुए थे। ऐसे में उठता है कि आखिर में भगदड़ क्या है? तो जवाब होगा कि कहीं पर भी अचानक भीड़ के बढ़ने के बाद किसी वजह से मची अफरातफरी से भगदड़ होती है। इस दौरान लोगों का एक बड़ा ताकतवर समूह अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर कमजोर लोग कुचल जाते हैं, कुछ का दम घुट जाता है और मृत्यु हो जाती है। यह घबराहट या उत्तेजना से प्रेरित होती है। यह अफवाहों, भय, सीमित स्थान या अचानक आंदोलनों के कारण उत्पन्न हो सकता है, जिससे भीड़ का व्यवहार अव्यवस्थित हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में 79त्न भगदड़ें धार्मिक आयोजनों के दौरान ही हुई हैं।

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यही सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थो को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५० लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थी और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपटटा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती है।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

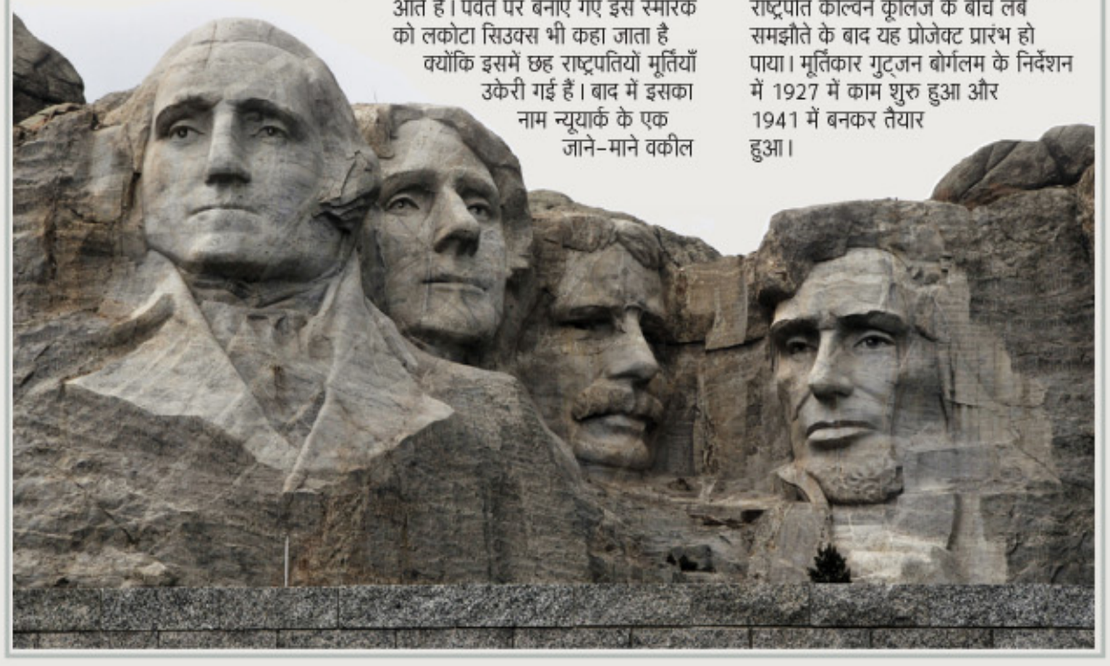

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चीटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चीटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं: सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चीटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चीटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोली, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अर्निका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अर्निका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग हेल्थ प्लस

प्रेग्नेंसी के दौरान सेहत व खानपान के लिए डॉक्टर की सलाह जितनी जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण है प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग। इसलिए अगर आप अपना परिवार बढ़ाने के बारे में सोच रही हैं, तो डॉक्टर से इसके बारे में कंसल्ट जरूर करें...

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले पति-पत्नी दोनों स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलकर इस संबंध में सारी बातें जान लें। जब आप अपना परिवार बढ़ाने की प्लानिंग करें, तब कम से कम तीन महीने पहले से आपको इसके लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

खानपान

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि गर्भधारण से पहले अपने खानपान की ओर खास ध्यान दें। रोजाना के भोजन में कैल्शियम, आयरन और प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएं। हरी पत्तेदार सब्जियों, फलों व मिल्क प्रॉडक्ट्स का सेवन बढ़ाएं। अगर डायबिटीज या हाई ब्लड प्रैशर की फैमिली हिस्ट्री हो, तो डाइट में मीठे व नमक का सेवन कम कर दें। फ्राइड, स्पाइसी और फास्ट फूड से कुछ समय के लिए दूरी बना लें।

सप्लीमेंट्स

कंसीव करने के कम से कम तीन महीने पहले से डॉक्टर की सलाह के अनुसार फॉलिक एसिड का सेवन शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि सबसे पहले बच्चे के मस्तिष्क और उसकी रीढ की हड्डी का निर्माण शुरू होता है और इसे बनाने में फॉलिक एसिड की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसकी कमी से बच्चे को नर्वस सिस्टम से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

ज्यादातर स्त्रियों को एनीमिया की समस्या होती है। हीमॉग्लोबिन की कमी के कारण मां की जान को खतरा हो सकता है, अबॉर्शन हो सकता है, बच्चे में जन्मजात नुकस हो सकते हैं और बच्चे का विकास भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए यदि आप एनीमिक हैं, तो डॉक्टर की सलाह से आयरन सप्लीमेंट व विटामिन बी 12 अवश्य लें।

वैक्सीनेशन

अगर किसी स्त्री को रूबेला का वैक्सीन नहीं लगा हो, तो कंसीव करने से पहले उसे यह टीका लगवा लेना चाहिए। सर्विक्स और हैपेटाइटिस की वैक्सीन भी यदि न लगी हो, तो वो भी लगवा लें। लेकिन ये वैक्सीन लगवाने के बाद कम से कम तीन महीने तक प्रेग्नेंसी के लिए कोशिश नहीं करनी चाहिए।

जनरल टैस्ट

एचआईवी: पति-पत्नी दोनों के लिए एचआईवी टैस्ट करवाना जरूरी है, क्योंकि अगर मां एचआईवी पॉजीटिव हो, तो बच्चे को भी इसका खतरा रहता है।

ब्लड ग्रुप: पति-पत्नी दोनों के ब्लड ग्रुप्स की जांच होनी चाहिए। यदि स्त्री का ब्लड ग्रुप नैगेटिव हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान खास एहतियात बरतना पड़ता है।

हैपेटाइटिस बी: पति-पत्नी दोनों को हैपेटाइटिस बी की जांच करवानी चाहिए और इसके टीके भी जरूर लगवा लेने चाहिए।

डायबिटीज: स्त्री के लिए डायबिटीज की जांच बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर मां को यह समस्या हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान मां व बच्चे दोनों को कई तरह की सेहत संबंधी दिक्कतें पेश आ सकती हैं।

हाई ब्लड प्रैशर: हाई ब्लड प्रैशर के कारण बच्चे की ग्रोथ पर असर पड़ता है व मिसकैरेज का खतरा बढ़ जाता है। यदि आपका वजन अधिक है या हाई ब्लड प्रैशर की फैमिली हिस्ट्री है, तो पहले वजन कम करें।

हाइपोथाइरॉइड: हाइपोथाइरॉइड के कारण कंसीव करने में परेशानी हो सकती है, बच्चे की ग्रोथ व ब्रेन की डिवैलपमेंट पर असर पड़ सकता है और मिसकैरेज की संभावना भी बनी रहती है।

सिफलिस: कंसीव करने से पहले स्त्री के लिए सिफलिस की जांच जरूरी है, क्योंकि इससे डिलिवरी के समय कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं।

आनुवांशिक बीमारियों की जांच

अगर आपके या पति के परिवार में किसी खास बीमारी की फैमिली हिस्ट्री रही हो, तो उसके बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं। गर्भधारण से पहले पति-पत्नी दोनों को थैलेसीमिया की जांच जरूर करवानी चाहिए। यह आनुवांशिक बीमारी है। अगर पति-पत्नी दोनों को माइनर थैलेसीमिया हो, तो बच्चे को मेजर थैलेसीमिया होने का खतरा होता है, जोकि एक गंभीर बीमारी है। इसमें रोगी को हर तीन महीने के अंतराल पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत होती है।

वजन करें नॉर्मल

मां बनने की कोशिश करने से पहले हर स्त्री को अपने वजन पर ध्यान देना चाहिए। ओवरवेट या अत्यधिक दुबलेपन के कारण गर्भधारण में भी मुश्किलें आ सकती हैं। अगर स्त्री का वजन बहुत ज्यादा हो, तो प्रीमेच्योर डिलिवरी की आशंका बनी रहती है, जबकि कम वजन के कारण प्रेग्नेंसी के दौरान कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

लाइफ स्टाइल

पति-पत्नी दोनों ही एल्कोहल और सिगरेट से दूर रहें। इनके सेवन से पुरुषों में स्पर्म काउंट कम हो जाता है। इससे शारीरिक व मानसिक रूप से विकृत शिशु के जन्म या मिसकैरेज की आशंका रहती है।

...अगर ले रही हों कंट्रासैप्टिव

गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन के दौरान रोजाना एक गोली फॉलिक एसिड की जरूर लेनी चाहिए। जब कंसीव करने की इच्छा हो, तो गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन बंद कर देना चाहिए, पर फॉलिक एसिड की गोली लेते रहें।

मत छिपाएं कोई बात

बच्चे की प्लानिंग करते समय यदि किसी भी हैल्थ प्रॉब्लम के लिए आप कोई मैडिसिन ले रही हैं, तो डॉक्टर को इसके बारे में जरूर बताएं। ये बच्चे की डिवैलपमेंट पर बुरा असर डाल सकती हैं। मैडिसिन का कोर्स पूरा होने के बाद ही कंसीव करने की प्लानिंग करें। अगर आप दोनों के परिवारों में से किसी को डाउन सिंड्रोम, डिप्रैशन या मनोवैज्ञानिक समस्या हो, तो डॉक्टर को जरूर बताएं। इनके कारण जन्म से पहले व बाद में भी शिशु और मां दोनों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

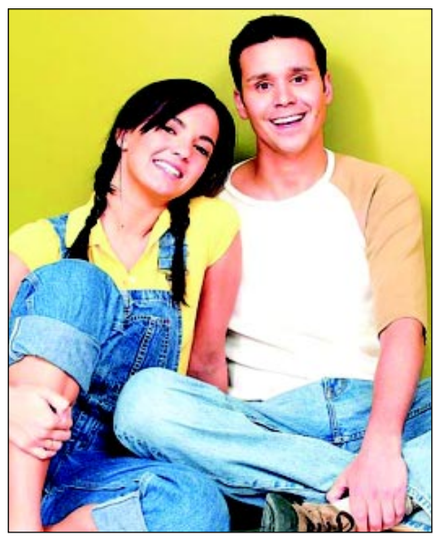

शादी बढ़ाती है कैंसर से लड़ने की क्षमता

संभवत: विवाह टूटने का तनाव कैंसर से लड़ने की क्षमता कम करता है। एक नए शोध के अनुसार विवाहित लोगों में कैंसर का सामना करने की संभावना अधिक होती है, जबकि ऐसे लोगों के लिए कैंसर से बचना मुश्किल हो सकता है, जिनकी शादी टूटने की स्थिति में है। अमेरिका की इंडियाना यूनिवर्सिटी ने 1973 से 2004 के बीच 38 लाख कैंसर रोगियों के आंकड़ों का अध्ययन करने के बाद ये निष्कर्ष निकाला है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि शादीशुदा कैंसर रोगियों की रोग होने के बाद पांच साल तक जीवित रह पाने की संभावना 63 फीसदी होती है। लेकिन इसकी तुलना में ऐसे विवाहित लोगों के कैंसर से पांच साल तक लड़ पाने की संभावना 45 फीसदी होती है जिनकी शादी टूटने के कगार पर है।

विज्ञान जर्नल कैंसर में प्रकाशित होनेवाली शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि संभवत: शादी टूटने के तनाव के कारण रोगियों की कैंसर से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

इसके पहले भी शादी और सेहत को लेकर कई अध्ययन किए गए हैं। इनमें कई स्टडीज में पाया गया है कि जीवनसाथी का प्यार और साथ रोग से लड़ने के लिए बहुत जरूरी होता है।

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान विवाहित, अविवाहित, विधवा-विधुर, तलाकशुदा और शादी टूटने की स्थिति वाले कैंसर रोगियों के बारे में स्टडी की और यह पता लगाने की कोशिश कि इनमें से कितने लोग कैंसर के बाद पांच से 10 साल तक जीवित रहे। उन्होंने पाया कि विवाहित व अविवाहित रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की संभावना सबसे अधिक रही। उनके बाद तलाकशुदा व विधवा-विधुर रोगियों का स्थान आता है।

इस शोध की मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर ग्वेन स्प्रेन ने कहा कि इस अध्ययन से यह पता चलता है कि कैंसर रोगियों में ऐसे लोगों पर सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए जिनकी शादी टूटने वाली है। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस दिशा में और अध्ययन किए जाने की जरूरत है। शादी टूटने की स्थिति वाले रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की क्षमता कम होने के और भी कई कारण हो सकते हैं।

जब बात हो डिनर की

भागदौड़ भरी जिंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुजारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए खराब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है।

खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दम्पति नाश्ता तो जल्दबाजी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे बिकने वाला खाना खाने से बचें।

डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हैल्दी जिंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर जरूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशस फूड आइट्म्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैंस हुए मसल्स को रिलैक्स होने में मदद करती है।
- डिनर हमेशा लाइट लें, हैवी डिनर आपको ड्राउजी बना देता है और आपको कम्फर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज्जा और बचेखुचे खाने आदि से परहेज करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को खराब करते हैं।
- तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बर्न व इन्डाइजैशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेक्ड और उबला हुआ खाना खाएं।
- चीनी युक्त चीजों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 1992

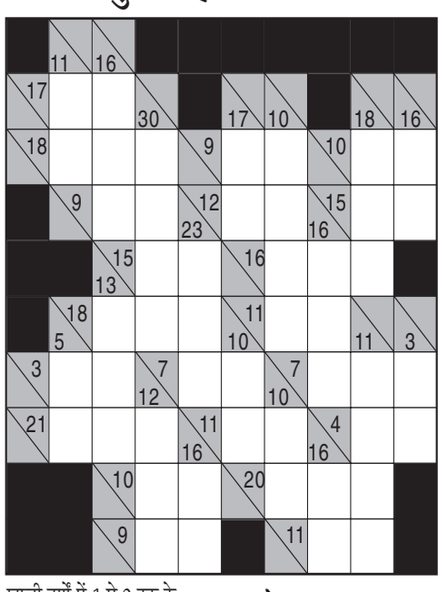

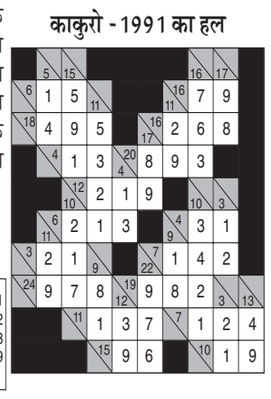

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1991 का हल

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा- 'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी- 'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा- 'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

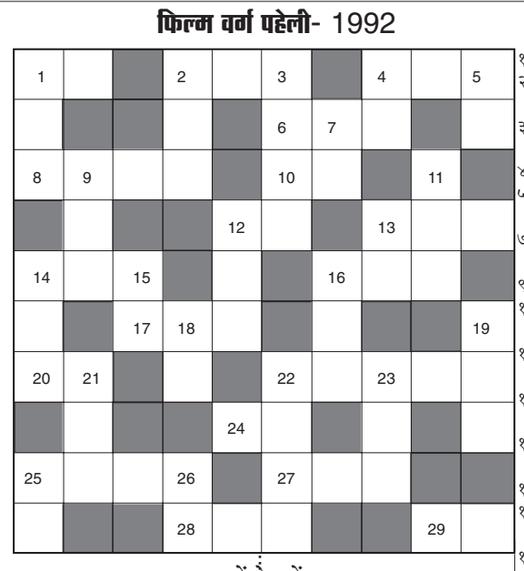

उस दिन परेड में वह चिल्लाया- 'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी- 'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा- 'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1992

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1991

सूडोकु -1992

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1991 का हल

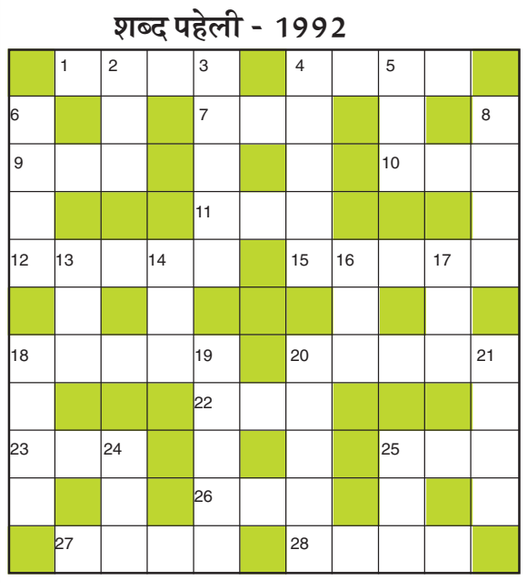

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 1992

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -1991 का हल

गृहमंत्री अमित शाह की पत्नी सोनल शाह ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

एजेंसी

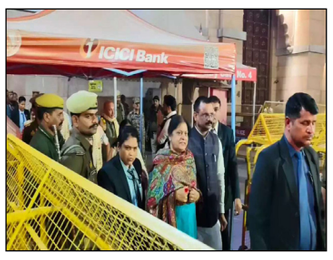

वाराणसी। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की पत्नी सोनल शाह ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हाजिरी लगाई। बाबा के दरबार में गृहमंत्री की पत्नी ने विधि विधान से दर्शन पूजन किया। गृह मंत्रालय के सुरक्षा अधिकारियों और वाराणसी महापौर अशोक तिवारी के साथ मंदिर पहुंचीं सोनल शाह का मंदिर न्यास के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। मंदिर में आने-जाने के दौरान गृहमंत्री के पत्नी की सुरक्षा में पुलिस अफसर भी मुस्तैद रहे। बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग के दर्शन पूजन के बाद गृहमंत्री की पत्नी प्रफुल्लित दिखी।

छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण का मतदान खत्म

रायपुर। छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है। निर्वाचन कार्यालय से मिली प्रारंभिक जानकारी में 53 ब्लॉकों की ग्राम पंचायतों में लगभग 50 प्रतिशत मतदान हुआ है। पंचायत चुनाव में 53 ब्लाकों के प्रथम चरण के चुनाव में पंच पद के लिए 60 हजार 203 प्रत्याशी, सरपंच पद के लिए 14 हजार 646, जनपद पंचायत सदस्य के लिए 4587 तथा जिला पंचायत सदस्य के लिए 702 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला होना है। उल्लेखनीय है कि मुख्यममंत्री विष्णु देव साय के समधी समेत छह पूर्व मंत्रियों के रिश्तेदार इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। 20 फरवरी को दूसरे चरण में 43 और 23 फरवरी को तीसरे चरण में 50 ब्लॉक की ग्राम पंचायतों के लिए मतदान होगा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से हो रहा है, जिसमें सरपंच के लिए नीला, पंच के लिए सफेद, जनपद सदस्य के लिए पीला और जिला पंचायत सदस्य के लिए गुलाबी मतपत्र हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में जनता ने विकास का मार्ग चुना है और हिंसा को बाहर का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन राज्य और केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, सतत विकास कार्यों और सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था का परिणाम है। यह केवल एक चुनाव नहीं, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोकतंत्र के प्रति बढ़ते विश्वास और भयमुक्त समाज की दिशा में बढ़ते कदमों का प्रमाण है।

वन्य जीव पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा है मध्य प्रदेशः मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश वन्य जीव पर्यटन का एक वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मुरैना क्षेत्र में पर्यटन को विकसित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। चम्बल अभ्यारण्य हमारे देश की प्राकृतिक संपदा है। यहां दुर्लभ प्रकार की प्रजातियों का संरक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व का दर्जा दिलाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हम मध्य प्रदेश के वनों में सभी प्रकार के वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सक्षम हैं और इस दिशा में हमारे प्रयास जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुरैना स्थित देवरी घड़ियाल केंद्र से चंबल नदी में 10 घड़ियालों (नौ मादा और एक नर) को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ने के पश्चात मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ बोट पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, सांसद वीडी शर्मा सहित वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते हुए जलवायु के दुष्परिणामों के कारण इन प्रजातियों को नुकसान पहुंच रहा है। मध्य प्रदेश हमेशा से जैव विविधता के लिये महत्वपूर्ण प्रजातियों के संवर्धन एवं संरक्षण के लिये तत्पर रहा है। उन्होंने मध्य प्रदेश में वन पर्यटन की अनंत संभावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि चंबल क्षेत्र सहित संपूर्ण प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को बढ़ावा मिले, इसके लिए सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य कर रही है। चंबल अभयारण्य में सिर्फ घड़ियाल ही नहीं, डॉल्फिन के भी पुनर्वास की प्रबल संभावना है। वन विभाग के माध्यम से इस दिशा में भी काम जारी है।

फायर अफसरों की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टला, कोई जनहानि नहीं

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ 2025 में श्री कपि मानस मंडल और उपभोक्ता संरक्षण समिति के शिविरों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। फायर सर्विस यूनिट की त्वरित कार्रवाई से आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि दोनों घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि महाकुम्भ 2025 के दौरान सुरक्षा और अग्निशमन के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिसकी मदद से आग की घटनाओं पर तत्काल प्रतिक्रिया और नियंत्रण संभव हो रहा है। महाकुम्भ के नोडल और मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि सुबह श्री कपि मानस मंडल शिविर के दो टेंट में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन यूनिट ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि श्री कपि मानस मंडल की आग बुझाने के दौरान फायर यूनिट ने देखा कि सेक्टर 8 में धुआं उठ रहा है। तुरंत मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि उपभोक्ता संरक्षण समिति शिविर में भी आग लगी थी।

प्रधानमंत्री मोदी 23 फरवरी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 26 फरवरी को आएंगी बागेश्वर धाम

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में खजुराहो के पास बागेश्वर धाम में होने वाले भव्य कार्यक्रमों की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 फरवरी को बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखेंगे। वहीं, 26 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 251 जोड़ों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होंगी। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था और प्रोटोकॉल की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार देर शाम खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंसन सेंटर में बागेश्वर धाम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संभावित आगमन के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कार्यक्रम पूर्ण गरिमामय होना चाहिए इसमें किसी भी प्रकार की कोई कोर कसर नहीं रखी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुंदेलखंड को फीनिक्स के पक्षी की तरह राख से निकलकर जीवित होने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यहां के वीर योद्धाओं को उनकी वीरता और अद्वितीय पराक्रम के लिये सदैव याद किया जाएगा। बुंदेलखंड के गौरवशाली व्यक्तित्व जैसे आल्हा उदल, महाराजा छत्रसाल जैसे लोगों से बुंदेलखंड गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि यहां पर पहली नदी जोड़ो परियोजना, पहला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा एवं पहला फाइव स्टार होटल इसी बुंदेलखंड की धरती पर स्थापित हुआ। प्रधानमंत्री

मोदी स्वयं कैंसर हॉस्पिटल के भूमि पूजन हेतु पधार रहे हैं। यह एक ऐतिहासिक पल होगा।

इस अवसर पर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यह पहला मौका होगा, जहां मंदिर में अस्पताल होगा। उन्होंने सभी का धन्यवाद दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद शर्मा ने कहा कि बुंदेलखंड हरा भरा और समृद्ध शाली बनें। उन्होंने मुख्यमंत्री के त्वरित गवर्नेंस की प्रशंसा करते हुए कहा कि बुन्देलखण्ड पर तो राजनैतिक पर्यटन तो बहुत लोगों ने किया। बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने की परिसंवाद करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव आगे आए और उनका सहयोग रहा। इससे आज के समय में यह परिसंवाद बुंदेलखंड के लिए प्रसंगिग है। इससे बुंदेलखंड की तस्वीर बदलेगी।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, विधायकगण ललिता यादव, राजेश शुक्ला, अरविंद पटेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, पूर्व विधायक उमेश शुक्ला व प्रद्युम्न सिंह लोधी सहित अन्य जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिले की जल सहेलियों ने की भेंट

जिले की जल सहेलियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट करते हुए उनके द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री द्वारा उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई।

अरबी भाषा को भी एनआईओएस की तैयार विषय-सूची में शामिल किया जाना चाहिए : मरकज़ी तालीमी बोर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। मरकज़ी तालीमी बोर्ड के सचिव सैयद तनवीर अहमद ने एनआईओएस को एक पत्र लिखकर उसके द्वारा तैयार विषयों की सूची में अरबी भाषा को भी शामिल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि अरबी भाषा को एनआईओएस द्वारा तैयार की गई विषय सूची में शामिल किया जाता है तो मदरसों में पढ़ने वाले बड़ी संख्या में छात्रों को इसका लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। केंद्रीय शिक्षा नीति, एनईपी 2020, विदेशी भाषाओं को सीखने पर जोर देती है और छात्रों को उन्हें सीखने के लिए प्रोत्साहित करती है। ऐसे में, अरबी भाषा को शामिल करने से छात्रों में इस भाषा सीखने में रुचि जागृत होगी और विदेशी भाषा सीखने के लिए प्रेरणा मिलेगा।

सैयद तनवीर अहमद ने एनआईओएस को सलाह दी कि जो छात्र उर्दू माध्यम से मैट्रिक और 12 वीं में परीक्षा देना चाहते हैं, उन्हें गैर-उर्दू केंद्र में प्रवेश दिया जाना चाहिए। वर्तमान में एनआईओएस उर्दू छात्रों को केवल उन्हीं स्थानों पर प्रवेश लेने की अनुमति देता है, जहां उर्दू केंद्र स्थापित हैं, जबकि अधिकांश शहरों में उर्दू केंद्र उपलब्ध नहीं हैं। इसके कारण छात्र परीक्षा में बैठने से वंचित रह जाते हैं, जो उनके अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि उर्दू छात्र एनआईओएस उर्दू केंद्र में अध्ययन किए बिना भी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं क्योंकि देश में कई संगठन और शैक्षणिक संस्थान इन छात्रों को ऑनलाइन कोचिंग प्रदान करते हैं जिससे लाभ उठाकर वह परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं। इसलिए हम मांग करते हैं कि एनआईओएस सभी उर्दू माध्यम के छात्रों को प्रवेश दे तथा कांटेक्ट क्लास की आवश्यकता को हटा दे। यदि एनआईओएस द्वारा यह अनुरोध स्वीकार कर लिया जाता है तो उर्दू छात्रों को आगे की शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे।

काशी तमिल संगमम में आए तीसरे दल ने बाबा विश्वनाथ का किया दर्शन,अन्न क्षेत्र में भोजन

एजेंसी

वाराणसी । काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण में भाग लेने आए तमिलनाडु के तीसरे दल ने सोमवार शाम को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हाजिरी लगाई। मंदिर में दर्शन पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने धाम में स्थित बाबा के अन्नक्षेत्र में भोजन प्रसाद रूप में ग्रहण किया। दर्शन पूजन के बाद बाबा का प्रसाद पाने पर मेहमान गदगद दिखे। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने अतिथियों को धाम में उपलब्ध सुविधाओं की खुद जानकारी दी। इसके पहले मंदिर न्यास की ओर से धाम के गंगा द्वार पर पुष्प वर्षा और डमरूओं के नाद के बीच मेहमानों का भव्य स्वागत किया गया। अतिथियों ने हर– हर महादेव के उद्घोष के साथ श्री विश्वनाथ धाम में प्रवेश किया। मंदिर के सीईओ विश्व भूषण ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। और अतिथियों के सुगम दर्शन की व्यवस्था कराई।

सीईओ ने अतिथियों को अन्न क्षेत्र में ले जाकर बैठाकर भोजन प्रसाद ग्रहण कराया। श्री काशी विश्वनाथ धाम में स्वागत से अतिथि अभिभूत दिखे। अतिथियों ने कहा कि श्री काशी विश्वनाथ महादेव का दर्शन सौभाग्य से प्राप्त होता है। बाबा का दर्शन करने से परम सुख की अनुभूति हुई।

काशी और तमिलनाडु के बीच का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हजारों वर्षों पुराना : गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

वाराणसी। केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि काशी और तमिलनाडु के बीच का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हजारों वर्षों पुराना है। यह संबंध भारतीय सभ्यता की एकता और विविधता का प्रतीक है। तमिल भाषा दुनिया की प्राचीनतम भाषाओं में से एक है, और तमिल संस्कृति अपने समृद्ध साहित्य, संगीत, नृत्य, लोककलाओं और स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है। केन्द्रीय मंत्री काशी तमिल संगमम 3 के तीसरे संस्करण के तीसरी निशा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शरीक होने के साथ मेहमानों को सम्बोधित कर रहे थे। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (प्रयागराज) एवं दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (तंजावुर) के संयुक्त तत्वावधान में नमोघाट के मुक्ताकाशीय मंच पर आयोजित सांस्कृतिक निशा में केन्द्रीय मंत्री ने कलाकारों की प्रस्तुति भी देखी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि काशी-तमिल संगमम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की

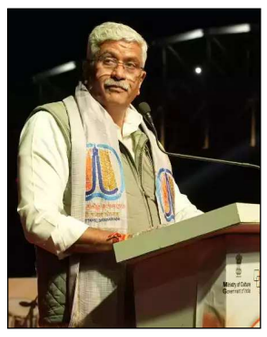

परिकल्पना को साकार करने वाला ऐतिहासिक सांस्कृतिक आयोजन है। प्रधानमंत्री मोदी ने काशी-तमिल संगम जैसे आयोजन के माध्यम से उत्तर और दक्षिण भारत की आत्मीयता को पुनर्जीवित करने का कार्य किया है। काशी भारत की आध्यात्मिक राजधानी है, तो तमिलनाडु भारतीय संस्कृति का गौरव है। दोनों की संस्कृति में श्रद्धा, भक्ति और कला की एक समान धारा प्रवाहित होती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है, बल्कि भारतीय समाज की अखंडता और एकता की भावना को भी मजबूत करता है। संगमम की तीसरे निशा में तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की विविध प्रस्तुतियां हुईं। इसमें भरतनाट्यम की प्रस्तुति माला होम्बल और उनकी टीम ने दी। जिसमें भाव, राग और ताल के माध्यम से देवी-देवताओं की स्तुति, भक्ति और मानव जीवन के विभिन्न भावों को सजीव किया गया। इसके बाद पी. अन्नादुरई और उनकी टीम ने तमिलनाडु की पारंपरिक लोकनाट्य शैली ठेरुकूट्टू का प्रदर्शन किया। मुखौटे, रंगीन वेशभूषा और कथा-वाचन के साथ प्रस्तुत इस नाट्य कला ने पौराणिक कथाओं को मंच पर जीवंत कर दिया। इसके बाद के. अशोक कुमार और उनकी टीम ने पेरियामेलम, दमुकु एवं सत्तीमेलम की वाद्य प्रस्तुति दी, जिसमें ढोल, नगाड़े और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज ने दक्षिण भारत के ग्राम्य उत्सवों और मंदिरों की भव्यता का अनुभव कराया। मदुरै से आए सेंतिल वेलुकुमार और उनके दल ने तमिल महाकाव्य कम्ब रामायण के अंशों की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में भगवान राम की मर्यादा पुरुषोत्तम छवि और रावण के साथ युद्ध प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। इसके बाद कट्टईकल, करगम, थप्पत्तम और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं। करगम नृत्य में सिर पर कलश रखकर संतुलन साधते हुए नर्तक-नर्तकियों ने अपनी अद्भुत कला का परिचय दिया, जबकि थप्पत्तम नृत्य में लोकसंगीत और ताल की थाप के साथ तमिल जनजीवन की झलक प्रस्तुत की गई।

महाकुम्भ : कचरा बीनने वालों को भी मिलेगा 'नमस्ते योजना' का लाभ

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय केंद्रीय राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा ने सपरिवार संगम में पवित्र स्नान किया।

उन्होंने नागवासुकि सेक्टर-7 कैलाशपुरी मार्ग, (पश्चिमी पटरी) महाकुंभ नगर में स्थापित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के शिविर में आयोजित पीपीई किट वितरण एवं सुगमता कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं और सफाई कर्मियों से बातचीत की और सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम है, जहां करोड़ों लोग संगम में स्नान करने आते हैं। इतनी विशाल जनसंख्या के बीच सफाई और

स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रबंधन एक चुनौती है, जिसे सरकार योजनाबद्ध तरीके से पूरा कर रही है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अब कोई भी सफाई कर्मी जोखिम भरे कार्य के लिए मजबूर न हो। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 से सरकार ने कचरा बीनने वालों को भी 'नमस्ते योजना' के अंतर्गत लाभान्वित करने का निर्णय लिया है। इससे उन्हें कानूनी संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ और सुरक्षित आजीविका प्राप्त होगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे कचरा पृथक्करण को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और स्वच्छता अभियान में अपना योगदान दें। उन्होंने बताया कि सरकार अब तक 65,060 सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों की प्रोफाइलिंग कर चुकी है, 32,734 श्रमिकों को पीपीई किट वितरित की जा चुकी हैं, 86 आपातकालीन प्रतिक्रिया इकाइयों को सुरक्षा उपकरण प्रदान किए गए हैं और 15,153 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड दिए गए हैं।

मप्र के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए पांच दिवसीय दौरे पर आया जर्मन प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

भोपाल। जर्मन ट्रैवल एसोसिएशन (डीआरवी) का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इन दिनों मध्य प्रदेश के प्रवास पर है। इस जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के पर्यटन बाजार में विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए संस्कृति और पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव एवं टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शेव शेखर शुक्ला से भोपाल स्थित एमपी टूरिज्म बोर्ड के कार्यालय में सौजन्य भेंट कीद्य प्रतिनिधिमंडल पांच दिवसीय फेमिलियराइजेशन (एफएएम) टूर के तहत राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों और अनुभवों का अनुभव करने आया है। प्रमुख सचिव शुक्ला ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल का यह टूर जर्मनी ट्रैवल एसोसिएशन के साथ प्रदेश के ट्रैवल और टूर ऑपरेटर्स के समन्वय को बढ़ाएगा। जर्मनी से आने

वाले पर्यटकों की रुचि अनुरूप प्रदेश के ट्रैवल और टूर ऑपरेटर ट्रैवल प्लान बनाएंगे। प्रतिनिधिमंडल के सहयोग से जर्मनी से कल्चरल और शैक्षणिक टूर के माध्यम से पर्यटकों को मध्य प्रदेश आमंत्रित किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जर्मन ट्रैवल एसोसिएशन (डीआरवी) के अध्यक्ष नॉर्बर्ट फिबिग और राजनीतिक मामलों एवं आउटबाउंड ट्रैवल प्रमुख वोल्कर एडम्स कर रहे है। अन्य सदस्यों में अर्न्स्ट कोल्सपेरगर (स्टूडियोसस रेज़ेन), फेलिक्स विल्के (लर्नईडे एलेंबनिसरेज़ेन) और सोंगुल गोक्टास-रोसाती (बेंटूर रेज़ेन) है। प्रतिनिधिमंडल को विश्व धरोहर स्थल भीमबेटका, साँची, खजुराहो, ट्राइबल म्यूजियम, ओरछा, तथा पन्ना राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण कराया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल को मध्य प्रदेश के गंतव्य स्थलों, सतत पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत, साहसिक और आध्यात्मिक पर्यटन पर प्रेजेंटेशन दिया गया।

किसान हित को सदैव सर्वोपरि रखें अधिकारीः शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि मंत्रालय के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। चौहान ने अधिकारियों से कहा कि किसानों के हितों को सदैव सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्होंने बुआई के दौरान खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता को लेकर भी निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि गेहूं की बुआई इस रबी सीजन में 324.88 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई है, जबकि पिछले वर्ष यह 318.33 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में थी। धान की बुआई 42.54 लाख हेक्टेयर में हुई है, जो कि गत वर्ष 40.59 लाख हेक्टेयर में थी। दलहन का रबी सीजन का बुआई क्षेत्र इस वर्ष 140.89 लाख हेक्टेयर रहा, जबकि गत वर्ष यह 137.80 लाख हेक्टेयर में था।

तिलहन की फसलों की बुआई इस वर्ष 97.47 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई, जो गत वर्ष 99.23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र था, कमी वाला यह क्षेत्र अन्य फसलों- गेहूं व चना में डायवर्ट हुआ बताया है।

मंत्री चौहान ने विभिन्न राज्यों में मौसम की ताजा एवं संभावित तथा जलाशयों की स्थिति एवं विभिन्न उपज और उनके मूल्य की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि

● बुआई के दौरान खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता को लेकर भी निर्देश दिए।

तापमान व जलाशयों की स्थिति के अनुसार आगामी गेहूं व सरसों की उपज अच्छी होने की उम्मीद है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि किसानों के हितों को सदैव सर्वोपरि रखना चाहिए। बुआई के दौरान खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता को लेकर भी कृषि मंत्री ने निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि रबी मौसम के लिए 14 फरवरी की स्थिति में प्रमख उत्पादक राज्यों में प्याज एवं आलू की बुआई गत वर्ष से क्रमशः 1.52 लाख हेक्टेयर एवं 0.32 लाख हेक्टेयर ज्यादा है, जबकि टमाटर की बुआई भी गत वर्ष की तरह सामान्य है। देश में रबी का कुल बोया गया सामान्य क्षेत्र प्याज के लिए 11.37 लाख हेक्टेयर, आलू के लिए 21.47 लाख हेक्टेयर और टमाटर के लिए 5.80 लाख हेक्टेयर था। चालू रबी सीजन में टमाटर और प्याज की बुआई सुचारू रूप से चल रही है। तीनों फसलों के लिए बुआई का समय अभी उपलब्ध है और मौजूदा अच्छी बाजार कीमतों को देखते हुए, सामान्य क्षेत्र हासिल करने की उम्मीद है।

भारतीयों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता बजट विकसित भारत की यात्रा में मील का पत्थर : भूपेन्द्र यादव

एजेंसी

पटना। बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (बीआईए) द्वारा आयोजित बजट 2025-26 पर चर्चा के दौरान अपने सम्बोधन में केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र के मार्गदर्शन में पेश किया गया, 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता यह बजट विकसित भारत की यात्रा में मील का पत्थर है।

केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि यह बजट सुनिश्चित करता है कि बिहार भी इस विकास गाथा में अग्रणी भूमिका में रहे। यह बजट खेती से लेकर उद्योग तक, रोज़गार से लेकर एआई तक, शिक्षा से लेकर स्वास्थ तक सभी क्षेत्रों में बिहार के लिए विकास के नए आयाम गढ़ेगा।

देश में फ्यूचर तकनीक और मेडिकल के विकास को देखते हुए नए आईआईटी में 6,500 सीटें बढ़ाना, मेडिकल के यूजी और पीजी के 10 हजार सीटें बढ़ाना और आने वाले पांच सालों में 75 हजार सीटें बढ़ाना। इस बात को प्रदर्शित करता है कि यह सरकार लंबे विजन के साथ काम कर रही है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि विपक्ष को अगर बजट में बिहार नहीं दिख रहा है तो ये उनका नजरिया है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें नहीं दिख रहा है तो 2025 के विधानसभा चुनाव में जनता भी उन्हें नहीं देखेगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के के नेतृत्व में 2047 के विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया गया है।

मस्जिद-मंदिर तलाश करने वाले इस देश की एकता के दुश्मन : मौलाना अरशद मदनी

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलेमा अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने जानकारी देते हुए बताया कि आज सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थलों के संरक्षण कानून से संबंधित दायर याचिकाओं पर भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष सुनवाई हुई। इस दौरान सीजेआई ने पिछली सुनवाई में दिए गए स्टे को बरकरार रखा है जोकि एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश के आदेश के अनुसार, अब तीन सदस्यीय पीठ अप्रैल के पहले सप्ताह में इस मामले की सुनवाई करेगी। जमीअत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद

मदनी ने आज की कानूनी कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि स्टे को बरकरार रखने का निर्णय बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे सांप्रदायिक ताकतों की उकसाने वाली गतिविधियों पर रोक लगी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण मामला है, क्योंकि इस कानून के बने रहने से ही देश की एकता और भाईचारा सुरक्षित रह सकता है। उन्होंने आगे कहा कि सांप्रदायिक ताकतों ने एक बार फिर अपने उग्र इरादों को उजागर कर दिया है, और निचली अदालतों द्वारा इस तरह के मामलों में दिए गए गैर-जिम्मेदाराना फैसलों से स्थिति और भी खराब हो गई है।

नए सीईसी पर बैठक को लेकर कांग्रेस ने उठाये सवाल, कहा- इसे स्थगित करना चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के लिए आज हुई बैठक पर सवाल उठाया है। पार्टी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 19 फरवरी को इस विषय में सुनवाई होगी और फैसला सुनाया जाएगा कि कमेटी का संविधान किस तरीके का होना चाहिए। इसके मद्देनजर आज की बैठक को स्थगित किया जाना चाहिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन और पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले में कांग्रेस के स्टैंड के बारे में बताया। सिंघवी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के

चयन के लिए 2023 में एक एक्ट द चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट लाया गया। इसके अनुसार प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और नेता विपक्ष की समिति मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करती है लेकिन उसमें बहुत सारी संवैधानिक और कानूनी समस्याएं हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट के सामने बात रखी गई और सुप्रीम कोर्ट ने 2 मार्च 2023 को एक फैसला दिया। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र और उसकी निष्पक्षता के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की चयन समिति में प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) और नेता विपक्ष हों। इसके बावजूद इस फैसले की आत्मा और उद्देश्य को बिना समझे, जल्दबाजी में द चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट लाया गया। इस नए कानून में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के ठीक विपरीत काम किया गया, जिसमें पूरी तरह से कार्यपालिका मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन कर रही है। सिंघवी ने कहा कि मोदी सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के लिए 2023 में जो नया कानून द चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट लेकर आई है, इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। अभी तक सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर तीन आर्डर पास किए हैं और अगली सुनवाई 19 फरवरी के आस पास होनी है। इसलिए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन को लेकर कांग्रेस का स्टैंड बड़ा स्पष्ट है। कांग्रेस का मानना है कि सीईसी के चुनाव से जुड़ी आज जो बैठक हुई है, उसे स्थगित किया जाए।

दुल्हन

बनने जा रही हैं तो शादी के लिए खरीदें इस तरह के डिजाइनर

लहंगे

हर लड़की अपनी शादी के बड़े-बड़े सपने संजोती है कि वह सबसे फैसनेबल और स्टाइलिश दिखे।पर आजकल बाजार में हर चीज के दाम इतने ज्यादा बढ़ गए है कि हर किसी के लिए शादी के सामान की अच्छी चीज को खरीदना मुश्किल हो गया है। ऐसे में अगर कपड़ो की बात की जाए तो कपडो पर की गई कढाई कपड़ो को दाम बढा देती है। इसलिए आज हम आपको बताएंगे कि आप आपने हर फंक्शन के लिए किस तरह की पोशाक को कम दाम में खरीदे।

1. म्यूजिकल नाइट के लिए लहंगा

अगर आप अपनी म्यूजिकल नाइट में सबसे खूह सूरत दिखना चाहती है तो सुनहरे व नीले रंग का सुंदर लहंगा ही पहने। नीले रंग के इस डिजाइनर लहंगे पर तीनों रंगों का बहुत ही खूबसूरती से इस्तेमाल किया गया है। इस पर लगाया गया गुलाबी व सुनहरे रंग का फीता और चोली पर सुनहरे रंग का साथ की गई कढ़ाई व नटे का दुपट्टा किसी भी रंग की लड़की को सुंदर बना सकते हैं। 2.

कॉकटेल पार्टी के लिए लहंगा

कॉकटेल पार्टी में तैयार होने के लिए आप नीला व सफेद लहंगा पहने। ऐसे लहंगे पर उम्र व फिगर वाली लड़की पर अच्छा लगता है। लहंगे व चोली पर बनाया गया फूलों का जटिल डिजाइन बहुत साफ होने के कारण आपको शाही रूप प्रदान करता हैं।

3. शादी वाले दिन लहंगा

शादी वाले दिन आप पारंपरिक लहंगे के हिसाब से लाल कुर्ती के साथ बेज रंग का लहंगा पहने। लाल रंग की कुर्ती पर की गई सुनहरे रंगी की कढाई रंगों के मिलाप को दिखाती है। इसलिए कुर्ती के साथ पहने गए बेज रंग के लहंगे पर सुनहरे रंगा का गोटा लगा हुआ लहंगा ही पहने।

4. रिसेप्शन के लिए लहंगा

अगर आप अपने रिसेप्शन पर धातुए रंग की कुर्ती के साथ काले रंग का लहंगा पहनेगे तो बहुत ही अच्छे लगेंगे। ऐसे लहंगे में आपकी तस्वीरें बहुत ही सुंदर आएगी। ऐसे फोटोजेनिक काम के लिए लहंगा एकदम सही है। ब्लाउज का हाई नेक व चोली के सामने लगाए गए बटन आपको एक इंडो-वेस्टरन लूक देगा और आप स्टाइलिश दिखेगी। इसके साथ दुपट्टा नहीं होता है।

बजट मे रहकर खरीदें ये स्टाइलिश

बैल्ट

बैल्टस को हर लड़का अपनी पैंट के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनती हैं। यह देखने में बहुत छोटी होती हैं, पर कुछ बैल्ट का दाम किसी पोशाक के मुकाबले कम नही होता। आजकल बाजार में बहुत सी स्टाइलिश बैल्ट देखने को मिलती है। इनमें से कुछ बैल्ट कपड़े की बनी होती है और कुछ चमड़े की। आज हम आपको कम बजट वाली स्टाइलिश बैल्ट के बारे में बताएगें।

1. चमडे की बैल्ट

अगर आप फॉर्मल लुक पाना चाहते हैं तो काले या भूरे रंग में चमडे की बैल्ट पहने। चमड़े की बैल्ट को बहुत ही संभाल कर रखना पड़ता है। आप इसे फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते है।

2. ब्रांडेड बैल्ट

यदि आप किसी को अपनी तरफ आकर्षित करना चाहते हैं तो ब्रांडेड बैल्ट जरूर पहने। आप इसे किसी भी सिंपल पैंट, पतलून के साथ पहन सकते है। 3. नियॉन बैल्ट

नियॉन बैल्ट रंग-बिरंगी होती है। इसे ज्यादातक स्टाइलिश लूक और फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए पहना जाता है। इन बैल्टस को पुरुषों व महिलाएं दोनों ही पहन सकती है।

4. टेक्स्चर्ड बैल्ट

आजकल बाजार में चमड़े और कपडे दोनों तरह की टेक्स्चर्ड बैल्ट आती है। पर इनमें से कपड़े की बैल्ट ज्यादा अच्छी होती है। इस बैल्ट की खासियत है कि इसकी पकड़ काफी आरामदायक होती है।

5. ट्रैवल बैल्ट

अगर आप ज्यादातर टुर पर जाते हैं तो आपको ट्रैवल बेल्ट पहन कर जाता चाहिए। ट्रैवल बेल्ट में 3-4 पाकिट होती हैं, जिसमें आप अपने पैसे, कार्ड, जरूरी दस्तावेज आदि संभाल सकते है। इसलिए ट्रेकिंग या छुट्टियों पर जाते समय इसे जरूर पहने।

रस्म के हिसाब से दुल्हन चुने कुछ इस तरह के बैग

शादी के बाद नई नवेली दुल्हन सभी के आकर्षण का केंद्र होती है। कपडों, गहनों से लेकर पर्स तक सभी चीजें उसकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देते है। ऐसे में अगर पर्स डिजाइनर हो और अपनी साडी या लहंगेसे मैच करता हो तो बात ही क्या। दुल्हन को चाहिए की वह रस्मों के हिसाब से ही अपनी ड्रेस का चुनाव करे और ड्रेस के साथ मैच करता डिजाइनर पर्स लें। जो आपको खूबसूरत दिखने के साथ-साथ ग्लैमरस लुक भी दे।

1. सगाई की रस्म के समय क्लच बैग

अगर आप अपनी सगाई की रस्म में भारी साडी या लहंगा पहनने की सोच रहे है तो इसके साथ मैच करता हुआ बैग ही चुनें। सगाई की रस्म के समय आपको कल्च बैग को हाथ में पकड़ना बहुत ही आसान होगा। इसे आप कलाई पर लटका सकते है या फिर हाथ में पकड़ सकते है। 2. कॉकटेल पार्टी के लिए इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग

अगर आप अपनी कॉकटेल पार्टी में ग्लैमरस दिखना चाहती है तो लिपटी शिफॉन की ब्लैक या लाल रंग की डिजाइनर चोली वाली साडी के साथ इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग लें। यह आप पर बहुत ही अच्छा लगेगा।

3. शादी वाले दिन के लिए बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स आप अपनी शादी के दिन लहंगे के साथ बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स का इस्तेमाल कर सकती है। इसे पकडना आपको बहुत ही आसान होगा और आप लहंगे के साथ टक कर सकती है।

4. रिसेप्शन पार्टी की शाम के लिए बैग

रिसेप्शन पार्टी के लिए आप जरदोजी या बीड्स लिए टोट बैग ही लें। इसे लेने से आप पार्टी में थोडे गलैमरस लगेंगे। इस तरह के बैगस को आप साड़ी के साथ भी ले सकते है।

खूबसूरत और फ्रेश त्वचा पाने के लिए चेहरे पर लगाएं आइस क्यूब्स

आज कल हर लड़की चाहती है कि उसकी त्वचा खूबसूरत, चमकीली और मुलायम बनी रहे। ऐसे में वह अपनी त्वचा को और खूबसूरत बनाने के लिए वह तरह-तरह के प्रोडक्ट मार्किट से ला कर इस्तेमाल करती है। पर आज हम आपको बताएगें कि आप घर पर ही आइस क्यूब्स से आप अपनी त्वचा को फ्रेश और ब्यूटीफुल बना सकती है। जाने कैसे...

1. चमकीली और स्वस्थ त्वचा

हर लड़की जवां और खूबसूरत दिखना चाहती है। ऐसे में आज हम आपको बताएगे कि अगर आप सुंदर, चमकीली और स्वस्थ त्वचा पाना चाहती है तो आइस क्यूब्स को हर रोज चाहरे पर लगाएं।

2. आंखों की थकान मिटाने के लिए

आजकल काम का बोझ इतना ज्यादा बढ़ गया है कि काम करने के दौरान हमारी आंखे थक जाती है और समय से पहले ही आंखो पर झुर्रियां पड़ जाती है। ऐसे में आंखों की थकान और झुर्रियों की समस्या को दूर तरने के लिए कॉटन के कपडे में बर्फ के कुछ टुकडे लेकर आंखों के आसपास धीरे-धीरे से घुमाएं।

3. मेकअप करने से पहले

मेकअप को ज्यादा समय तक टिकाए रखने के लिए मेकअप करने से पहले बर्फ के कुछ टुकडें लेकर कपड़े में बांधकर चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से आपको फ्रेशनेस का एहसास होगा।

4. स्किन टैन या त्वचा में जलन

आगर आपकी स्किन तेज धूप के कारण टैन हो गई हो या फिर जल गई हो तो ऐसे में जलन वाली जगह पर बर्फ लगाएं। बर्फ लगाने से आपको कूलिंग का एहसास होगा और टैनिंग से भी मुक्ति मिलेगी।

5. आईब्रोज करवाने के बाद होने वाली जलन

अक्सर देखा जाता है कि लड़कियां जब भी आईब्रो करवाती है तो बाद में उनहें जलन या रेडनेस होने लगती है। ऐसे में जलन और रेडनेस को कम करने के लिए आंखों के आसपास आइस क्यूब्स घुमाएं।

ट्रेगिंग्स को ट्राई करने के बाद में आप लेगिंग-जेगिंग पहनना भूल जाएगे

आजकल फैसन में ट्रेगिंग्स को बहुत ही पंसद किया जा रहा है। इसे लडकियां फॉर्मल अकेजन में पहनती है। लेगिंग्स के इस बदले ट्राउजर को आप किसी भी इवनिंग आउटिंग, फॉर्मल ब्रंच या रिलेक्स टाइम में पहन सकती हैं। बाजार में इसके बहुत से रंग मिलते है। तो आइए जानते है इन ट्रेगिंग्स के बारे में।

1. ट्राउज़र और लेगिंग से बना ट्रेगिंग्स

ट्राउज़र और लेगिंग से बनाया गया ट्रेगिंग्स उन लोगों के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन है, जो फैशनेबल लुक वाला आरामदायक लोअर्स पहनना पसंद करते हैं। इसे पहनकर आपको चलने-फिरने में कोई असहजता महसूस नहीं होती ।

2. ट्रेगिंग्स जेगिंग

आजकल मार्केट में ट्रेगिंग्स जेगिंग बहुत ही किफायती दामों पर मिल जाती है। ट्रेगिंग्स को आप शॉर्ट कुर्ती और स्टोल के साथ पहन सकतीं हैं। इतना ही नहीं इन्हें आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। 3. ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने अगर आप अपने थाइज़ को लेकर थोड़ा असहज महसूस करती हैं, तो आप ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने ट्रेगिंग्स की फिटेड लुक को बरकरार रखने के लिए, अपने आउटफिट में थोड़ी फ्लूइडटी दें या फिर इसके साथ फ्लोई टॉप्स और जैकेट पहनें।

श्रीमंत झा ने जीता नॉर्वे पैरा आर्म रेसलिंग कप में रजत पदकें

एजेंसी

नयी दिल्ली। पैरा एथलीट श्रीमंत झा ने नॉर्वे पैरा आर्म रेसलिंग कप में 85 प्लस किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। आज यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार दुनिया के तीसरे और एशिया के नंबर वन आर्म रेशलर श्रीमंत झा ने एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग कप 2025 में 85 प्लस किलोग्राम वर्ग में पोलैंड के मार्सिन कैप्लिकी को हराकर रजत पदक अपने नाम किया। पैरा-एथलीट श्रीमंत झा ने अपना रजत पदक महाकुंभ में जान गवांने वाले लोगों को समर्पित किया है। यह टूर्नामेंट 13 फरवरी से 15 फरवरी चला। नॉर्वे के जॉन फ्रेविक ने इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। स्वदेश पहुंचने पर श्रीमंत झा ने कहा, 0यह मेरे लिए एक विशेष जीत है। मैं हर एक मैच शहीद जवानों के सम्मान के लिए जीतता हूं। अब मैं आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करूंगा और निश्चित रूप से भारत को फिर से गौरवान्वित करने की कोशिश करूंगा। पैरा एथलीट के रूप में श्रीमंत झा अब तक 52 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके है। रजत पदक जीतने पर आर्म रैसलिंग की अध्यक्षा प्रीति झींज्ञानी छत्तीसगढ़ के आर्म रैसलिंगके अध्यक्ष जी सुरेश बाबे, चेयरमैन बृज मोहन सिंह , सचिव श्रीकांत एवं कोच ऋषभ जैन ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

रोहन कांबले ने हर्डल रेस में जीता कांस्य पदक

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे में गुजरात के अहमदाबाद मण्डल के रोहन कांबले ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में हर्डल रेस में कांस्य पदक जीता। वरिष्ठ मण्डल मेकेनिकल इंजीनियर (समन्वय) जगदंबा प्रसाद ने बताया कि अहमदाबाद डिवीजन के मैकेनिकल विभाग में जूनियर क्लर्क के पद पर कार्यरत रोहन गौतम कांबले ने आठ फरवरी से 12 फरवरी तक उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए बाधा दौड़(हर्डल रेस) में कांस्य पदक जीता। श्री जगदंबा प्रसाद ने बताया कि रोहन ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 400 मीटर बाधा दौड़ (हर्डल रेस) स्पर्धा में भाग लिया और उसे 51.77 सेकंड में पूरा किया। इस अद्वितीय सफलता ने न केवल उनकी व्यक्तिगत क्षमता को प्रदर्शित किया बल्कि उन्होंने अहमदाबाद मण्डल का नाम भी रोशन किया है। मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद सुधीर कुमार शर्मा ने श्री कांबले को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और कहा, रोहन की कड़ी मेहनत और समर्पण ने अहमदाबाद मण्डल को बहुत गौरवान्वित किया है। हम उनके भविष्य के प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

डब्ल्यूपीएल में गिल्लियां पूरी तरह से स्टंप से हटने पर विकेट को आउट माना जायेगा

वडोदरा । दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच 15 फरवरी को खेले गए मैच में रनआउट को लेकर पनपे विवाद के बीच डब्ल्यूपीएल की सभी टीमों को गिल्लियां पूरी तरह से स्टंप से हटने पर विकेट को आउट माने जाने के नियम से अवगत दिया है। इस नियम के तहत अब रनआउट और स्टंपिंग पर फैसला लेते समय अंपायर यह देखेंगे की गिल्लियां पूरी तरह से कब स्टंप से हटी हैं। पहले के नियम में जैसे ही लाइट जल जाती थी गिल्ली को स्टंप से अलग मान लिया जाता था। ऐसा पता चला है कि डब्ल्यूपीएल में इस्तेमाल हो रही गिल्लियां बहुत कम अवरोध पर ही जल जा रही हैं। ऐसा देखा जा रहा है कि दोनों गिल्लियां स्टंप से ऊपर भी नहीं उठीं और लाइट जल गई। क्रिकेट में जब गिल्लियां पूरी तरह से अपने स्थान हट जाती हैं तभी उन्हें स्टंप से अलग माना जाता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्विपक्षीय सीरीज़ के साथ ही घरेलू क्रिकेट में भी एलईडी गिल्लियों का इस्तेमाल करता है। ऐसा बताया जा रहा है कि डीसी और एमआई के बीच हुए मैच की सुबह मैच के अधिकारियों को इस नियम के बारे में अवगत कराया गया था। हालांकि, टीमों को इसके बारे में मैच के अगले दिन पता चला।

मनु भाकर बनी बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर

नयी दिल्ली। भारत की स्टार महिला निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर पुरस्कार 2024 से नवाजा गया है। आज यहां आयोजित एक समारोह में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई वोटिंग के बाद मनु भाकर के नाम की घोषणा की गई। समारोह में बीबीसी के डायरेक्टर जनरल टिम डेवी और भारतीय मुक्केबाज मैरी कॉम ने मनु भाकर को इस पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार मिलने बाद मनु भाकर ने कहा, बीबीसी का इस पुरस्कार के लिए शुक्रिया। यह उतार-चढ़ाव वाला सफर रहा है।

मैंने बहुत सारे मैच जीते हैं, लेकिन यहां आपके सामने खड़ा होना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने इससे ना केवल देश की महिलाओं को बल्कि उन खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी जिनका सपना कुछ बड़ा करने का है।

खडसे ने किया महाराष्ट्र ईस्पोर्ट्स ओपन चैंपियनशिप 2025 का उद्घाटन

एजेंसी

पुणे। केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने महाराष्ट्र ईस्पोर्ट्स ओपन चैंपियनशिप 2025 का उद्घाटन किया। प्रतिष्ठित एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी में आयोजित यह चैंपियनशिप राज्य के खेल इतिहास और देश के उभरते ईस्पोर्ट्स उद्योग में एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में कार्य करती है। फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन इंडिया (एफईएआई) और मराठा ईस्पोर्ट्स एसोसिएशन (एमईए) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य भर से 2100 प्रतिभागी भाग लेंगे। इसमें 52 फाइनलिस्ट पहले ही ग्रैंड फिनाले में पहुंच चुके हैं। इस अवसर पर श्रीमती खड़से ने कहा, यह कार्यक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे समय में हो रहा है जब अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने ईस्पोर्ट्स के बढ़ते महत्व को मान्यता दी है, ओलंपिक ईस्पोर्ट्स गेम्स 2027 में

शुरू होने वाले हैं। आईओसी के फैसले ने भारत सहित कई देशों को ईस्पोर्ट्स को वैध खेल के रूप में समर्थन देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है। इस प्रक्रिया में महाराष्ट्र की सक्रिय भूमिका इसे डिजिटल खेल क्रांति में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करती है। उन्होंने कहा, ईस्पोर्ट्स का विकास वैश्विक स्तर पर जारी है, 2023 एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में ऐसे पुरस्कार दिए जा रहे हैं जो आईपीएल जैसी पारंपरिक खेल लीगों को टक्कर देते हैं। सऊदी अरब में 2027 ओलंपिक ईस्पोर्ट्स गेम्स में भी ईस्पोर्ट्स के प्रमुख होने की उम्मीद है, जहाँ दुनिया भर के खिलाड़ी ओलंपिक इतिहास में पहली बार प्रतिस्पर्धा करेंगे। ईस्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने दिसंबर 2023 में युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत ईस्पोर्ट्स को औपचारिक रूप से ÷मल्टीस्पोर्ट इवेंट÷ के रूप में वर्गीकृत किया, जिससे इसकी स्थिति और मजबूत हुई। पिछले सप्ताह सरकार ने ईस्पोर्ट्स खिलाड़ियों को अन्य पारंपरिक खेलों की तरह ही उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नकद पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की है। ईस्पोर्ट्स एथलीटों के लिए बुनियादी ढाँचा, वित्त पोषण और अवसर विकसित करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की बदौलत महाराष्ट्र अब देश का ईस्पोर्ट्स हब बनने के लिए तैयार है।

मिताली राज ने आरसीबी की धमाकेदार जीत को सराहा, कहा- पहले ओवर से ही खेल पर कर लिया था नियंत्रण

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वडोदरा में खेले गए महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहम और कप्तान स्मृति मंधाना के बेहतरीन प्रदर्शन ने अहम भूमिका निभाई। पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने आरसीबी के इस प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पहले ओवर से ही खेल पर पकड़ बना ली थी। जियो हॉटस्टार पर मिताली ने कहा, जब रेणुका सिंह ने पहले ही ओवर में शैफाली वर्मा को आउट किया, तभी से आरसीबी ने खेल पर नियंत्रण कर लिया। स्मृति मंधाना ने बेहतरीन कप्तानी की और उनके गेंदबाजी बदलावों का असर साफ दिखा। उनकी पारी ने टीम को मजबूत शुरुआत दी।

आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली कैपिटल्स को पहला झटका पारी की पहली ही गेंद पर लगा, जब शैफाली वर्मा (0) रेणुका सिंह की गेंद पर स्मृति मंधाना को

कैच दे बैठीं। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स (34) और कप्तान मेग लैनिंग (17) ने 60 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन जॉर्जिया वेयरहम ने जेमिमा को स्टंप आउट कर दिल्ली को दूसरा झटका दिया। दिल्ली की पारी 19.3 ओवर में 141 रन पर सिमट गई।

डब्ल्यूपीएल 2025: चौथे मैच में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग 2025 के चौथे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही आरसीबी ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की और अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। दिल्ली की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी लेकिन शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 19.3 ओवर में 141 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाए, जबकि सारा ब्राइस ने 23 रन जोड़े।

आरसीबी की ओर से गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। रेणुका ठाकुर सिंह और जॉर्जिया वेयरहैम ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि किम गर्थ और एकता बिष्ट ने दो-दो विकेट चटकाए।

दिल्ली की ओर से मिले 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की टीम ने मजबूत शुरुआत की। स्मृति मंधाना ने 81 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उन्होंने 47 गेंदों में 10 चौके और 3 छक्के लगाए। डेनिएल व्याट-हॉज ने भी 42 रनों का योगदान दिया। टीम ने 16.2 ओवर में सिर्फ दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स के लिए अरुंधति रेड्डी और शिखा पांडे ने एक-एक विकेट लिया।

जोकोविच ने वापसी करते ही वर्डास्को के साथ हासिल की धमाकेदार जीत

एजेंसी

दोहा। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने स्पेन के फर्नांडो वर्डास्को के साथ जोड़ी बनाकर कतर ओपन के युगल वर्ग के पहले दौर में अलेक्जेंडर बुब्लिक और करेन खाचानोव को सीधे सेटों में 6-1, 6-1 से हराया।

यह मुकाबला महज 48 मिनट तक चला, जिसमें 41 वर्षीय वर्डास्को और 37 वर्षीय जोकोविच की जोड़ी पूरी तरह हावी रही। वर्डास्को इस टूर्नामेंट के बाद संन्यास लेने वाले हैं, और यह जीत उनके करियर के अंतिम चरण में एक खास उपलब्धि रही। जोकोविच को पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ खेलते हुए बाएं पैर की मांसपेशियों

में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें मैच से रिटायर होना पड़ा था। अब पूरी तरह फिट होकर कोर्ट पर वापसी करने वाले जोकोविच और वर्डास्को का अगला मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश-फिनिश जोड़ी हेनरी पैटन और हैरी हेलियोवारा से होगा।

यूपी ग्रेस व पंजाब की राउंडग्लास हॉकी अकादमी सेमी फाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। पिछली विजेता राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) और मेजबान यूपी ग्रेस ने 35वीं ऑल इंडिया केडी सिंह बाबू सब-जूनियर (अंडर-14) प्राइज़मनी हॉकी टूर्नामेंट में शानदार जीत हासिल करते हुए सेमी फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। क्वार्टर फाइनल में राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) ने मनमोहन सिंह हॉकी अकादमी को 7-1 से और मेजबान यूपी ग्रेस ने ऋषु रानी हॉकी अकादमी पंजाब को 1-0 से हराया। केडी सिंह बाबू स्मारक सोसायटी के तत्वावधान में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के ध्यानचंद एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में आयोजित टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में पी ग्रेस ने अबु हुजैफा के एकमात्र गोल से जीत दर्ज की। अबु हुजैफा ने यह गोल आठवें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर पर दागा। हालांकि दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ मैदानी गोल दागने की कई कोशिशें कीं लेकिन

आला दर्जे के डिफेंस के चलते गोल करने में नाकाम रही। पहले क्वार्टर फाइनल में राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) ने गुरमानवदीप सिंह की हैट्रिक सहित आक्रामक अंदाज के सहारे मनमोहन सिंह हॉकी अकादमी के खिलाफ 7-1 से जीत दर्ज की। राउंडग्लास से गुरमानवदीप सिंह ने 13वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर को गोल में तब्दील करते हुए शुरुआती गोल दागा। जवाब में एमएम सिंह अकादमी से हर्ष ने 18वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर से बराबरी का गोल दागा। हालांकि राउंडग्लास हॉकी अकादमी की टीम ने जल्द वापसी की और गुरमानवदीप सिंह ने 23वें मिनट में अपना व टीम का दूसरा गोल करते हुए टीम को दूसरे क्वार्टर में 2-1 की बढ़त दिला दी। उन्होंने 34वें मिनट में अपना तीसरा गोल दागते हुए हैट्रिक पूरी की। इसके एक मिनट बाद ही रणवीर सिंह ने प्रतिद्वंद्वी गोल कीपर को छकाते हुए 35वें मिनट में शानदार गोल दागा। फिर हरकीरत सिंह ने 39वें मिनट में और चौथे क्वार्टर में निशांत तंवर ने 56वें व मानवीर सिंह ने 58वें मिनट में दमदार मैदानी गोल दाग टीम की बढ़त 7-1 कर दी जो अंत तक कायम रही। अन्य क्वार्टर फाइनल में नवल टाटा ओडिशा ने फ्लिकर ब्रदर्स हरियाणा को 8-2 से और राजस्थान ने टीडब्ल्यूसी मणिपुर को 5-4 से मात दी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैच अब 19 फरवरी को खेले जाएंगे। उसमें पहले सेमीफाइनल में राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) बनाम नवल टाटा ओडिशा और दूसरे सेमीफाइनल मे यूपी ग्रेस बनाम राजस्थान का मुकाबला होगा।

चेन्नई में 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का भव्य आगाज

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भव्य शुरुआत हुई। तमिलनाडु सरकार के समर्थन से आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन का समापन 20 फरवरी को होगा।इस चैंपियनशिप में देशभर से 1,476 पैरा-एथलीटों ने भाग लिया है, जो 30 टीमों के तहत 155 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस इवेंट को देश की सबसे बड़ी पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में से एक माना जा रहा है।

प्रतियोगिता में देश के शीर्ष पैरा-एथलीटों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिनमें टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल (भाला फेंक स्व64), मरियप्पन थंगावेलु (ऊंची कूद ञ63) और नवदीप सिंह (भाला फेंक स्व41) जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। यह आयोजन भारतीय पैरालंपिक समिति और तमिलनाडु पैरालंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन (TNPS) के संयुक्त प्रयासों से हो रहा है। PCI अध्यक्ष देवेन्द्र झाझरिया ने इस चैंपियनशिप को भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक नया मील का पत्थर बताते हुए कहा,

चेन्नई में यह चैंपियनशिप पैरा खेलों के लिए नए मानक स्थापित करेगी। 155 स्पर्धाओं में 1,476 एथलीटों की प्रतिस्पर्धा यह दर्शाती है कि भारत में पैरा खेलों की लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धात्मकता तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्तरीय सुविधाओं और समावेशिता की प्रतिबद्धता के साथ, हम भारतीय पैरा एथलेटिक्स के एक नए युग की ओर बढ़ रहे हैं। चैंपियनशिप के सफल आयोजन में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह इवेंट देश में पैरा स्पोर्ट्स को और मजबूत करेगा और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए नए सितारों को तैयार करेगा।

ला लीगा: बार्सिलोना विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा में शीर्ष पर लौटा

एजेंसी

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने सोमवार रात को रेयो वैलेकैनो पर 1-0 की संकीर्ण और विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा के शीर्ष स्थान पर वापसी की। बार्सा के लिए एकमात्र गोल रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी के जरिए किया, लेकिन मैच में कई विवादास्पद फैसले देखने को मिले, जिनमें रेयो की पेनल्टी अपील की अनदेखी और एक संदिग्ध ऑफसाइड के चलते उनका गोल खारिज किया जाना शामिल था।

लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी से दिलाई बढ़त

पहले हाफ में बार्सिलोना ने अधिक आक्रमण किए, जिसमें लेवांडोव्स्की और रफिन्हा के प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सके। हालांकि, 27वें मिनट में बार्सा को पेनल्टी मिली, जब रेयो के पाथे सिस को इनिगो मार्टिनेज को रोकने के लिए दोषी ठहराया गया। रेयो के

गोलकीपर ऑगस्टो बटाला ने गेंद को पकड़ लिया था, लेकिन रेफरी मेलेरो लोपेज़ ने फाउल करार देते हुए पेनल्टी दी, जिसे लेवांडोव्स्की ने गोल में बदलकर बार्सा को बढ़त दिला दी। मैच में रेयो के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसलों पर नाराजगी जताई। पेनल्टी से पहले अब्दुल मुमिन पर हेक्टर फोर्ट के स्पष्ट शर्ट-पुल को नजरअंदाज कर दिया गया। वहीं, पहले हाफ के अंत में जॉर्ज डे फ्रुटोस का गोल ऑफसाइड करार देकर खारिज कर दिया गया, जबकि रिप्ले में दिखा कि रैंडी एनकेटा, जिन्हें ऑफसाइड बताया गया था, गोल में कोई भूमिका नहीं निभा रहे थे।

दूसरे हाफ में रोमांच और रेयो की कोशिशें नाकाम

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। रेयो के लिए वोज्शिएक स्ज़ेसनी ने शानदार बचाव किए, जबकि बार्सा के दानी ओलमो का प्रयास भी गोलकीपर बटाला के शानदार बचाव के कारण नाकाम रहा। चोट समय में जॉर्ज डे फ्रुटोस के पास बराबरी का मौका था, लेकिन वह एड्रियन एम्बार्बा के क्रॉस को सही ढंग से हेडर में बदलने में नाकाम रहे। इस जीत के साथ बार्सिलोना गोल अंतर के आधार पर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि रेयो की नौ मैचों से चली आ रही अजेय लय टूट गई।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 :जर्मनी से भिड़ने को तैयार भारतीय पुरुष हॉकी टीम

भुवनेश्वर। एफआईएच प्रो लीग 2024-25 अभियान में मिली-जुली शुरुआत के बाद कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम में अपने आगामी मैचों में जर्मनी से भिड़ने को तैयार है।

अपने पहले मैच में स्पेन से 3-1 से हारने के बाद दूसरे मैच में 2-0 की शानदार जीत के साथ वापसी करने के बाद भारतीय टीम जर्मन टीम के खिलाफ अपनी जीत की लय को जारी रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम पहले 18 फरवरी को और फिर 19 फरवरी को जर्मनी के खिलाफ खेलेगी। फिलहाल दो मैचों में तीन अंक लेकर भारतीय टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है और इन मैचों में जीत के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करेगा।

ला लीगा: रियल वलाडोलिड ने कोच डिएगो कोका को बर्खास्त किया, अल्वारो रुबियो बने नए कोच

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में संघर्ष कर रहे क्लब रियल वलाडोलिड ने मुख्य कोच डिएगो कोका को बर्खास्त कर दिया। उनकी जगह क्लब की बी-टीम के कोच और पूर्व खिलाड़ी अल्वारो रुबियो को नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। यह फैसला वलाडोलिड की सेविला के खिलाफ 0-4 की करारी हार के 24 घंटे बाद आया। इस हार के बाद टीम 24 मैचों में केवल 15 अंकों के साथ तालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गई है।कोका का कार्यकाल सिर्फ आठ मैचों तक चला अर्जेंटीना के कोच डिएगो कोका ने यूरोप में पहली बार कोचिंग की थी। उन्हें 1 दिसंबर को पाउलो पेज़ोलानो की जगह नियुक्त किया गया था, लेकिन उनके कार्यकाल में टीम ने आठ मैचों में सिर्फ एक जीत दर्ज की। वलाडोलिड ने ला लीगा के सात मैचों में सिर्फ

तीन अंक जुटाए और कोपा डेल रे में तीसरे स्तर की टीम ऑरेन्से के खिलाफ हार का सामना किया। कोका की एकमात्र जीत 11 जनवरी को रियल बेटिस के खिलाफ आई थी। रविवार को सेविला के खिलाफ मिली करारी हार के बाद कोका ने अपनी निराशा जाहिर करते हुए कहा था, मैं माफी मांगता हूं, जो कुछ मैदान पर हुआ, उससे मैं शर्मिंदा हूं। हमने टीम को सही दिशा देने की कोशिश की, लेकिन 0-4 की हार के बाद कोई बहाना नहीं बचता। मैं इस नतीजे की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूं। क्लब ने आधिकारिक बयान में कहा, हम कोका और उनके तकनीकी स्टाफ को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। रुबियो ने पहले भी टीम की कमान संभाली थी नए कोच अल्वारो रुबियो इससे पहले भी पाउलो पेज़ोलानो की बर्खास्तगी और कोका की नियुक्ति के बीच टीम की अस्थायी रूप से कमान संभाल चुके हैं। तब उनके नेतृत्व में वलाडोलिड ने दो जीत और एक हार दर्ज की थी।

केन विलियमसन ने मिडलसेक्स के साथ किया दो साल का करार, टी20 ब्लास्ट और काउंटी चैम्पियनशिप में खेलेंगे

लंदन। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने इंग्लिश काउंटी क्लब मिडलसेक्स के साथ दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। वह 2025 इंग्लिश समर के दौरान क्लब के लिए टी20 ब्लास्ट और काउंटी चैम्पियनशिप में खेलते नजर आएंगे। यह इंग्लैंड में विलियमसन का तीसरा काउंटी कार्यकाल होगा। इससे पहले उन्होंने 2011-12 में ग्लॉस्टरशायर और 2013-2018 के बीच यॉर्कशायर का प्रतिनिधित्व किया था।

मिडलसेक्स के लिए कब खेलेंगे विलियमसन?

विलियमसन टी20 ब्लास्ट के 14 ग्रुप मुकाबलों में से कम से कम 10 के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा, वह सीजन के दूसरे भाग में कम से कम पांच काउंटी चैम्पियनशिप मैचों में भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, न्यूजीलैंड का यह अनुभवी बल्लेबाज मई से सितंबर तक 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में लंदन स्पिरिट के लिए भी खेलते नजर आएगा।

मिडलसेक्स ने 2024 काउंटी चैम्पियनशिप के डिवीजन दो में तीसरा स्थान हासिल किया था। क्लब की निगाहें अब डिवीजन-1 में प्रमोशन पर होंगी। वहीं, विटैलिटी टी20 ब्लास्ट में उनका प्रदर्शन खराब रहा, जहां वे साउथ ग्रुप की नौ टीमों में से आठवें स्थान पर रहे थे।

विलियमसन ने क्या कहा?

मिडलसेक्स के साथ करार पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए विलियमसन ने कहा, मैंने अतीत में कुछ काउंटी क्रिकेट खेला है, लेकिन अब कई वर्षों से नहीं। जब मिडलसेक्स का यह अवसर आया, तो यह वास्तव में रोमांचक था। क्रिकेट के घर लॉर्ड्स में खेलना मेरे लिए खास रहेगा। मिडलसेक्स के क्रिकेट निदेशक एलन कोलमैन ने विलियमसन के आगमन को क्लब के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा,हम इस गर्मी में केन के मिडलसेक्स से जुड़ने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वह हमारे टी20 ब्लास्ट और चैम्पियनशिप अभियानों में सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक को टीम में शामिल करना हमारे लिए बड़ी सफलता है।

मिडलसेक्स की उम्मीदें बढ़ीं

केन विलियमसन की मौजूदगी से मिडलसेक्स को न केवल काउंटी चैम्पियनशिप में प्रमोशन की उम्मीद होगी, बल्कि टी20 ब्लास्ट में भी बेहतर प्रदर्शन की संभावना बढ़ेगी। अब देखना होगा कि न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज इंग्लिश समर में अपने अनुभव से टीम को किस ऊंचाई तक पहुंचाते हैं।

चेहरा छिपाए दिल्ली में कबीर संग नजर आई

कृति सैनन

फैंस बोले- शुरू हो गई शादी की तैयारियां?

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सैनन और लंदन के नामचीन बिजनेसमैन कबीर बहिया के रिलेशनशिप में होने की अफवाहें कई बार उड़ चुकी हैं। कपल को कई बार अलग-अलग जगहों पर साथ में स्पॉट किया जा चुका है, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने रिलेशनशिप में होने की बात को स्वीकार नहीं किया। लेकिन इस बार दोनों को जब दिल्ली में एक साथ देखा तो फैंस को लगा मामला सीरियस है। कोई उनके जल्द ही शादी के बंधन में बंधने की बात कह रहा है तो किसी को लग रहा है कि कृति और कबीर के एकसाथ दिल्ली आने की क्या वजह हो सकती है?

दिल्ली में साथ नजर आए कबीर और कृति

कबीर बहिया और कृति सैनन को हाल ही में दिल्ली एयरपोर्ट पर देखा गया। एक्ट्रेस ने सिर पर कैप लगाकर काला चश्मा लगाया और फिर चेहरे को मास्क से कवर कर रखा था। खुद को मीडिया की नजर से बचाने की लाख कोशिशों के बावजूद कृति सैनन को व्हाइट टॉप और ब्लू डेनिम में दूर से ही पहचाना जा सकता था। वहीं कबीर ने ब्लैट आउटफिट लिया था और दोनों के लुक्स आपस में इतने कूल लग रहे थे कि कुछ लोगों ने वीडियो पर कमेंट किया कि दोनों अपने फैंस को कपल गोल्स दे रहे हैं।

फैमिली मीटिंग के लिए पहुंचा है कपल ?

रिपोर्ट्स की मानें तो कबीर और कृति साथ में दिल्ली एक दूसरे की फैमिली से मिलने पहुंचे हैं। इस बात की वजह से दोनों की शादी की खबरों को और बल मिला है। बॉलीवुड गॉसिप्स की मानें तो कृति सैनन और कबीर बहिया इसी साल शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं है और ना ही दोनों ने फैंस को सोशल मीडिया के जरिए कोई ऐसा हिंट दिया है। बीते दिनों दोनों को बेंगलुरू में साथ स्पॉट किया गया था।

वर्क फ्रंट पर क्या कर रहे कृति-कबीर ?

वर्क फ्रंट की बात करें तो कबीर बहिया का फोकस ज्यादातर अपने काम पर रहता है और वह लाइमलाइट से दूर ही रहना पसंद करते हैं। उधर कृति सैनन की पिछली फिल्म दो पत्ती थी जिसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। कृति सैनन ने इस फिल्म के जरिए अपना प्रोडक्शन डेब्यू किया।

'कभी खुशी कभी गम' के वो सीन्स जो शायद आपने कभी नहीं देखे होंगे

करण जौहर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' की रिलीज को 24 साल पूरे हो गए हैं, फिर भी इस फिल्म की लोकप्रियता आज भी वैसी की वैसी ही है. फिल्म को भी बॉलीवुड की कुछ सबसे बड़ी फिल्मों में से एक के तौर पर जाना जाता है. 'कभी खुशी कभी गम' को आज भी लोग मजे से फैमिली के साथ एंजॉय करते हैं. फिल्म में शाहरुख खान और ऋतिक रोशन, काजोल और अमिताभ जैसे बड़े कलाकार थे. फिल्म तीन घंटा तीस मिनट की है और ऐसे में इसके कई सीन्स भी हैं, जिन्हें शूट तो किया गया था, हालांकि, बाद में इन्हें हटा दिया गया.

धर्मा प्रोडक्शंस को 90'ह्य के दौर की सबसे बिग बिजट और क्लासिक फिल्में देने को लिए जाना जाता है. 'कुछ कुछ होता है' और 'कभी खुशी कभी गम' जैसी फिल्मों के कई सीन्स हैं जो फाइनल कट से हटा दिए गए थे. इनमें से कई सीन्स ऐसे हैं जो काफी मजेदार हैं और अगर ये फिल्म में होते तो फिल्म और भी ज्यादा अच्छी होती. आइए आपको बताते हैं उन सीन्स की कहानी.

राहुल-अंजली का रोमांटिक डांस सीक्वंस

राहुल-अंजली की जोड़ी को इस फिल्म में इतना पसंद किया गया था कि ये जोड़ी मिलेनियल के लिए एक कल्ट है. शाहरुख-काजोल का रोमांस कौन नहीं देखना चाहता. फिल्म में वैसे तो काजोल और शाहरुख के कई सीन्स हैं लेकिन एक खास डांस सीक्वंस है जिसको यू आर माई सोनिया सॉन्ग के बाद में एक्सट्रा कट के तौर पर शूट किया गया था. इस सीन में राहुल-अंजली घर में और रोहन (ऋतिक) और पूजा (करीना) बाहर डांस कर रहे हैं. बैकग्राउंड में 'यू आर माई सोनिया' का अनकट वर्जन बजता है. ये सीन काफी मजेदार है.

राहुल-अंजली की शादी और रानी से सगाई मोंटाज

करण ने खुद इस शॉट के बारे में बताया था. उन्होंने बताया कि फिल्म में इस सीक्वंस को बहुत ही अच्छे से प्लान किया गया था, जहां एक तरफ राहुल को अंजली के पिता की मौत के बाद उससे अचानक शादी करनी पड़ती है वहीं दूसरी तरफ उसके घर पर नैना (रानी मुखर्जी) के साथ उसकी सगाई की तैयारी चल रही है. सीन में जहां एक तरफ राहुल अंजली के साथ शादी कर रहा है तो वहीं दूसरी तरफ अमिताभ का किरदार यश बेटे की सगाई की तैयारी कर रहे हैं. फिल्म में भी एक कट सीक्वंस था हालांकि, सगाई की तैयारी वाले सीन्स को काट दिया गया था.

जिस फिल्म ने 3 दिन में कमाए 121 करोड़, उसके डायलॉग लिखने वाले ने क्यों नहीं लिया पैसा?

विकी कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना की फिल्म 'छावा' इसी हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई है. इस फिल्म की काफी वक्त से चर्चा हो रही थी. पहले इसे पुष्पा 2 के साथ ही रिलीज किया जाना था, लेकिन फिर इसकी रिलीज डेट बदल दी गई. पर अब जब ये फिल्म आई है तो ये बॉक्स ऑफिस पर दमदार कमाई कर रही है. 'छावा' के गाने लिखने वाले लिरिसिस्ट इरशाद कामिल ने ही फिल्म में काव्यात्मक डायलॉग भी लिखे हैं. इसके लिए उन्होंने कोई फीस नहीं ली है.लिरिसिस्ट इरशाद कामिल ने हाल ही में 'छावा' को लेकर मिड डे को एक इंटरव्यू दिया है और फिल्म के बारे में काफी कुछ बताया है. इस दौरान उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म के काव्यात्मक डायलॉग लिखने के लिए कोई फीस चार्च नहीं की.

इरशाद कामिल ने नहीं लिए पैसे

एक सवाल के जवाब में इरशाद कामिल कहते हैं, गानों के अलावा में फिल्म के काव्यात्मक डायलॉग लिखने में भी शामिल रहा हूं. संभाजी महाराज को लेकर मेरे अंदर जो सम्मान है, मैंने उन्हें लिखने के लिए एक पैसा भी चार्ज नहीं किया. हम कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं. हमें ये बात याद रखनी चाहिए कि ऐतिहासिक तथ्य एक चीज़ है और इमोशनल एक्सप्रेशन दूसरी चीज.

इरशाद कामिल ने इस दौरान कहा कि वो जंग लड़े ये तथ्य है, लेकिन वो निश्चित रूप से उस लड़ाई के दौरान भावनात्मक रूप से प्रेरित रहे होंगे. जंग के दौरान उनका इमोशनल एक्सप्रेशन कैसा रहा होगा, बताने का कोई पैरामीटर नहीं है.

छावा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

'छावा' में विकी कौशल के काम को खूब पसंद किया जा रहा है. उन्होंने छत्रपति शिवाजी के बेटे संभाजी महाराज का रोल निभाया है. फिल्म में अक्षय खन्ना ने मुगल बादशाह औरंगजेब का रोल निभाया है. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जोरदार कमाई कर रही है. इसने सिर्फ तीन दिनों में ही 121.43 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. ये विकी के करियर की अब तक की सबसे बड़ी वीकेंड ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है.'छावा' का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है. इस फिल्म में विकी, अक्षय और रश्मिका के अलावा आशुतोष राणा, प्रदीप राम सिंह रावत, संतोष जुवेकर, नील भूपलम, आलोक नाथ, किरण कर्माकर और विनीत कुमार सिंह जैसे मंझे हुए कलाकार भी दिखाई दिए हैं.

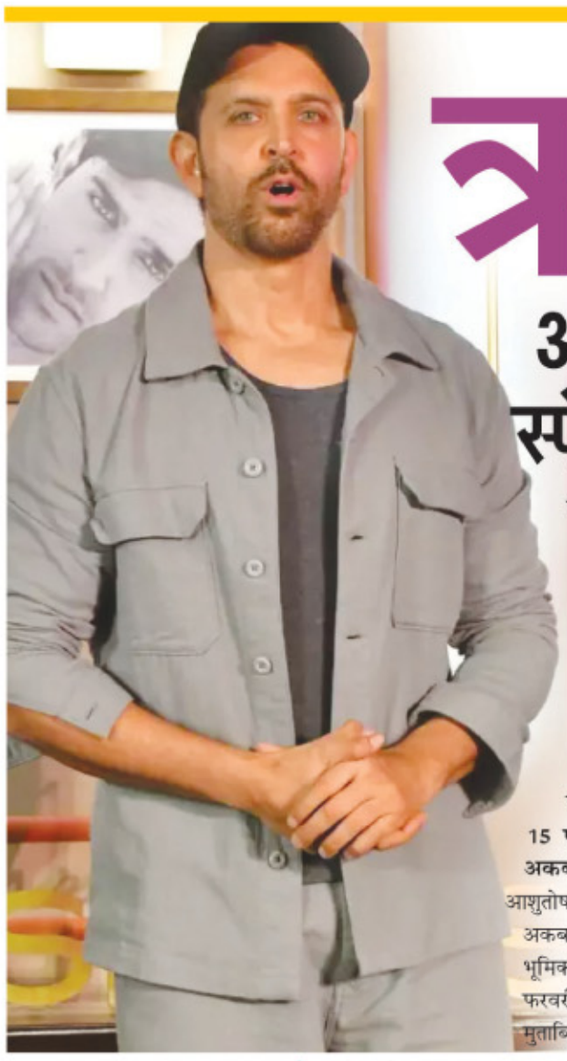

ऋतिक रोशन

और ऐश्वर्या राय की फिल्म की ऑस्कर में होगी स्पेशल स्क्रीनिंग, 17 साल पहले हुई थी रिलीज

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन साल 2008 में आई फिल्म जोधा अकबर में साथ नजर आए थे। दर्शकों ने इस फिल्म को खूब पसंद किया था। भारत में ये फिल्म हिट साबित हुई थी। इस फिल्म को 17 साल पूरे हो गए हैं। अब ऋतिक और ऐश्वर्या की फिल्म को लेकर ऑस्कर ने खास ऐलान किया है। ऑस्कर अवॉर्ड के आयोजक 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग का ऐलान किया है।

15 फरवरी, 2008 को रिलीज हुई थी जोधा अकबर

आशुतोष गोवारिकर के डायरेक्शन में बनी फिल्म जोधा अकबर की मार्च में स्पेशल स्क्रीनिंग होगी। फिल्म में ऋतिक रोशन अकबर की भूमिका में नजर आए थे। वहीं, ऐश्वर्या राय जोधा बनी थीं। यह फिल्म 15 फरवरी, 2008 को रिलीज हुई थी। फिल्म के बजट की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का बजट करीब 40 करोड़ था।

फिल्म के 17 साल पूरे होने पर क्या बोले डायरेक्टर

पीरियड ड्रामा फिल्म को खूब पसंद किया था। भारत में ये फिल्म हिट साबित हुई थी। इस फिल्म को 17 साल पूरे हो गए हैं। अब ऋतिक और ऐश्वर्या की फिल्म को लेकर ऑस्कर ने खास ऐलान किया है। ऑस्कर अवॉर्ड के आयोजक 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग का ऐलान किया है।

15 फरवरी, 2008 को रिलीज हुई थी जोधा अकबर

आशुतोष गोवारिकर के डायरेक्शन में बनी फिल्म जोधा अकबर की मार्च में स्पेशल स्क्रीनिंग होगी। फिल्म में ऋतिक रोशन अकबर की भूमिका में नजर आए थे। वहीं, ऐश्वर्या राय जोधा बनी थीं। यह फिल्म 15 फरवरी, 2008 को रिलीज हुई थी। फिल्म के बजट की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का बजट करीब 40 करोड़ था।

कितनी है ऐश्वर्या और ऋतिक की फिल्म IMDb की रेटिंग ?

बता दें, ऐश्वर्या राय ने फिल्म में जो लहंगा पहना था उसे हाल ही में एकेडमी ने मोशन एक्जीबिशन के लिए रखा था। ऐश्वर्या राय का वो लहंगा मशहूर डिजाइनर नीता लुल्ला ने डिजाइन किया था। जोधा अकबर में डायरेक्टर ने दोनों के बीच के रिश्ते की कहानी को कैमरे के जरिए दिखाया था। फिल्म अपने भव्य सेट से लेकर शानदार कॉस्ट्यूम और कलाकारों की एक्टिंग की वजह से खूब चर्चा में आई थी। इस फिल्म की आईएमडीबी रेटिंग 7.5 है।